BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY
जानकी न्यू लाईफ मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल
क्रीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614
EMERGENCY :- 75 108 57 108
हेड इंजरी, कोमा, सरदर्द, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिक्स, न्यूरो रिहेब, इंटरनल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, जॉईंट रिप्लेसमेंट, आईसीयू मॉड्यूलर ओटी, यूरो सर्जरी, वैस्कुलर सर्जरी..एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसजी, एक्स रे, प्रसूति व स्त्री रोग तज्ञ..
GONDIA'S FIRST BURN WARD
डॉ. सनी सतीश जायसवाल न्यूरो सर्जन
डॉ. सौ. पूनम सनी जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

बालाघाट, सिवनी, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 04 अगस्त 2026 | दिन - मंगलवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 189 | मूल्य - 5 रुपये

SAHAYOG HOSPITAL
7 Years OF HEALTH, HOPE & HEALING
निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर
वैधता 31 अगस्त 2026 तक
आयुष्मान भारत योजना (PMJAY) एवं MJPJAY के अंतर्गत निःशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध
91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

...और दिखाओ...और दिखाओ
और दिखाओ...और दिखाओ...!!!
...खुबसुरत साड़ियों के लिए तो सिर्फ...यहींच...संभव
बरकरार रखों
मो. 9325481081
9423113147
पंकज
खास साड़ीयों का खास संग्रह
गोंदिया
चुनने का मजा...

बांकीपुर उपचुनाव : प्रशांत किशोर 19,324 मतों के अंतर से जीते, जन सुराज का खाता खुला..

पटना, (भाषा)।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार नीरज कुमार को 19,324 मतों के अंतर से हराकर जीत दर्ज की। निर्वाचन आयोग के अनुसार, सभी 32 चरणों की मतगणना पूरी होने के बाद प्रशांत किशोर को 64,151 मत मिले जबकि भाजपा के नीरज कुमार को 44,827 मत प्राप्त हुए।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार रेखा कुमारी 14,273 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। अन्य उम्मीदवारों में प्रगतिशील जनता पार्टी के मनोरंजन कुमार श्रीवास्तव को 973, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के तनवीर आलम को 864, भारतीय आम अवाम पार्टी के प्रदीप कुमार को 781, भारतीय जवान किसान पार्टी के बैजनाथ प्रसाद को 383, निर्दलीय उम्मीदवार अनिल दास को 311 तथा निर्दलीय सिकंदर कुमार को 264 मत मिले।

किशोर की जीत को उनकी पार्टी से बाहर के कई नेताओं ने भी ÷भाजपा के अहंकार के लिए सबक÷ करार दिया। इनमें जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव तथा भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य भी शामिल हैं। भाकपा (माले) लिबरेशन विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की सहयोगी पार्टी है। तीस जुलाई को हुए मतदान से पहले कई दिनों तक प्रशांत किशोर और भाजपा की ओर से जोरदार चुनाव प्रचार किया गया था। चुनाव प्रचार के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाए और इस संबंध में निर्वाचन आयोग का भी रुख किया। 1970 के दशक के जेपी आंदोलन के प्रमुख नेताओं में रहे वरिष्ठ समाजवादी नेता शिवानंद तिवारी ने कहा, ÷बांकीपुर का जनादेश हाल के छात्र आंदोलनों में भाजपा के प्रति दिखे व्यापक असंतोष की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। साथ ही प्रशांत किशोर को भी इसका श्रेय दिया जाना चाहिए, जिन्होंने असाधारण ऊर्जा और संगठनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

राजद के प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने भी परिणाम पर खुशी जताई। राजद अक्सर प्रशांत किशोर को भाजपा की ÷बी टीम÷ बताती रही है। गगन ने कहा, ÷हमारे लिए यह अधिक महत्वपूर्ण है कि भाजपा अपने गढ़ में पराजित हुई, बजाय इसके कि जीत किसकी हुई। उल्लेखनीय है कि नितिन नवीन ने नवंबर पिछले वर्ष लगातार पांचवीं बार बांकीपुर विधानसभा सीट जीती थी। हालांकि, अप्रैल में राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

दतिया उप चुनावः कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा प्रत्याशी को 6,016 मतों से पराजित किया

दतिया (मप्र), (भाषा)। दतिया विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सोमवार को कांग्रेस के उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भाजपा के उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से पराजित कर दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखड़े ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी ने 6,016 मतों से जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने बताया कि 15वें और आखिरी दौर की मतगणना के बाद घनश्याम सिंह को 66,757 मत मिले, जबकि तिवारी को 60,741 मत प्राप्त हुए। वानखड़े ने बताया कि आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार दामोदर यादव को 22,527 मत मिले हैं जो तीसरे स्थान पर हैं। रुझानों में जीत के संकेत मिलते ही भोपाल स्थित कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में जश्न की शुरुआत हो गई और पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों पर नृत्य किया और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाईं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसे ''दतिया की जनता की जीत, 2028 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद और कांग्रेस नेताओं के सामूहिक प्रयास'' का नतीजा करार दिया।

मध्यप्रदेश में भाजपा संगठन व सरकार के लिये

क्या हानिकारक साबित हो रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव? दतिया उपचुनाव ने दिखाया आईना..

आशीष वर्मा, संपादक जगप्रेरणा।

मध्यप्रदेश में दतिया विधानसभा में उपचुनाव संपन्न हुआ, जिसमें कांग्रेस उम्मीदवार कुंवर घनश्याम सिंह ने भाजपा के उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 6,016 वोटों के अंतर से चुनाव हरा दिया। प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में हुई यह हार निश्चित ही मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व की हार मानी जानी चाहिये, तथा इस हार के बाद निश्चित ही भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय संगठन जिसने मोहन यादव को एक योग्य एवं पार्टी निष्ठ कार्यकर्ता के

रुप में अपेक्षाओं से युक्त होकर मुख्यमंत्री की जवाबदारी दी, पार्टी नेतृत्व को मुख्यमंत्री के पद पर मोहन यादव के यथावत बने रहने पर विचार अवश्य करना चाहिये। गौरतलब है कि एक तरफ मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव को लेकर यह स्थिति है कि वे पुरे प्रदेश की जनता में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जैसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री अब तक साबित नहीं हो पाए हैं। मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश संगठन में प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक जहां पार्टी में गुटबाजी और नेताओं के बीच आपसी तनाव के साथ एक दूसरे को निपटाने की योजनाओं पर प्रयास होते दिखाई दे रहे हैं, तथा पार्टी के भीतरी सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार खुद मुख्यमंत्री मोहन यादव भी अपना पैनल तैयार करने के प्रयासों में शिवराज एवं अन्य पूर्व कद्दावर नेताओं के समर्थकों के साथ उपेक्षात्मक व्यवहार कर रहे हैं, वहीं प्रदेश में ऐसी कोई योजनाएं भी मोहन यादव नहीं दे पाए हैं कि जिसके कारण मुख्यमंत्री मोहन यादव की जनता के बीच लोकप्रियता बढ़े।

मध्यप्रदेश में किसानों को धान का घोषित समर्थन मूल्य भी मोहन यादव अब तक नहीं दे पाए, वहीं हाल ही में किसानों का प्रदर्शन भी मोहन यादव सरकार की असफलता की कहानी प्रदर्शित कर गया, जबकि वहीं बात की चर्चाएं भी है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव दिग्विजय सिंह स्टाईल में प्रदेश में सरकार चलाने का प्रयास कर रहे हैं, जिसमें वे प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से नेताओं की रिपोर्ट लेते हैं, उनके अनुसार निर्णय करते हैं, जबकि प्रदेश सरकार में इसके पहले स्थानीय नेताओं को महत्व देने का कार्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किया जाता था, लेकिन अब जो पूर्व के कद्दावर नेता हैं, उनको दरकिनार करने का प्रयास करते हुए अपनी पैनल तैयार करने के प्रयासों में जो निर्णय लिये जा रहे हैं, वह संगठन के दृष्टिकोण से नुकसानदेह दिखाई दे रहे हैं।

नरोत्तम की टिकिट काटने का फैसला आखिर किसका था?

गौरतलब है कि दतिया उपचुनाव हुए तो कहा जा रहा है कि ऐन मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने ही नरोत्तम मिश्रा की टिकिट काटने की व्यूह रचना को अंजाम दिया। अब यहां एक बात कार्यकर्ताओं और आम जनता के बीच छाई रही कि आखिर किन कारणों से नरोत्तम मिश्रा की टिकिट काटी गई, इसका सहीं जवाब किसी नेता के पास नहीं था, और इसका जो असली कारण था वो मुख्यमंत्री मोहन यादव की अपनी विश्वासपात्र लाईन तैयार करना था, यह बात भी लोगों के समझ में आई, जिसका परिणाम हुआ कि मोहन यादव के निर्णय को जनता ने अस्वीकार किया, वो तो भाजपा के निष्ठावान नरोत्तम मिश्रा चुनाव में रोते बिलखते भी भाजपा के लिये वोट मांगते रहे, जिसका परिणाम हुआ कि भाजपा मुकाबले में बनी रही, और सिर्फ 6016 वोटों के अंतर से ही भाजपा की हार हुई, अन्यथा जो नाराजगीयां नरोत्तम मिश्रा की टिकिट काटने से व्याप्त हुई, उससे आशुतोष तिवारी की हार का अंतर बहुत बड़ा भी हो सकता था।

मुख्यमंत्री के भाषण नही करते आकर्षित..

गौरतलब है कि एक सफल मुख्यमंत्री के रुप में मोहन यादव की लोकप्रियता नहीं बढ़ने का एक बड़ा कारण यह भी सामने आ रहा है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की भाषण शैली लोगों को प्रभावित नहीं कर पा रही है, भाषण में उनकी भाषा, उनकी प्रस्तुती में बहुत सुधार की आवश्यकता दिखाई देती है, तथा जब मुख्यमंत्री संबोधित करते हैं, तो मुख्यमंत्री को सुनने की चाहत का जो आकर्षण होना चाहिये, वह अब तक कहीं पैदा होता नहीं दिखाई दिया है।

मोहन यादव आगे भी बने रहे मुख्यमंत्री तो..

गौरतलब है कि दतिया चुनाव के परिणाम ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व का करिश्मा प्रदर्शित कर दिया है, लेकिन इसके बाद भी यदि मुख्यमंत्री मोहन यादव पद पर बने रहे, और उन्होंने अपनी कार्ययोजना में सुधार नहीं लाया, और उनकी खुद की पैठ जमाने की कोशिश में संगठन में गुटबाजी को बढ़ावा देने का प्रयास जारी रहा, तो माना जा सकता है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में 2028 विधानसभा चुनाव में भाजपा के सत्ता में वापस लौटने की उम्मीद भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को छोड़ देनी होगी, क्योंकि यहां तय है कि यदि नेतृत्व से आकर्षण और विश्वास उत्पन्न नहीं होगा, और संगठन में आपसी खींचतान जारी रहेगी, तो इसका परिणाम भाजपा के लिये नुकसानदायक ही होगा। बहरहाल, दतिया चुनाव में भाजपा की डुबी नैया के बाद अब शीर्ष नेतृत्व आगे किन कमियों को समझ पाता है, और उसे कैसे दूर करने का मार्ग प्रशस्त किया जाता है, देखने वाली बात होगी।

स्वामी विवेकानन्द प्रा. आई.टी.आई.
इलेक्ट्रिशियन | फिटर
न्यूनतम शुल्क सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण | सर्वाधिक रोजगार रोजगार हेतु नियमित कैम्पस
मोती तालाब के पास, सुरभी नगर, बालाघाट
मो. 7000627847, 7000482405, 9826324832
ADMISSION OPEN 2026-27
NCVT एवं DGE&T से मान्यता प्राप्त

मानव-वन्य जीव संघर्ष के बाद कान्हा प्रबंधन ने बाघिन टी-27 का सफल रेस्क्यू कर वन विहार भोपाल भेजा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने मानव-वन्यजीव संघर्ष की हालिया घटना के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्या जनित मानी गई 14 वर्षीय बाघिन टी-27 का सफल एवं सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे वन विहार, भोपाल के लिए रवाना कर दिया। यह कार्रवाई ग्रामीणों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए की गई।

गौरतलब है कि 2 अगस्त 2026 की मध्य रात्रि में कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन अंतर्गत खापा बफर परिक्षेत्र की कुम्हादेही बीट के ग्राम परीपुर (स्कूल टोला) में बाघ के हमले में सुगनी बाई (पति बुधराम बैगा) की मृत्यु हो गई थी। घटना के बाद मृतका के परिवार को अंत्येष्टि एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। सभी औपचारिकताएं पूरी होने पर परिवार को शासन की ओर से 8 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। घटना के तुरंत बाद कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। कैमरा ट्रैप लगाए गए, गश्ती दलों द्वारा सघन सर्चिंग अभियान चलाया गया तथा हाथी दल की मदद से जंगल और आसपास के क्षेत्रों की निगरानी की गई। इस दौरान लगभग 14 वर्ष आयु की मादा बाघिन टी-27 गांव के समीप विचरण करती हुई मिली।

जांच में यह भी सामने आया कि बाघिन पहले भी ग्रामीण क्षेत्रों के आसपास देखी गई थी तथा एक दिन पहले उसने गांव के पास शिकार करने का प्रयास भी किया था। इन परिस्थितियों को देखते हुए प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश शासन से अनुमति प्राप्त करने के बाद सोमवार को कान्हा टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक रवींद्र मणि त्रिपाठी और उपसंचालक (बफर) अमिता के. बी. के मार्गदर्शन में बाघिन का रेस्क्यू किया गया।

ग्रेसियस् कॉलेज
2026-27 ADMISSION OPEN
SC, ST, OBC वर्ग के विद्यार्थियों को म. प्र. शासन के नियमानुसार छात्रवृत्ति
नर्सिंग: बी.एस.सी. नर्सिंग 4 वर्षीय डिग्री
मान्यता : आई.एन. सी. नई दिल्ली, म.प्र. नर्सिंग रजि. काउंसिल भोपाल, राजा शंकरशाह वि. वि. छिंदवाड़ा
फार्मेसी: बी.फार्मा. 4 वर्षीय डिग्री | 2 वर्षीय डिप्लोमा डी.फार्मा.
मान्यता : पी.सी.आई. नई दिल्ली, आर.जी.पी.वी. भोपाल, डी.टी.ई. भोपाल
योग्यता : 12 वी उत्तीर्ण (जीव विज्ञान/गणित संकाय)
73820 53000 / 73820 54000
आर.टी.ओ.ऑफिस के पास, वारासिवनी रोड, बरबसपुर - कायदी, बालाघाट म.प्र.

SARDAR PATEL UNIVERSITY
BALAGHAT (M.P.)
ADMISSION OPEN 2026-27
ENGINEERING
POLYTECHNIC
B.TECH | M.TECH
Part Time / Full Time | AICTE Approved
• Civil Engg. • Mechanical Engg. • Electrical Engg. • Mining Engg. • Computer Sc. & Engg. • Mining & Mine Surveying
B.Tech. (AI & ML)
100% Job Oriented Program
छात्रवृत्ति SC/ST/OBC
PHARMACY
PCI Approved
• D. PHARMACY • B. PHARMACY • M. PHARMACY
Pharmacology / Pharmaceutics
MBA PHARMACEUTICAL MANAGEMENT
AGRICULTURE
• B.Sc. (Hons.) • M.Sc.(Ag.) • B.Tech (Agril) • Diploma
ABM AGRI BUSINESS MANAGEMENT
LAW
• B.A. LL.B. • LL.B. • LL.M.
BCI Approved
MANAGEMENT
• BBA (Hons.) • MBA • BHM
BAMS SARDAR PATEL AYURVEDIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
BHMS S.M. DEO HOMOEOPATHIC MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.)
9174192111, 9174202111, 9174212111

बालाघाट जिले के नए कलेक्टर कुमार सत्यम ने संभाला कार्यभार

संवेदनशीलता और पारदर्शिता होगी प्राथमिकता..

जगप्रेरणा बालाघाट।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2017 बैच के अधिकारी श्री कुमार सत्यम ने सोमवार 03 अगस्त को बालाघाट जिले के नए कलेक्टर के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने जिला अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया और प्रशासन की कार्यशैली को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं।

कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने कहा कि प्रशासन में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को अधिक से अधिक फील्ड विजिट करने, समस्याओं का मौके पर जाकर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। साथ ही बालाघाट जिले को विकास और सुशासन के हर पैमाने पर प्रदेश के अग्रणी जिलों में बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। कलेक्टर श्री सत्यम ने आगामी 7 अगस्त से प्रारंभ होने वाले मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि शासन के निर्देशानुसार आयोजित होने वाले शिविरों में सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का पूरी गंभीरता और निष्ठा के साथ निर्वहन करें तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दें। उल्लेखनीय है कि श्री कुमार सत्यम इससे पूर्व एसडीएम डिंडोरी, एसडीएम सौंसर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत मंदसौर तथा अतिरिक्त कलेक्टर ग्वालियर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके प्रशासनिक अनुभव का लाभ अब बालाघाट जिले को मिलेगा।

क्या चांवल घोटाले का है बड़ा राजनीतिक कनेक्शन भी? जिससे हो रही मजबूत पिल्लरों को उखाड़ने की गहरी साजिश..

बालाघाट भाजपा में चल रही बड़ी गुटबाजी, लेडी धुरंधर को बताया जा रहा साईलेंट मास्टरमाईंड..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में बीते 03 जून 2026 को संचेती राईस मिल में एक चांवल से भरा ट्रक पकड़ाया, और इस ट्रक में एथेनॉल प्लांट के लिये निकला चांवल संचेती राईस मिल को बेचा जाना पाया गया। तहसीलदार द्वारा कलेक्टर मृणाल मीना को दी गई सूचना पर पुलिस अधीक्षक को ताकिद किया गया, और फिर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के नेतृत्व में शुरु हुई चांवल घोटाले की परत पर परत खोलने की मुहिम। इस पुरे चांवल घोटाले में जैसे ही मामला

सुर्खियों में आया, कुछ राईस मिलर्स को भी इसमें लपेटे में लिया गया, और कार्यवाही को कदम दर कदम आगे बढ़ाया गया, लेकिन पुरे मामले में कार्यवाही की जद में जैसे ही पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन के सगे रिश्तेदार और भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे के परिवारजनों और मित्रों के नाम सामने आए, मामला अलग ही सुर्खियों की ओर बढ़ गया, और मीडिया की सुर्खियों में लगातार चांवल घोटाले को लेकर रामकिशोर कावरे और गौरीशंकर बिसेन को निशाने पर लिया जा रहा है, तथा देखते ही देखते अब चांवल घोटाला चांवल घोटाला कम और राजनीतिक ईरादों को भुनाने का मंच और छबी धुमिल करने का प्रयास दिखाई दे रहा है, तथा अब चांवल घोटाले का राजनीतिक कनेक्शन भी चर्चा में आ गया है।

क्या है चांवल घोटाले का राजनीतिक कनेक्शन?

गौरतलब है कि चांवल घोटाला हुआ, जिसमें कुछ राईस मिलर्स ने एथेनॉल प्लांट द्वारा बेचा गया चांवल खरीदा। यह चांवल एथेनॉल प्लांट ने नियम विरुद्ध राईस मिलर्स को बेचा, यहां चर्चा होनी चाहिये राईस मिलर्स और एथेनॉल प्लांट के बीच हुए लेन देन की, लेकिन निशाने पर लिया जा रहा है पूर्व मंत्री और भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे तथा पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन को, तथा इस मामले में जबकि प्रत्यक्ष एवं व्यक्तिगत तौर पर दोनों ही नेताओं का सीधा कोई व्यवसायिक कनेक्शन भी सामने नहीं आया है, लेकिन बताया ऐसा जा रहा है कि जैसे रामकिशोर कावरे ही चांवल घोटाले के बड़े मास्टरमाईंड हों, तो इसके पीछे आखिर गेम प्लान क्या है? मामले का राजनीतिक कनेक्शन क्या है, तो इस बात को इस बात से समझना होगा कि कावरे और बिसेन को कोई चांवल घोटाला मामले में कानुनी तौर पर जेल में तो नहीं डाला जा सकता, तो फिर क्यों कावरे और बिसेन को निशाने पर लिया जा रहा है, तो इसका बड़ा कारण है और वह है कावरे और बिसेन की छबी धुमिल करना, ताकि कावरे और बिसेन की छबी खराब हो तो उन्हें राजनीतिक तौर पर लुप लाईन में डालने के प्रयास सार्थक होंगे। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तक जब यह रिपोर्ट प्रेषित की जायेगी तो पार्टी नेतृत्व को कावरे और बिसेन को लेकर निर्णय लेना ही होगा, और स्वाभाविक है कि जब निगेटिव रिपोर्ट तैयार होगी, तो फिर भला कैसे आगे भी कावरे और बिसेन अवसर प्राप्त कर पायेंगे।

भाजपा की लेडी धुरंधर को बताया जा रहा साईलेंट मास्टरमाईंड..

गौरतलब है कि जिले की राजनीति में कभी किसी पद की योग्यता के लिये सुनाई भी नहीं देने वाली एक लेडी धुरंधर को नेता विशेष की मेहरबानी से वर्षों की प्रतिक्षा के बाद आखिरकार जब मौका मिल ही गया, तथा महोदया जब एक बड़े पद पर पहुंच ही गई, तो कहा जा रहा है कि यह लेडी धुरंधर अब साईलेंट मास्टरमाईंड के रुप में अपना अगला सेटअप बनाने के लिये बड़े खेल खेल रही है। देखते ही देखते मोहतरमा भले ही जन जन में पैठ बनाने में विफल रही है लेकिन बड़े नेताओं का संरक्षण पाने में सफल दिखाई दे रही है, तथा इसी का एक चमत्कार महोदया के प्रभाव के रुप में तब दिखाई दे गया था जब शहर में अचानक प्रशासन ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए एक कॉम्पलेक्स को अचानक जमींदोज कर दिया तथा चंद घंटों में जमी जमाई दुकानें भी खाली करवा ली गई थी, वहीं अब प्रशासनिक दक्षता पाने की सफलता का करिश्मा दिखा चुकी मोहतरता के ऐसे ही ईशारे पर भी चांवल घोटाले को भी नियोजित बताया जा रहा है। यहां उल्लेखनीय है कि नेता विशेष की कृपा से वर्तमान में प्राप्त जवाबदारी की आगे गुंजाईशें दिखाई नहीं देने की स्थिति में तथा अपनी क्षमता और पार्टी की अपेक्षाओं को समझते हुए उसे पता है कि संभावनाएं कहां और कितनी बन सकती है, इसलिये मोहतरमा लेडी धुरंधर के संदर्भ में राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार वह मान रही है कि उसे किसी एक विधानसभा में जरुर पार्टी अवसर दे सकती है, वह भी तब जबकि पार्टी के पास कोई अन्य विकल्प ना हो, यही कारण है कि यह लेडी धुरंधर बड़े साईलेंड मास्टरमाईंड के रुप में एक बड़े खेल को प्रशासनिक दक्षता के दम पर अंजाम दे रही है, जिसमें इस पुरे खेल के पीछे उसके ईरादों को समझना जहां सबके लिये आसान नहीं है, वहीं मैडम का अंदाज भी मैडम ने ऐसा बना रखा है कि जहां वो चाहती भी नहीं है कि उनके खेल के पीछे के खेल को कोई समझ सके, और इसी होशियारी से सबकुछ करने का काम उसने जारी रखा है, लेकिन कहते हैं कि दुनिया में ऐसे भी वैज्ञानिक हुए हैं जो बड़ी बड़ी बिमारियों के पीछे के कारणों को खोज लेते हैं, तो फिर कहानी के पीछे की कहानी को समझने में भला कितनी देर लग सकती है? और यही खेल यहां नजर आ रहा है।

पहले जीएसटी, फिर एनजीटी और फिर चांवल घोटाला.. और सबमें निशाने पर सिर्फ एक ही नाम..

गौरतलब है कि कोई भी नेता होगा, तो उसका अपना परिवार भी होगा, कारोबार भी होगा। लेकिन जरुरी नहीं कि उस कारोबार या परिवार के सदस्य के हर सफेद और काले में नेता का साथ और हाथ भी होगा। लेकिन हाथ हो या ना हो, यदि कोई संबंध है तो आरोप लगाना बड़ा आसान हो जाता है, और राजनीति में नेता की छबी ही उसका राजनीतिक भविष्य तय करती है, इसलिये सबसे आसान उपाय होता है कि नेता की छबी खराब कर दो, फिर कुछ करने की जरुरत नहीं। यही कारण है कि बिना ठोस सबूत और आधार पर सिर्फ जनचर्चाओं के दम पर भी नेता चुनाव में या चुनाव पहले या बाद में भी छबी खराब करने के लिये एक दूसरे पर बड़े आरोप लगा देते हैं, ताकि छबी खराब की जा सके। ऐसा ही शिकार अब बालाघाट में रामकिशोर कावरे का करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें पहले जब जीएसटी की चोरी पकड़ी गई तो कारोबार भाई का, लेकिन छबी खराब करने का प्रयास किया गया रामकिशोर कावरे का।

एनजीटी में पर्यावरण नियमों के उल्लंघन की बात आई तो आरोप लगाए गए रामकिशोर कावरे पर। यहां तक कि अब चांवल घोटाले में भी भले ही भाई और मित्र और अन्य लोगों की संलिप्तता बताई जा रही है, और छबी खराब की जा रही है रामकिशोर कावरे की। अब सवाल यह उठता है कि क्या यदि किसी मामले में किसी व्यक्ति के भाई का कोई अपराध होगा भी तो क्या दूसरे भाई को उसके ऐवज में जेल में डाल दिया जायेगा, क्या दूसरे भाई को फांसी पर चढ़ाया जा सकता है नहीं, तो फिर सवाल यह उठता है कि यह बात समझने की बजाए रामकिशोर कावरे पर ही आरोपों पर आरोपों की बारिश करने के पीछे मकसर क्या है?

क्या किसी की छबी खराब कर किसी की छबी बनाई जा सकती है?

गौरतलब है कि राजनीति में यह जरुर माना जाता है कि चुनाव में नेता की छबी का बड़ा अहम रोल होता है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या किसी की छबी खराब करके दूसरे किसी नेता की छबी बनाई जा सकती है, नहीं। यहां जो लोग विशेषकर जो लेडी धुरंधर चुपचाप खामोशी के साथ अपने मकसद को खुबसुरती से अंजाम देने का प्रयास कर रही है, तथा उसके साथ रहने वाला एक चालाक व्यापारी भी मिलकर रामकिशोर कावरे की छबी खराब करने में सफल हो भी गए तो क्या वे खुद की छबी बनाकर अपने मकसद में कामयाब हो पाएंगे, सवाल तो उठता है?

कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

लंबित प्रकरणों के संवेदनशीलता के साथ निराकरण के दिये निर्देश..

जगप्रेरणा बालाघाट।

03 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा (टीएल) बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नवागत कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने समय सीमा संबंधी प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निराकरण के निर्देश दिये। बैठक में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सीएम

हेल्पलाइन के मामलों की समीक्षा की गई। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी.एस. धुर्वे, श्री डी.पी. बर्मन, संयुक्त कलेक्टर श्री राहुल नायक, एसडीएम श्री गोपाल सोनी, वारासिवनी एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सत्यम ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम एवं ई-सेवा से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सेवाएं उपलब्ध कराने तथा लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अंतर्गत ऋण स्वीकृति के प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिये गए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जिले में मलेरिया नियंत्रण के लिए की गई कार्यवाही की जानकारी ली गई। साथ ही हाइपरटेंशन एवं डायबिटीज जैसी गैर-संचारी बीमारियों की नियमित निगरानी एवं प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सत्यम ने महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग को जर्जर शासकीय भवनों एवं खाली परिसरों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में पेंशन प्रकरणों, लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत आधार अपडेट, प्रधानमंत्री किसान पोर्टल पर किसानों के पंजीयन सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री सत्यम ने सभी अधिकारियों को विभागीय समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं, समय-सीमा प्रकरणों एवं जनहित से जुड़े मामलों का प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बढ़े बिजली बिल और स्मार्ट मीटर के विरोध में बालाघाट में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन..

डिवीजन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, किसानों को पर्याप्त बिजली, गलत बिलों की जांच और बिजली दरों में राहत की उठाई मांग

जगप्रेरणा बालाघाट।

बढ़ते बिजली बिल, स्मार्ट मीटर के माध्यम से कथित अनियमित वसूली तथा किसानों को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति नहीं मिलने के विरोध में सोमवार 3 अगस्त को कांग्रेस परिवार ने बिजली विभाग के खिलाफमोर्चा खोल दिया।

ब्लॉक कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, छात्र संगठन, किसान कांग्रेस, जिला सेवादल तथा कांग्रेस के विभिन्न विंग एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर विद्युत विभाग के डिवीजन कार्यालय पहुंचकर डिवीजन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्याम पंजवानी ने कहा कि क्षेत्र की आम जनता और किसान लंबे समय से विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली से परेशान हैं। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद अनेक उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में अत्यधिक बिजली बिल प्राप्त हो रहे हैं, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ गया है। वहीं किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त समय तक नियमित बिजली उपलब्ध नहीं होने से खेती-किसानी प्रभावित हो रही है।

कांग्रेस ने रखीं छह प्रमुख मांगें..

ज्ञापन में कांग्रेस परिवार ने छह प्रमुख मांगें रखते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर के कारण उपभोक्ताओं को मिल रहे अत्यधिक एवं कथित गलत बिजली बिलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। बिजली की बढ़ी हुई दरों को तत्काल वापस लेकर आम उपभोक्ताओं को राहत दी जाए। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त समय तक नियमित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। गलत एवं मनमाने बिजली बिलों का तत्काल निराकरण कर उपभोक्ताओं का आर्थिक शोषण रोका जाए। बार-बार होने वाली बिजली कटौती एवं विद्युत व्यवस्था की तकनीकी खामियों में सुधार कर गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराई जाए। विद्युत उपभोक्ताओं एवं किसानों की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था लागू की जाए।

सेवा भारती आश्रम की 14 बालिकाएं हुईं बीमार, पेड़ा खाने के बाद फूड प्वाइजनिंग की आशंका

जगप्रेरणा बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक-32 स्थित निर्मल नगर के सेवा भारती आश्रम में रहने वाली 14 बालिकाओं के एक साथ बीमार होने से हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पेड़ा खाने के बाद बालिकाओं में उल्टी, दस्त, पेट दर्द और बुखार जैसी शिकायतें सामने आईं, जिसके चलते उन्हें तत्काल बालाघाट के श्री विचक्षण जैन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार सभी बच्चियों की हालत फिलहाल स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। जानकारी के मुताबिक सेवा भारती आश्रम में विशेष जनजातीय समुदाय की लगभग 70 बालिकाएं निवास करती हैं, जो सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में अध्ययनरत हैं। बताया जा रहा है कि 2 अगस्त की शाम पवार मंगल भवन में आयोजित एक कार्यक्रम से प्रसाद स्वरूप पेड़े आश्रम भेजे गए थे। आश्रम प्रशासन ने रात में बालिकाओं को पेड़ा वितरित किया। इसके अलावा रात्रि भोजन में दाल, चावल और कद्दू की सब्जी परोसी गई थी।

रात में सबसे पहले तीन बालिकाओं को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई, जिन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। सोमवार सुबह तक बीमार बच्चियों की संख्या लगातार बढ़ती गई और दोपहर करीब 2 बजे तक कुल 14 बालिकाएं अस्पताल पहुंच चुकी थीं। इनमें से कुछ बालिकाएं सुबह स्कूल चली गई थीं, लेकिन वहां भी उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल लाया गया। अस्पताल में भर्ती बालिकाओं ने बताया कि रविवार शाम उन्हें घूमने के लिए मोती गार्डन ले जाया गया था, जहां उन्होंने न तो कुछ खाया और न ही पानी पिया। रात में आश्रम लौटने पर उन्हें पेड़ा दिया गया और भोजन कराया गया। इसके बाद देर रात से ही पेट दर्द, उल्टी, दस्त और बुखार की शिकायत शुरू हो गई।

श्री विचक्षण जैन हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने बताया कि बच्चियों में फूड प्वाइजनिंग जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। सभी का उपचार किया जा रहा है और वर्तमान में किसी भी बच्ची की हालत गंभीर नहीं है। डॉक्टरों की निगरानी में सभी का इलाज जारी है। इधर, सेवा भारती आश्रम की अधीक्षिका भारती गौतम ने बताया कि पवार मंगल भवन से पेड़े आश्रम में आए थे, जिन्हें बच्चों में वितरित किया गया था। उन्होंने स्वीकार किया कि बच्चियों को बुखार, पेट दर्द और उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन उन्होंने इसे फूड प्वाइजनिंग मानने से इनकार करते हुए कहा कि बच्चियां सामान्य रूप से बीमार हुई हैं। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग और संबंधित प्रशासनिक अमला पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगा है। पेड़ों और भोजन के नमूनों की जांच कराई जा सकती है ताकि बीमारी के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। यदि जांच में खाद्य पदार्थ दूषित पाए जाते हैं तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफकार्रवाई भी संभव है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live जिला सिवनी

बरघाट, छपारा, केवलारी, घंसौर, लखनादौन, धनोरा एवं संपूर्ण सिवनी जिले की खबरें..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

पटवारियों ने आंबेडकर चौक पर धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्य प्रदेश में पटवारियों ने अपनी मांगों को लेकर एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। प्रांतीय आह्वान पर सोमवार से सिवनी जिले के सभी आठों ब्लॉक के पटवारी काम बंद हड़ताल पर चले

गए हैं। जिला मुख्यालय पर पटवारियों ने आंबेडकर चौक पर धरना दिया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पटवारी संघ का कहना है कि वेतनमान की गड़बड़ी, कैडर रिव्यू और प्रमोशन जैसे जरूरी मामले लंबे समय से अटके पड़े हैं। बाकी विभागों में कर्मचारियों को लगातार तरक्की मिल रही है, लेकिन पटवारी इससे छूटे हुए हैं। इसलिए शासन के पास रुके पड़े कैडर रिव्यू के प्रस्ताव को तुरंत लागू किया जाना चाहिए।

2018 से बंद पड़ी परीक्षा शुरू करने की मांग..

संघ ने नायब तहसीलदार के पद के लिए होने वाली विभागीय परीक्षा को हर साल कराने की मांग उठाई है। पटवारियों के मुताबिक साल 2018 के बाद से यह परीक्षा आयोजित नहीं की गई है। इस वजह से काबिल और हकदार पटवारियों के आगे बढ़ने और प्रमोशन पाने के रास्ते बंद पडे हैं।

काम के दौरान सुरक्षा और एफआईआर से बचाव..

सरकारी कामकाज के दौरान सुरक्षा देने की मांग करते हुए पटवारियों ने कहा कि उन्हें भी 'जज प्रोटेक्शन एक्ट' का कवर मिलना चाहिए। उनका कहना है कि कई बार वे सिर्फरिपोर्ट बनाकर देते हैं, लेकिन उन पर सीधे पुलिस केस दर्ज कर दिया जाता है। इससे कर्मचारियों के मन में डर का माहौल रहता है।

पेंडिंग मानदेय का भुगतान और गलत ट्रांसफर रद्द करने की चेतावनी..

पटवारियों ने फार्मर आईडी, स्वामित्व योजना और सर्वे जैसे शासकीय कामों के रुके हुए पैसे को जल्द देने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि बकाया भुगतान न होने पर वे आगे की योजनाओं का बहिष्कार करेंगे। इसके अलावा ट्रांसफर नियमों के खिलाफ किए गए तबादलों को तुरंत रद्द करने और मांगें न माने जाने पर आंदोलन तेज करने की बात कही है।

भक्ति संगीत की साधना का गौरवपूर्ण सम्मान..

पं. भजन श्री' उपाधि से अलंकृत हुए अशोक अकेला, गुरु पूर्णिमा पर मिला विशिष्ट सम्मान

जगप्रेरणा सिवनी।

भक्ति संगीत की साधना, समर्पण और संस्कारों का जब सम्मान होता है, तो वह केवल एक कलाकार का नहीं, बल्कि पूरी संगीत परंपरा का सम्मान बन जाता है।

विगत 25 वर्षों से भक्ति संगीत की अखंड साधना में रत सुप्रसिद्ध भजन गायक, संगीत संयोजक एवं भक्ति गीतों के रचनाकार अशोक अकेला को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर अनंत श्री विभूषित धर्म सम्राट श्रीमद् जगद्गुरु स्वामी श्री प्रज्ञानंद सरस्वती जी महाराज द्वारा 'पं. भजन श्री' की सम्मानित उपाधि एवं सम्मान-पत्र प्रदान किया गया।

यह सम्मान अशोक अकेला के वर्षों के त्याग, तप, समर्पण और संगीत साधना का श्रेष्ठ प्रफ्फिल माना जा रहा है। भक्ति संगीत की दुनिया में उनका योगदान केवल गायन तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने संगीत संयोजन और अनेक भक्ति गीतों के लेखन के माध्यम से भी आध्यात्मिक चेतना का प्रसार किया है। उनकी मधुर वाणी और लोक शैली में प्रस्तुत देवी-देवताओं के भजन श्रोताओं के हृदय को सीधे स्पर्श करते हैं।

संगीत प्रेमियों का कहना है कि 'पं. भजन श्री' की यह उपाधि किसी पद्म सम्मान से कम नहीं प्रतीत होती। यह सम्मान उन वर्षों की कठिन साधना का परिणाम है, जिसे अशोक अकेला ने विनम्रता और निष्ठा के साथ जिया है।

सरल, स्नेही एवं विनम्र व्यक्तित्व के धनी अशोक अकेला की लोकप्रियता आध्यात्मिक जगत के साथ-साथ सामाजिक, राजनैतिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में भी है। उनकी कला और सहज व्यवहार ने हर वर्ग के लोगों को प्रभावित किया है।

इस गौरवपूर्ण अलंकरण का समाचार मिलते ही संगीत एवं भक्ति जगत में हर्ष की लहर दौड़ गई।अशोक अकेला के परम स्नेही गुरु प्रसिद्ध मंच संचालक जुगल किशोर पांडे ने व्यक्तिगत बधाई सहित अन्य इष्ट मित्रों, शुभचिंतकों और संगीत प्रेमियों द्वारा उन्हें निरंतर बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की जा रही हैं।

ईश्वर से प्रार्थना है कि अशोक अकेला की स्वर साधना इसी प्रकार समाज को भक्ति, संस्कृति और सद्भाव का संदेश देती रहे तथा वे संगीत जगत में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करें।

श्रीमती पार्वती डेहरिया की पुनः पैरालीगल वॉलंटियर के रूप में हुई नियुक्ति..

जगप्रेरणा सिवनी।

'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, और जो अपने जीवन को दूसरों के जीवन में खुशियाँ लाने के लिए समर्पित कर देता है, वही समाज का सच्चा पथप्रदर्शक बनता है।'

सिवनी जिले के सामाजिक क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकीं, निस्वार्थ सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की मिसाल श्रीमती पार्वती डेहरिया को कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय सिवनी (म.प्र.) में पुनः पैरालीगल वॉलंटियर के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके वर्षों से किए जा रहे उत्कृष्ट सामाजिक एवं विधिक जनसेवा कार्यों का सम्मान है।

श्रीमती पार्वती डेहरिया समाजसेवा के अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का सफ्लतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। वे जन समस्या निवारण संस्थान की महिला जिला अध्यक्ष, अखिल भारतीय मेहरा समाज संगठन के महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय महासचिव, महादेवी स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष, श्रीराम आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिवनी में व्याख्याता तथा भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), शाखा सिवनी में सीनियर एडवाइजर के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे रही हैं

पिछले चार वर्षों में पैरालीगल वॉलंटियर के रूप में उन्होंने परिवार परामर्श केंद्र एवं मोबाइल लोक अदालतों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अनेक बिखरते परिवारों को संवाद, समझाइश और संवेदनशील प्रयासों से पुनः एकजुट करने का सराहनीय कार्य किया है। उनकी मधुर वाणी, धैर्य और मानवीय दृष्टिकोण ने अनेक परिवारों के जीवन में नई उम्मीद और खुशियाँ लौटाई हैं

इसके साथ ही उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार विद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं हाट-बाजारों में विधिक जागरूकता शिविर, नुक्कड़ नाटक, पौधरोपण, स्वच्छता अभियान, महिला सशक्तिकरण तथा जनहित के विभिन्न कार्यक्रमों का सफ्ल आयोजन कर हजारों लोगों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों को विधिक सहायता उपलब्ध कराने में भी उनका योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। श्रीमती पार्वती डेहरिया ने पुनः नियुक्ति पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी समाज के आर्थिक रूप से कमजोर, जरूरतमंद एवं वंचित वर्गों तक निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी पहुँचाने, परिवारों को न्याय दिलाने तथा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में हर संभव सहयोग करने के अपने संकल्प को पूरी निष्ठा के साथ निभाती रहेंगी।

श्रीमती पार्वती डेहरिया केवल एक नाम नहीं, बल्कि सेवा, करुणा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की जीवंत पहचान हैं उनका जीवन प्रत्येक महिला के लिए प्रेरणा है कि यदि संकल्प मजबूत हो तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। सिवनी जिले के सामाजिक, शैक्षणिक एवं विभिन्न वर्गों के लोगों ने उनकी इस पुनर्नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं तथा विश्वास व्यक्त किया है कि उनके नेतृत्व और सेवा भावना से समाज को निरंतर नई दिशा और प्रेरणा मिलती रहेगी।

सावन के प्रथम सोमवार वीर वटकेश्वर महादेव मंदिर से निकली भव्य कावड़ यात्रा

नन्ही अवीरा ने भी उठाई कावड़, गंगाजल से भोलेनाथ का किया जलाभिषेक..

जगप्रेरणा सिवनी।

सावन मास के पावन आगमन के साथ शिवनी में शिवभक्ति का उत्साह चरम पर है। सावन के प्रथम सोमवार को बारापत्थर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी समता नगर स्थित वीर वटकेश्वर महादेव मंदिर से भोर में भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई।

'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से पूरा नगर शिवमय हो गया।

लखनवाड़ा स्थित मां बैनगंगा से लाया गया गंगाजल..

मंदिर के स्थापनाकर्ता सेवादार जितेन्द्र सिंह एवं परिवार द्वारा आयोजित इस कावड़ यात्रा में सैकड़ों शिवभक्त शामिल हुए। कावड़िये नंगे पांव लखनवाड़ा स्थित पतित पावनी मां बैनगंगा पहुंचे और वहां से कावड़ में गंगाजल भरकर नगर के मठ मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। यात्रा नगर भ्रमण करते हुए पुनः बारापत्थर वीर वटकेश्वर महादेव मंदिर पहुंची जहां जलाभिषेक कर यात्रा का समापन किया गया।

त्याग और श्रद्धा की मिसाल..

कावड़ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि त्याग, संयम और समर्पण का प्रतीक रही। कंधे पर कावड़, होठों पर जयकारा और मन में अटूट विश्वास के साथ चलते श्रद्धालुओं के चेहरे पर अलौकिक चमक दिखाई दी। डमरू की मधुर ध्वनि, शिवभक्ति के भजन और भगवा ध्वजों की कतारों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया।

नन्हे कदमों में दिखी अटूट आस्था..

यात्रा का सबसे मार्मिक दृश्य तब सामने आया जब उम्र की सीमाएं भी आस्था के आगे बौनी पड़ गई। भगवान भोलेनाथ के परम भक्त जितेंद्र- राजेश्वरी सिंह की 9 वर्षीय सुपुत्री अवीरा सिंह ने कंधे पर कावड़ रखकर गंगाजल उठाया और भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाने चल पड़ी। नगर की जब यह नन्ही शिवभक्त पहुंची, तो उसका उत्साह देखकर स्थानीय लोग स्वयं भी उसके साथ चलते हुए उसका संबल बढ़ाते नजर आए। यह दृश्य ऐसा लगा जैसे सभी देवतागण इस नन्ही बालिका को नमन कर रहे हो।

सेवादार परिवार ने जताया आभार..

कावड़ यात्रा में शिवनी के साथ-साथ आसपास के गांवों और नगरों से भी श्रद्धालु पहुंचे। यात्रा के समापन पर मंदिर के स्थापनाकर्ता तथा सेवादार जितेन्द्र सिंह, उनकी धर्मपत्नी राजेश्वरी सिंह, पुत्र वीर सिंह एवं सुपुत्री अवीरा सिंह ने सभी कावड़ियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक एकता और संस्कृति का प्रतीक है।

धनौरा में आज सजेगा जन समस्याओं के समाधान का मंच

जनपद पंचायत में कलेक्टर नेहा मीना स्वयं सुनेंगी समस्याएं..

जगप्रेरणा बलजीत सिंह धनौरा।

दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से आज 4 अगस्त (मंगलवार) को

धनौरा में विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। जनपद पंचायत धनौरा परिसर में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित होने वाली इस विशेष जनसुनवाई में सिवनी कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना स्वयं उपस्थित रहकर आमजन की शिकायतें व समस्याएं सुनेंगी।

मौके पर ही होगा शिकायतों का निराकरण..

इस विशेष शिविर में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहेंगे, ताकि नागरिकों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही कर समस्याओं का पारदर्शी व त्वरित निराकरण किया जा सके। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ अंचल के ग्रामीणों को जिला मुख्यालय तक दौड़ लगाने से राहत देना और शासन की जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध कराना है।

प्रशासन की अपील..

प्रशासन द्वारा समस्त क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे अपनी व्यक्तिगत या सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर जनपद पंचायत धनौरा पहुंचकर इस विशेष जनसुनवाई का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

किशोर कुमार की 97 वीं जयंती पर आज सजेगी सुमधुर गीतों की महफिल

जगप्रेरणा सिवनी।

मध्य प्रदेश की माटी में जन्मे देश के महान पार्श्व गायक व अभिनेता किशोर कुमार गांगुली की 97वीं जन्म जयंती पर लूघरवाड़ा ग्रेट किशोर दा जयंती उत्सव का आयोजन रखा गया है। यह संगीतमय कार्यक्रम 4 अगस्त को शाम 7 बजे से एमएम अग्रोहा लान लूघरवाड़ा जबलपुर रोड में आयोजित होगा। कार्यक्रम के संयोजक व एंकर गोविंद अग्रवाल ने बताया कि इस निःशुल्क आयोजन में स्थानीय व बाहर से आए कलाकारों द्वारा किशोर दा के सदाबहार एकल, युगल गीतों की लाइव इंस्ट्रूमेंटल प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सिवनी विधायक दिनेश राय (मुनमुन), मुख्य अतिथि अतुल चंद मालू और कार्यक्रम अध्यक्ष नंदलाल गहलोत उपस्थित रहेंगे। मंच पर कृति बराले, पराग कटरे, निवेदिता नाग और स्वयं संयोजक गोविंद अग्रवाल अपनी सुमधुर आवाज का जादू बिखेरेंगे। आयोजन के विशेष आकर्षण के तौर पर नागपुर से आए डांस ग्रुप की शानदार प्रस्तुति व मिमिक्री आर्टिस्ट भी शामिल होंगे। दर्शकों के लिए भव्य एलईडी स्क्रीन और लाइटिंग-साउंड से सुसज्जित मंच पर गीतों के साथ किशोर दा से जुड़े रोचक व मजेदार किस्से भी साझा किए जाएंगे। साथ ही मनोरंजक गेम्स व क्विज प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें दर्शकों को पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। महिलाओं व पुरुषों के लिए सर्वसुविधायुक्त इंडोर हाल में बैठने की व्यवस्था की गई है तथा सभी श्रोताओं के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

तेज आवाज व मॉडिफाइड साइलेंसरों पर सिवनी पुलिस का बड़ा वार..

रोड रोलर चलाकर 65 अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर ध्वस्त..

ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश हेतु निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी..

जगप्रेरणा सिवनी।

पुलिस अधीक्षक कृष्णा लालचंदानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन में शहर में शांति

व्यवस्था बनाए रखने एवं ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण हेतु सिवनी पुलिस द्वारा तेज आवाज वाले एवं मॉडिफाइड साइलेंसरों के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में आज पुलिस कंट्रोल रूम परिसर सिवनी में एसडीओपी सिवनी चंचलेश मरकाम, थाना प्रभारी कोतवाली सतीश तिवारी एवं यातायात प्रभारी विजय बघेल की उपस्थिति में विगत 03 माह में जब्त किए गए कुल 65 अवैध मॉडिफाइड साइलेंसरों को रोड रोलर चलाकर पूरी तरह नष्ट किया गया, जिससे उनका पुनः उपयोग न हो सके।

कार्रवाई का विवरण- थाना यातायात सिवनी विशेष चेकिंग अभियान के दौरान कुल 50 नग मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए गए।

थाना कोतवाली सिवनी- चेकिंग के दौरान कुल 15 नग मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए गए। दोनों थानों द्वारा जब्त किए गए इन सभी साइलेंसरों को आज एक साथ नष्ट किया गया।

पुलिस की अपील..

सिवनी पुलिस ने आम जनता एवं समस्त वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में केवल कंपनी द्वारा निर्धारित मानक साइलेंसर का ही उपयोग करें। तेज आवाज एवं पटाखे छोड़ने वाले साइलेंसर न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि इससे आम नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों, मरीजों एवं बच्चों को गंभीर असुविधा होती है।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। नियम विरुद्ध साइलेंसर लगाने वाले वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

न्यू लाईफ मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डॉ. आमिर अंसारी
MBBS, MS (Gen. Surgery), FMAS, FISCP

डॉ. समरीन आमिर अंसारी
MBBS, DGO (KEM, Mumbai), FMAS

मिलने का समय
सुबह 10 से दोप. 1 बजे, शाम 4 से 7 बजे तक

विशेषज्ञ चिकित्सक सहित सुविधाएं उपलब्ध

पता- बड़ी ज्यारत डाल्डा फेक्ट्री रोड अकबर वार्ड सिवनी

मो.- 8817448039

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

कानून डराने के लिए नहीं, अधिकार दिलाने के लिए हैः शासकीय कन्या विद्यालय कटंगी में विधिक जागरूकता कार्यक्रम संपन्न..

जगप्रेरणा कटंगी, बालाघाट।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के मार्गदर्शन में सोमवार, 03 अगस्त 2026 को शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय, छतेरा रोड कटंगी में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

दोपहर 02:00 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति कटंगी, सुश्री शबाना खान ने की। यह आयोजन जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट माननीय श्रीमान प्राणेश कुमार प्राण तथा सचिव श्रीमान सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

छात्राओं को बताए अधिकार और कर्तव्य

कार्यक्रम में सुश्री शबाना खान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कानून हमें डराने के लिए नहीं, बल्कि हमारी सुरक्षा और अधिकार देने के लिए बनाया गया है। उन्होंने शिक्षा का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, मौलिक अधिकार और मूल कर्तव्यों की विस्तार से जानकारी दी।

छात्राओं को वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुसार इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल, साइबर अपराध से बचाव, गुड-टच एवं बेड-टच में अंतर, कानून का सम्मान करने और किसी भी गलत गतिविधि के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। दैनिक जीवन में अनुशासन के महत्व पर भी जोर दिया गया।

चित्रकला से समझाया कानून का महत्व

विधिक जानकारी को रोचक बनाने के लिए विद्यालय में छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय ÷कानून और मेरे अधिकार÷ रखा गया था। छात्राओं ने रंगों के माध्यम से बाल अधिकार, शिक्षा का महत्व और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अपने विचार व्यक्त किए। विजेता छात्राओं को समिति की ओर से पुरस्कृत किया गया।

शिक्षकों की रही सक्रिय भागीदारी

इस जागरूकता कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री भलावी सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में छात्राओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया और कानून से जुड़े सवाल पूछे। न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री खान ने सभी सवालों के सरल भाषा में जवाब दिए।

उद्देश्यः हर बच्चे तक पहुंचे कानून

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक कानून की पहुंच सुनिश्चित करना है। स्कूली बच्चों को कम उम्र में ही उनके अधिकारों और कानूनों की जानकारी देना इस अभियान का अहम हिस्सा है, ताकि वे भविष्य में जागरूक नागरिक बन सकें और शोषण का शिकार न हों।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक श्री भलावी ने विधिक सेवा समिति का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया।

उपचुनावों में जीत से कांग्रेसियों में भारी उत्साह, बोधसिंह भगत ने कहा- 'महंगाई, ज्यादती और सत्ता के अहंकार की हुई हार'..

जगप्रेरणा कटंगी।

दतिया विधानसभा उपचुनाव के नतीजे और राजनीतिक सरगर्मियों के बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। क्षेत्र के कांग्रेसियों ने जमकर आतिशबाजी की, पटाखे फोड़े और 'कांग्रेस जिंदाबाद' के गगनभेदी नारे लगाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

इस दौरान उपस्थित जनसमुदाय और कार्यकर्ताओं के बीच मिठाई बांटकर जीत का जश्न मनाया गया।इस उत्साहपूर्ण माहौल के बीच आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक बोधसिंह भगत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए दोनों विधानसभा सीटों पर भाजपा की स्थिति को सरकार की गलत नीतियों का सीधा परिणाम बताया।

सत्ता के अहंकार की हार बोधसिंह

बोधसिंह भगत ने कहा, ÷इन उपचुनावों में भाजपा सरकार को जो तमाचा लगा है, वह उनके सत्ता के अहंकार, बेलगाम महंगाई और आम जनता पर की जा रही ज्यादती का सीधा परिणाम है। जनता अब सरकार की तानाशाही से ऊब चुकी है।÷प्रेस से चर्चा के दौरान पूर्व सांसद ने भाजपा सरकार की विफ्लताओं की लंबी सूची गिनाई। उन्होंने कहा कि आज रसोई गैस से लेकर पेट्रोल, डीजल और रोजमर्रा के खाने-पीने की चीजों के दाम आसमान छू रहे हैं।

महंगाई ने गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर तोड़कर रख दी है, लेकिन सरकार विकास के झूठे दावे करने में मस्त है। युवाओं को रोजगार देने में यह सरकार पूरी तरह विफ्ल साबित हुई है। चारों ओर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक ज्यादती का बोलबाला है। जनता ने अपने वोट की ताकत से सरकार के अहंकार को कुचलने का काम किया है।

युवाओं ने खोला मोर्चा तो खिसकने लगी भाजपा की जमीन नीरज हिरावत

ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नीरज हिरावत ने प्रेस से चर्चा करते हुए कहा कि पेपर लीक ने युवाओं को झकझोर दिया जब युवा जागा तो भाजपा सदमे में आ गई । भाजपा की जनविरोधी नीतियों से जनता त्रस्त हो गई। भाजपाइ मंहगाई पर नहीं बोलते । हर मोर्चे पर सरकार विफ्ल हो रही है भाजपा से जनता का मोहभंग हो रहा है ।अब जनता परिवर्तन चाहती है जिसका एक उदाहरण दतिया का चुनाव है इस जीत से कार्यकर्ताओ में नया जोश भर दिया है ।

इस गरिमामयी और ऊर्जावान कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कटंगी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नीरज हिरावत, जिला अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष कपिल मेश्राम, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सुनील जैन और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुभाष चौकसे उपस्थित थे।

इसके साथ ही स्थानीय जन प्रतिनिधियों और सक्रिय कार्यकर्ताओं में पार्षद मितेश कुमरे, नरेश कटारिया, प्रशांत हुमनेकर, अनमोल शर्मा, जमुनिया के सरपंच उमेश पटले, टेकाडी (का) के सरपंच महेंद्र भगत, अवतार बघेल, कन्हैया शर्मा, प्रवीण खोबरागड़े, शुभम अग्रवाल, राजू साहू, प्रमोद डहरवाल, बलदेव कड़वे और मुन्ना गुप्ता सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने एक सुर में कहा कि यह उत्साह आगामी मुख्य चुनावों में भाजपा के पूर्ण सफ़ाए का आधार बनेगा।

स्कूल, मस्जिद और घरों के बीच वर्षों से कचरे का अंबार, शिकायतों के बावजूद पंचायत बेपरवाह..

सफ़ाई टैक्स वसूलने के बाद भी नहीं हो रही सफ़ाई, बालाघाट जिले के प्रवेश द्वार जैसे रजेगांव की बिगड़ रही छवि..

जगप्रेरणा रजेगांव।

ग्राम पंचायत रजेगांव में वर्षों से सड़क किनारे कचरे का ढेर लगा हुआ है, लेकिन कई बार शिकायत और निवेदन करने के बावजूद आज तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत सफ़ाई टैक्स तो नियमित रूप से वसूलती है, लेकिन सफ़ाई व्यवस्था पूरी तरह बदहाल है।

सबसे गंभीर बात यह है कि इस कचरे से कुछ ही दूरी पर छोटे-छोटे बच्चों का स्कूल है, जहां प्रतिदिन छात्र-छात्राएं पढ़ने आते हैं। आगे रहवासी मकानों के साथ मस्जिद भी स्थित है, जहां रोजाना मुस्लिम धर्मावलंबी इबादत के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद सड़क किनारे प्लास्टिक, घरेलू कचरा, शराब की बोतलें, डिस्पोजल गिलास और अन्य गंदगी खुले में पड़ी रहती है।

कचरे के बीच मवेशी भी भोजन तलाशते देखे जा सकते हैं, जिससे बीमारी फैलने की आशंका और बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के चौक-चौराहों पर दुकान लगाने वाले कई लोग अपना कचरा भी यहीं फेंक देते हैं। इससे पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैलती है और मच्छर-मक्खियों का प्रकोप बना रहता है।

रजेगांव मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले का सीमा क्षेत्र का प्रमुख गांव है। जिस स्थान पर कचरा फैला है, वहां से लगभग 200 मीटर की दूरी पर मुख्य चौक स्थित है, जहां से प्रतिदिन प्रदेश और देश के विभिन्न हिस्सों से आने-जाने वाले हजारों यात्री गुजरते हैं।

सड़क किनारे फैली यह गंदगी गांव की छवि को धूमिल कर रही है और लोगों के बीच पंचायत की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्वच्छता को लेकर शासन-प्रशासन लगातार अभियान चला रहा है और स्वच्छ वातावरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत रजेगांव इस दिशा में गंभीरता नहीं दिखा रही है।

अब ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर तत्काल कचरा हटवाया जाए, नियमित सफ़ाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध भी आवश्यक कार्रवाई की जाए।

बुजुर्ग बाघिन का रेस्क्यू, वन विहार भोपाल भेजी गईः महिला की मौत के बाद कान्हा प्रबंधन की कार्रवाई..

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

कान्हा टाइगर रिजर्व के बफ़र क्षेत्र में महिला को घर से उठाकर मारने वाली समस्या जनित बाघिन का सोमवार को सफ्ल रेस्क्यू कर उसे वन विहार, भोपाल भेज दिया गया। बाघिन के कैनाइन दांत अत्यधिक घिसे होने के कारण उसके आसान शिकार की तलाश में गांवों की ओर आने की आशंका जताई गई है।

गौरतलब है कि शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि ग्राम पर्रापुर (स्कूल टोला) में 14 वर्षीय मादा बाघिन टी-27 ने घर में सो रही सुगनी बाई बैगा पर हमला कर उसकी जान ले ली थी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था।

घटना के तत्काल बाद कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने कैमरा ट्रैप लगाए, विशेष गश्ती दल और हाथी दल की मदद से सघन सर्चिंग अभियान शुरू किया। निगरानी के दौरान टी-27 गांव के आसपास घूमती मिली। जानकारी सामने आई कि यह बाघिन पहले भी ग्रामीण क्षेत्रों के आसपास देखी जाती रही थी और घटना से एक रात पहले भी गांव के समीप शिकार करने का प्रयास किया था। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक से अनुमति मिलने के बाद सोमवार दोपहर क्षेत्र संचालक रवींद्र मणि त्रिपाठी और उपसंचालक (बफ़र) अमिता के. बी. के मार्गदर्शन में हाथी दल की सहायता से बाघिन का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप अग्रवाल ने बाघिन को निश्चेत कर उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें उसके कैनाइन दांत बुरी तरह घिसे हुए पाए गए।

वन विभाग के अनुसार दांत कमजोर होने के कारण बाघिन जंगली शिकार करने में असमर्थ हो रही थी, जिससे वह आसान शिकार की तलाश में मानव बस्तियों की ओर आ रही थी।

ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बाघिन को विशेष वाहन से वन विहार, भोपाल भेज दिया गया। वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव की गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल विभाग को सूचना दें और स्वयं किसी भी प्रकार का जोखिम न उठाएं। विभाग ने मानव और वन्यजीव दोनों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी में प्रेमचंद जयंती पर व्याख्यान एवं साहित्यिक आयोजन संपन्न..

जगप्रेरणा वारासिवनी।

शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय वारासिवनी में स्नातकोत्तर परिषद हिन्दी के सौजन्य से प्रेमचंद साहित्य जागरूकता क्लब के अंतर्गत कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई।

महाविद्यालय के इंदिरा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर तथा प्रेमचंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.एस. गेडाम, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रक्षा निकोसे, प्रो. कृष्णा पराते, प्रो. नरेन्द्र डोंगरे, प्रो. सरिता नागवंशी एवं डॉ. टीना बिसेन सहित शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

'प्रेमचंद के कथा साहित्य एवं भारतीय समाज' विषय पर आयोजित व्याख्यान में छात्र-छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. सरिता नागवंशी ने प्रेमचंद साहित्य की महत्ता बताते हुए विद्यार्थियों को लेखन कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. कृष्णा पराते ने विद्यार्थियों से प्रेमचंद के साहित्य पर शोध एवं अध्ययन के लिए आगे आने का आह्वान किया, जबकि डॉ. टीना बिसेन ने प्रेमचंद के जीवन परिचय एवं उनके साहित्यिक अवदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. रक्षा निकोसे ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य समाज के प्रत्येक वर्ग की संवेदनाओं और समस्याओं को अभिव्यक्त करता है। उन्होंने कहा कि स्त्री, पुरुष, किसान, मजदूर, जमींदार, पूंजीपति, बालक और वृद्ध सहित समाज के हर वर्ग का यथार्थ प्रेमचंद की रचनाओं में दिखाई देता है। उन्होंने वर्तमान सामाजिक परिवेश में प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'ईदगाह' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कहानी बाल मनोविज्ञान, पारिवारिक मूल्यों तथा पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी को समझने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में परिषद के सचिव प्रो. कृष्णा पराते ने आभार व्यक्त किया, जबकि मंच संचालन सह सचिव प्रो. नरेन्द्र डोंगरे ने किया।

राष्ट्रसेविका समिति ने श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गुरु पूजन उत्सव

राष्ट्र और समाज के सभी की हो निष्ठा

जगप्रेरणा लांजी।

नगर के सिद्धेश्वर मंगल भवन में 2 अगस्त को राष्ट्रसेविका समिति द्वारा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ गुरुपूजन उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेविकाओं एवं मातृशक्ति ने सहभागिता कर भगवा ध्वज के समक्ष गुरु वंदन किया तथा राष्ट्र एवं समाज सेवा के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती माधुरी ताम्रकार दीदी रहीं। मुख्य वक्ता के रूप में जिला कार्यवाहिका श्रीमती स्वाती बंसोड दीदी उपस्थित थीं। वहीं विभाग कार्यवाहिका श्रीमती वैशाली खोखले दीदी की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वज प्रणाम के साथ हुआ। शाखा कार्यवाहिका श्रीमती पल्लवी खरगाल ने शाखा का संचालन कराया। इस दौरान सेविकाओं ने प्रार्थना, सुभाषित, अमृतवचन एवं अन्य शाखा गतिविधियों में सहभागिता करते हुए अनुशासन, संगठन और संस्कार का परिचय दिया।

मुख्य वक्ता श्रीमती स्वाती बंसोड ने अपने उद्बोधन में बताया कि राष्ट्रसेविका समिति में किसी व्यक्ति विशेष को नहीं, बल्कि भगवा ध्वज को गुरु के रूप में स्वीकार किया जाता है। उन्होंने कहा कि भगवा ध्वज त्याग, तपस्या, शौर्य, सेवा, राष्ट्रभक्ति और सनातन संस्कृति का शाश्वत प्रतीक है। यही कारण है कि संगठन में ध्वज को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने उपस्थित सेविकाओं से आह्वान किया कि वे ध्वज से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण एवं समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं। अपने संबोधन में उन्होंने राष्ट्रसेविका समिति की आद्य संचालिका श्रीमती लक्ष्मीबाई केलकर (मौसीजी) के जीवन, व्यक्तित्व एवं संगठन निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मौसीजी ने भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों पर आधारित संगठन की स्थापना कर महिलाओं को संगठित करने का ऐतिहासिक कार्य किया। इसके साथ ही उन्होंने समिति की द्वितीय संचालिका श्रीमती सरस्वती आपटे के जीवन परिचय एवं उनके संगठन विस्तार में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि दोनों महान विभूतियों के आदर्श आज भी सेविकाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सेविकाओं ने गुरुपूजन कर राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। पूरे आयोजन में अनुशासन, संस्कार और देशभक्ति का वातावरण बना रहा। अंत में सभी ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया, जिसके साथ गुरुपूजन उत्सव का समापन हुआ।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जयंती पर सनातन धर्म पर आधारित थीम पर दी गयी धार्मिक प्रस्तुतियो ने मोहा सभी का मन..

श्री गहोई वैश्य समाज वारासिवनी ने मेधावी छात्रो सहित अनेको प्रतिभाओ का किया भव्य सम्मान

जगप्रेरणा वारासिवनी।

श्री गहोई वैश्य समाज वारासिवनी ने 3 अगस्त को राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त जयंती नगर के सांई लान मे हर्षोल्लास के साथ मनाई। जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के छायाचित्र एवं गहोई वैश्य समाज के

आराध्य सूर्य भगवान एवं सरस्वती माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। समाज के सचिव सोनू सोहाने ने बताया की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज रूसिया , वीरेंद्र सोहाने ,श्रीमती मनो सोहाने एवं श्रीमती कुसुम देवी रूसिया, श्रीमती मंजुला गुप्ता दुर्ग के साथ श्री गहोई वैश्य समाज के अध्यक्ष विनय रूसिया, आदर्श मैथिली महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शैल सोहाने, श्री गहोई वैश्य नवयुवक मंडल के अध्यक्ष अंकुर रूसिया मंचासीन रहे। कार्यक्रम की शुरूवात मे सरस्वती वंदना गरिमा सोहाने,कंचन सोहाने एवं राधिका सोहाने द्वारा प्रस्तुत की गई।राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी की जीवन एवं रचनाओं पर श्रीमती शैल सोहाने जी ने प्रकाश डाला।

यह कार्यक्रम सनातन धर्म पर आधारित थीम पर आयोजित किया गया था। जिसमे नन्हे मुन्ने बच्चों ने फैंसी ड्रेस एवं डांस में भाग लेकर विभिन्न प्रकार के भगवान के स्वरूपों का ड्रेसअप कर अपना प्रदर्शन किया। इसके साथ ही महिलाओं ने नृत्य नाटिका प्रस्तुत की,जिसमें राम सीता विवाह को दर्शाया गया। कार्यक्रम की श्रंखला मे लक्ष्मीनारायण भगवान शेषनाग सैया मे अनव सौरभ रूसिया और रीत मंयक रूसिया की भक्तिपूर्ण प्रस्तुति ने भी सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतियोगियों को समाज द्वारा पुरस्कार वितरित किया गया। साथ ही कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण हुए मेधावी छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी देकर सम्मान किया गया। इसके साथ ही डॉ. अर्पित सोहाने द्वारा के डीएम करने पर,डॉ. कावेरी रूसिया के फेलोशीप करने पर एवं डॉ. सत्यम गुप्ता के विशेष करने पर समाज द्वारा सम्मानित किया गया।

इसी तरह वीरेंद्र सोहाने को अखिल भारतीय महासभा का संगठन मंत्री बनाए जाने पर एवं श्रीमती डॉली सोहाने को अखिल भारतीय महासभा में सहसचिव बनने और श्रीमती अदिति रूसिया एवं श्रीमती रीमा रूसिया को महाकौशल क्षेत्रीय सभा में कार्यकारिणी सदस्य बनने पर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन श्रीमती पूजा रूसिया एवं श्रीमती कीर्ति रूसिया द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन श्री गहोई वैश्य समाज के कोषाध्यक्ष शौर्य रूसिया द्वारा कुशलता से किया गया।

पॉली एकेडमी में सत्र 26-27 के लिये पी टी ए अध्यक्ष बने कोमल काड़े..

विद्यार्थियों के विकास के साथ होगा पालकों के बीच समन्वय

जगप्रेरणा लांजी।

सीबीएसई पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन, बिसोनी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पालक-शिक्षक संघ (पीटीए) का गठन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर संस्थान की प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा, प्रबंधक संजय चौरे, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा ने पालक-शिक्षक संघ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव होता है। उन्होंने कहा कि पालकों की सक्रिय भागीदारी से विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। इसके बाद सर्वसम्मति से पालक-शिक्षक संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का चयन किया गया। संघ के अध्यक्ष पद पर कोमल काडे, उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती समिता चंद्रिकापुरे का चयन किया गया। वहीं सदस्य के रूप में वंजाक्षी भोयर, खुरेन्द्र रणदिवे, नितिन अग्रवाल, शैलेश खोंगल, विजय एडे, स्मिता श्रीखंडे तथा नमिता मेश्राम को मनोनीत किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के हित में पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा कि विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर बच्चों की शिक्षा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों तथा सर्वांगीण विकास के लिए सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे।

कार्यक्रम के अंत में संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य एवं प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पालक-शिक्षक संघ विद्यालय की प्रगति और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

समृद्धि पुराम का बाल भाऊ देवरस छात्रावास में मनाया जन्म दिवस, मिष्ठान के साथ छात्रावास के लिए दिया 11 हजार का उपहार..

जगप्रेरणा लांजी।

विद्या भारती बालभाऊ देवरस सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कारंजा में रविवार को आमगांव-देवरी विधायक संजय पुराम की सुपुत्री कुमारी समृद्धि पुराम का जन्मदिवस सेवा और संस्कार के वातावरण में मनाया गया।

जन्मदिवस के अवसर पर न्यास द्वारा संचालित सुरभि गौशाला में विधिवत गौ पूजन किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया गया। इसके पश्चात विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ छात्रावास के भैयाओं के बीच जन्मदिवस कार्यक्रम संपन्न कराया। इस अवसर पर कुमारी समृद्धि पुराम ने छात्रावास के सभी भैयाओं को आकर्षक उपहार भेंट किए। साथ ही छात्रावास के संचालन एवं विद्यार्थियों के कल्याण के लिए 11 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की तथा सभी विद्यार्थियों के लिए भोजन एवं मिष्ठान की विशेष व्यवस्था भी कराई गई।

कार्यक्रम के दौरान विधायक संजय पुराम ने छात्रावास के विद्यार्थियों से आत्मीय चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शिक्षा, संस्कार और अनुशासन ही सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने छात्रावास के भैयाओं को हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर नरेंद्र वाजपेई (जिला महामंत्री), मनोज सोमवंशी (शहर अध्यक्ष), श्रीमती सविता संजय पुराम (राज्य महिला उपाध्यक्ष), संदीप थानथराते (महामंत्री, आमगांव शहर), उमेश अगासे, उमेश रहांगडाले, कमलेश चूटे (महामंत्री), सचिन अग्रवाल (व्यवस्थापक), देवेश एड़े (उपाध्यक्ष), श्यामराव राखड़े, राधेश्याम भोरगड़े, श्रीमती श्यामा मुरकुटे (महामंत्री, महिला मोर्चा लांजी), गौरव बैस, रोहित गुप्ता एवं संस्कार असाटी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन देवेश एड़े ने किया, जबकि अंत में कैलाशपुरी गोस्वामी ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त किया।

हेल्थ क्लब कालोनी के नवीन मंदिर मे प्राण प्रतिष्ठा समारोह मे शामिल हुये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल

मंदिर परिसर मे देवी देवताओ के वास वाले पंचव्रक्ष पौधो का किया गया रोपण

जगप्रेरणा वारासिवनी।

नगर के वार्ड 5 हेल्थ क्लब कालोनी मे आज श्रीगणेश जी,श्रीहनुमान जी, श्रीनर्मदेश्वर महादेव की प्राण प्रतिष्ठा मे शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने भक्तो के साथ पूजन कर जयकारे लगाये।

नवीन मंदिर मे दैनिक पूजन, यज्ञ,न्यास प्राण प्रतिष्ठा पूर्णाहुति के अवसर पर गुडडा भैया ने कहा की मनुष्य के द्वारा ईश्वर की मूर्ति का निर्माण करने के बाद उसमे ईश्वरीय गुण और ईश्वर की समस्त शक्तियो को समाहित करने के लिये वैदिक मंत्रो एवं अनेक विधि विधान द्वारा प्राण प्रतिष्ठा की जाती है। जिससे पाषाण मुर्ति मे प्राणो का संचार हो जाता है।

इस शुभ अवसर पर मंदिर परिसर मे ही पंचव्रक्ष पौधो का रोपण किया गया। जिसमे पीपल, बरगद,बेल, अशोक और आंवला के पौधारोपण के समय भी गुडडा भैया ने कहा की इसमे देवताओ का वास होता है। इनको एक साथ लगाने और इनकी पूजा करने से घर मे सुख शांति का वास होने के साथ साथ पर्यावरण भी शुद्व होता है। प्राण प्रतिष्ठा के इस अवसर पर विशेष रूप से पार्षद धर्मू जोशी, पार्षद मोनू लिमजे,पूर्व पार्षद सोनू जायसवाल, शरद दुबे, राम रूसिया, विजय वहिले, कन्हैयालाल राजपुरोहित, राजकुमार मिश्रा, अभिजीत ठाकुर, पवन रिनायत, श्री मंडलेकर, श्री तिवारी, श्रीवास जी सहित हेल्थ क्लब कालोनी के निवासीगण उपस्थित रहे।

जैश मामले में तीसरा संदिग्ध गिरफ्तार, मंत्रियों को निशाना बनाने के पाकिस्तानी नेटवर्क का भंडाफोड़

कोलकाता, (भाषा)।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने सोमवार को जैश-ए-मोहम्मद के कथित गुर्गे हमीम मंडल के एक कथित सहयोगी को सोमवार को गिरफ्तार किया और राज्य में मंत्रियों, उनके रिश्तेदारों तथा अन्य रसूखदार लोगों को निशाना बनाने वाले पाकिस्तान से जुड़े 'हनीट्रैप' नेटवर्क का खुलासा किया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हावड़ा के बेलिलियस रोड से आदित्य सिंह की गिरफ्तारी के साथ इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। अधिकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने यह कार्रवाई मंडल और उसके कथित सहयोगी अर्पिता सरकार से पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर की।

मंडल को 30 जुलाई को बर्धमान शहर स्थित उसके किराए के फ्लैट से गिरफ्तार किया गया था, जबकि सरकार को पिछले शुक्रवार को झारखंड के साहिबगंज से पकड़ा गया था।

एसटीएफके एक अधिकारी ने कहा, ÷आदित्य सिंह की गिरफ्तारी जांच के दौरान मिली गुप्त जानकारियों के आधार पर की गई है। अब हमारा ध्यान इस कथित नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने पर है। इस मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।÷

जांचकर्ताओं को संदेह है कि आदित्य एक ऑनलाइन गेमिंग मंच के जरिए मंडल के संपर्क में आया और बाद में इस कथित साजिश में शामिल हो गया।

एसटीएफके एक अधिकारी के अनुसार, मंडल ने कथित तौर पर सिंह को शहरी विकास राज्य मंत्री उमेश राय और उनके बेटे पर नजर रखने का काम सौंपा था।

अधिकारी ने कहा, ÷सिंह पर संदेह है कि उसने मंत्री और उनके बेटे के बारे में जानकारी जुटाई और उसे मंडल के साथ साझा की। हम इसकी जांच कर रहे हैं कि क्या वे मंत्री को निशाना बनाने की साजिश बना रहे थे।÷

उन्होंने बताया कि सिंह ने राय की गतिविधियों की तस्वीरें खींची थीं और उन्हें मंडल तक पहुंचाया था।

राय ने हाल में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि एक व्यक्ति ने उन्हें फोन करके ÷पाकिस्तानी एजेंसी÷ से संबंध होने का दावा करते हुए रंगदारी मांगी थी और उनके बेटे के अपहरण की धमकी दी थी।

मंत्री ने पुलिस को यह भी बताया था कि कॉल करने वाले व्यक्ति ने उन्हें भाजपा कार्यालय की तस्वीरें भेजी थीं और परिसर पर हमले की चेतावनी दी थी।

जांच आगे बढ़ने के दौरान जांचकर्ताओं को एक ऐसे सीमा पार 'हनीट्रैप' मॉड्यूल का पता चला, जिसके पाकिस्तान में मौजूद गैंगस्टर शहजाद भट्टी के सिंडिकेट और कथित आतंकी सहयोगियों से जुड़े होने का संदेह है।

एसटीएफ अधिकारी ने कहा कि इस नेटवर्क का उद्देश्य पश्चिम बंगाल के प्रभावशाली लोगों को फंसाने के लिए इच्छुक मॉडल और सोशल मीडिया पर सक्रिय युवा महिलाओं को शामिल करना था।

उन्होंने यह भी कहा कि जांचकर्ता उन खुफिया सूचनाओं की जांच कर रहे हैं, जिनमें संकेत दिया गया है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी समेत कम से कम छह मंत्री और उनके परिवार के सदस्यों को संभावित निशाने के रूप में चिन्हित किया गया था।

जांच में पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी का करीबी सहयोगी आबिद जाट भी जांच के दायरे में आ गया है।

अधिकारी ने कहा कि जांचकर्ता यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या आरोपी स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले किसी आतंकवादी गतिविधि की साजिश कर रहे थे और वे कथित नेटवर्क से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की पहचान करने के लिए काम कर रहे हैं।

उप्र: कानपुर में सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक के घर दिनदहाड़े लूट, बहू और पोते को बंधक बनाया..

कानपुर, (भाषा)।

उत्तर प्रदेश के कानपुर में सोमवार को तीन नकाबपोश हथियारबंद बदमाशों ने एक सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक के घर में घुसकर उनकी बहू और नाबालिग पोते को बंधक बना लिया तथा नकदी व आभूषण लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, घटना दोपहर के समय हुई, जब रचना त्रिपाठी (45) और उनका 17 वर्षीय बेटा देवांश घर पर अकेले थे। पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि हथियारबंद बदमाशों ने दोनों को कब्जे में लेकर उनके मुंह बंद कर दिए, हाथ बांध दिए और रसोई में बंद कर दिया।

उन्होंने बताया कि बदमाशों ने इसके बाद करीब 45 मिनट तक घर में लूटपाट की। अधिकारी ने बताया कि बदमाशों ने महिला को पहने हुए आभूषण उतारकर देने के लिए मजबूर किया और सोने-चांदी के गहने, करीब 1.5 लाख रुपये नकद तथा अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए।

उन्होंने बताया कि घरेलू सहायिका के घर पहुंचने और रसोई का दरवाजा खोलने के बाद पीड़ितों को मुक्त कराया गया। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपी सफेद रंग की एक मोटरसाइकिल से आए थे। उन्होंने बताया कि बदमाशों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बदमाश घर में कैसे दाखिल हुए।

फोरेंसिक टीम और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अंगुलियों के निशान तथा अन्य साक्ष्य जुटाए। डीसीपी ने बताया कि देवांश के हाथ में मामूली चोट आई है, लेकिन प्रारंभिक जांच में किसी गंभीर हमले के संकेत नहीं मिले हैं।

उन्होंने बताया कि परिवार ने करीब 10 लाख रुपये के आभूषण और 1.5 लाख रुपये नकद लूटे जाने का दावा किया जबकि पुलिस के प्रारंभिक आकलन के अनुसार चोरी गए सामान की कीमत लगभग आठ लाख रुपये है। डीसीपी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गयी हैं।

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

ग्लास्गो से भारत के नाम हुआ कॉमनवेल्थ गेम्स का झंडा, अब अहमदाबाद करेगा 2030 गेम्स की मेजबानी..

डेस्क जगप्रेरणा।

ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का रंगारंग समापन भारत के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत बन गया। 11 दिनों तक ग्लास्गो में धमाकेदार आयोजन के बाद स्कॉटलैंड ने आधिकारिक तौर पर

कॉमनवेल्थ गेम्स का झंडा और बैटन भारत को सौंप दिया। अब दुनिया की नजरें 2030 के शताब्दी संस्करण पर होंगी, जिसकी मेजबानी अहमदाबाद करेगा। अहमदाबाद 2030 की मेजबानी के साथ भारत इतिहास भी रचेगा। भारत, ऑस्ट्रेलिया के बाद ऐसा दूसरा देश बनेगा जो एक से अधिक बार कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा। इससे पहले भारत ने 2010 में नई दिल्ली में इन खेलों का सफल आयोजन किया था।

क्लोजिंग सेरेमनी में भारत ने अपनी सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक सोच और परंपराओं की ऐसी झलक पेश की, जिससे पूरा स्टेडियम तालियों से गूंजा उठा। इस सेरेमनी के अंत में ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय के प्रतिनिधि और ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग प्रिंस एडवर्ड ने आधिकारिक रूप से ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के समापन की घोषणा की। इसके साथ ही कॉमनवेल्थ गेम्स का कारवां अब भारत की ओर बढ़ चुका है, जहां 2030 में ष्ट्ठ्ठत्न गेम्स के 100 साल पूरे होने का ऐतिहासिक जश्न मनाया जाएगा।

भारत को मिला कॉमनवेल्थ गेम्स का ध्वज..

क्लोंजिग सेरेमनी में बॉक्सर जैस्मिन लंबोरिया भारत की ध्वजवाहक थी, जिन्होंने गोल्ड मेडल जीता था। औपचारिक तौर पर ध्वज सौंपने का कार्यक्रम कॉमनवेल्थ गेम्स के ध्वज की पूरे परिसर में सांकेतिक यात्रा के साथ शुरू हुआ। स्कॉटलैंड और भारत के ध्वज वाहकों की अगुवाई में जुलूस ने गेम्स के मुड़े हुए झंडे को नीचे उतारा। इसके बाद ग्लास्गो की लॉर्ड प्रोवोस्ट जैकलीन मैकलारेन ने इसे कॉमनवेल्थ गेम्स स्कॉटलैंड की उपाध्यक्ष सुसान जैक्सन, स्कॉटिश नेटबॉल खिलाड़ी एमिली निकोल, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट के अध्यक्ष डॉ.डोनाल्ड रुकारे, दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा और आखिर में गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी को सौंपा। इसके साथ ही स्कॉटलैंड से भारत को मेजबानी की जिम्मेदारी आधिकारिक तौर पर सौंप दी गई। इसके बाद से समारोह भारत की सांस्कृतिक विरासत के जश्न में डूब गया। खास बात यह रही कि कार्यक्रम में भारतीय और स्कॉटिश कलाकारों ने संयुक्त प्रस्तुति देकर दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी की खूबसूरत झलक भी दिखाई।

भारतीय दल ने किया शानदार प्रदर्शन..

भारत ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से दुनिया को अहमदाबाद आने का निमंत्रण दिया। इसमें भारतीय दर्शन, लोक संस्कृति और आधुनिक भारत की झलक को प्रभावशाली अंदाज में प्रस्तुत किया गया। यह प्रस्तुति केवल मेजबानी का हस्तांतरण नहीं थी, बल्कि 2030 में होने वाले शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के विजन का भी परिचय थी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की बात करें तो भारत के लिए ग्लास्गो अभियान बेहद सफल रहा। भारतीय दल ने कुल 39 मेडल अपने नाम किए, जिनमें 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। इस प्रदर्शन के साथ भारत मेडल टैली में चौथे स्थान पर रहा।

लंदन की सड़कों पर राधिका मर्चेंट का जलवा, बिना तड़क-भड़क के भी रॉयल अंदाज ने जीते दिल, सेट किया नया फैशन ट्रेंड..

डेस्क जगप्रेरणा।

लंदन की सड़कों पर जब भी बिजनेसमैन अनंत अंबानी और उनकी पत्नी राधिका मर्चेंट कदम रखते हैं, तो फैशन लवर्स की नजरें खुद-ब-खुद उन पर टिक जाती हैं।

आमतौर पर अपनी भारी-भरकम साड़ियों, डिज़ाइनर आउटफिट्स और करोड़ों के हीरों के गहनों के लिए सुर्खियों में रहने वाली राधिका ने इस बार पूरी तरह से अलग रास्ता चुना। हाल ही में लंदन में अपने पति अनंत अंबानी के साथ घूमते हुए राधिका का बेहद सादगी भरा लेकिन रॉयल अंदाज देखने को मिला। भारी-भरकम स्टाइल को दरकिनार करते हुए उन्होंने इस बार 'क्वाइट लग्जरी' यानी बिना किसी तड़क-भड़क वाले मिनिमलिस्ट लुक को तरजीह दी, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा था।

डायर की आइकॉनिक ड्रेस में ढाया कहर..

इस कैजुअल आउटिंग के लिए राधिका ने मशहूर फ्रेंच फैशन हाउस डायर की मिड-लेंथ बेल्टेड ड्रेस चुनी। क्लासिक ब्लैक-एंड-व्हाइट हाउंडस्टूथ प्रिंट वाली यह स्लीवलेस ड्रेस दिखने में जितनी सिंपल थी, उतनी ही ग्रेसफुल भी। इस ड्रेस की सबसे बड़ी खासियत इसकी नेकलाइन पर लगा सैटिन बो था, जिस पर सिल्वर टोन में ब्रांड का ट्रेडमार्क ष्ठ्ठ सिग्नेचर बना हुआ था। इसके साथ ही वेस्टलाइन को उभारने के लिए मैचिंग बकल बेल्ट दी गई थी। साफ-सुथरी सिलाई, शानदार फिटिंग और नी-लेंथ कट ने राधिका के इस ओवरऑल लुक को बेहद क्लासी और फेमिनिन टच दिया।

कम से कम एक्सेसरीज, असरदार अंदाज..

राधिका के इस लुक की सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने इसे किसी तरह के लाउड एक्सेसरीज से ओवरलोड नहीं किया। उन्होंने भारी नेकलेस या इयररिंग्स को पूरी तरह से स्किप किया और इसकी जगह केवल डेली-वेयर डायमंड स्टड्स, एक बारीक सा ब्रेसलेट और कलाई पर स्मार्टवॉच पहनी। पैरों में उन्होंने क्लासिक ब्लैक पॉइंटेड-टो पंप्स पेयर किए, जो उनकी ड्रेस के साथ परफेक्ट कॉम्बिनेशन लग रहे थे। यह साबित करता है कि जब बात स्टाइल की आती है, तो कभी-कभी सिंपल और कम चीजें ही सबसे ज्यादा ध्यान खींचती हैं।

नेचुरल मेक-अप और सिंपल हेयरस्टाइल..

कपड़ों और एक्सेसरीज की तरह ही राधिका का ब्यूटी लुक भी बेहद रिफ्रेशिंग और नेचुरल था। उन्होंने बालों को हाफ-टाई स्टाइल में सॉफ्ट वेव्स के साथ खुला छोड़ा था। मेकअप की बात करें तो चेहरे पर हल्का सा ग्लो, हल्की डिफाइंड आँखें और न्यूड लिपस्टिक के साथ उन्होंने अपने लुक को कंपलीट किया। इस मिनिमल मेकअप की वजह से सारा फोकस उनकी ड्रेस की सिलाई और उनके नेचुरल चार्म पर ही टिका रहा।

क्या है 'क्वाइट लग्जरी', जिसे राधिका ने अपनाया?

फैशन की दुनिया में इन दिनों 'क्वाइट लग्जरी' का ट्रेंड काफी छाया हुआ है। इसका सीधा सा मतलब है, ऐसे कपड़े और स्टाइल चुनना जो किसी बड़े ब्रांड के बड़े-बड़े लोगोज या तड़क-भड़क का दिखावा न करें, बल्कि अपनी बेहतरीन फैब्रिक, कटिंग और सिलाई से ही अपनी कीमत और रॉयल्टी खुद बयां करें। राधिका मर्चेंट का यह ताजा लंदन लुक इसी फैशन फिलॉसफी का बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि असली एलिगेंस दिखावे में नहीं, बल्कि सही चुनाव और सादगी में छिपी होती है।

अदिति शर्मा ने पति के खिलाफ दर्ज कराई घरेलू हिंसा की शिकायत, ससुराल पर जेवर न लौटाने का आरोप..

डेस्क जगप्रेरणा।

'अपोलीना - सपनों की ऊंची उड़ान', 'रब से है दुआ' और 'कलीरें' जैसे शो के लिए मशहूर टीवी एक्ट्रेस अदिति शर्मा ने अपने पति और उनके परिवार के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत दर्ज कराई है।

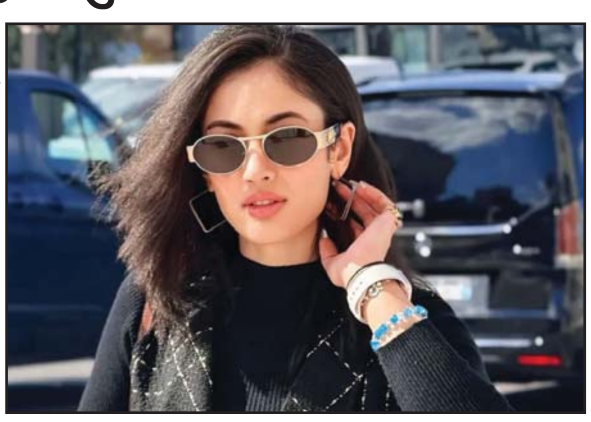

उनकी शिकायत के आधार पर मुंबई के गोरेगांव पुलिस स्टेशन में स्नढ्ढक्र दर्ज की गई है और मामले की जांच चल रही है। यह FIR 31 जुलाई को अदिति के पति अभिनीत विद्यानंद कौशिक, उनकी मां उर्मिला कौशिक और बहन कीर्ति कौशिक के खिलाफ दर्ज की गई थी। अदिति शर्मा लंबे समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में है और अब घरेलू हिंसा की वजह से खबरों में बनी हुई हैं।

अदिति शर्मा घरेलू हिंसा की हुई शिकार..

शिकायत के अनुसार अदिति शर्मा ने इन तीनों पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, मारपीट, गाली-गलौज, उनके चरित्र पर सवाल उठाने और उनकी शादी के समय मिले गहने का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है, जो उन्हें अभी तक वापस नहीं मिले हैं।

पुलिस को दिए अपने बयान में एक्ट्रेस ने बताया कि वह पहली बार जून 2021 में एक ऑनलाइन एक्टिंग क्लास के दौरान अभिनेत से मिली थीं। बाद में उनकी दोस्ती रिश्ते में बदल गई। इसके पहले मार्च 2025 में भी अदिति शर्मा ने अपने पति पर घरेलू हिंसा के गंभीर आरोप लगाए थे।

अदिति शर्मा ने पति पर लगाए गंभीर आरोप..

अदिति शर्मा के अनुसार यह कपल 12 नवंबर 2024 को दोनों परिवारों की सहमति से शादी करने से पहले सितंबर 2024 में गोरेगांव वेस्ट के एक अपार्टमेंट में साथ रहने लगा था। एक्ट्रेस की शिकायत के अनुसार अदिति ने आरोप लगाया कि शादी के कुछ ही दिनों बाद उनके पति का व्यवहार बदल गया। उन्होंने दावा किया कि उनके कपड़ों और अन्य छोटी-मोटी बातों को लेकर अक्सर झगड़े होते थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि घर के खर्चों में योगदान देने के बजाय, उनके पति उनसे अक्सर पैसे मांगते थे। शिकायत में 1 जनवरी 2025 की एक घटना का भी जिक्र है, जब कॉफी को लेकर हुई बहस गाली-गलौज में बदल गई। अदिति ने दावा किया कि इस घटना के बाद उनके पति उनके चरित्र पर शक करने लगे, उन पर अफेयर का आरोप लगाया, बार-बार उनका मोबाइल फोन चेक करने लगे और आखिरकार अलग कमरे में सोने लगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें अपने माता-पिता से बात करने से रोका जाता था।

अदिति शर्मा ने किया दावा नहीं लौटाए गहने..

अदिति ने आगे आरोप लगाया कि उनकी सास ने उनकी शादी के गहने अपने पास ही रख लिए, जिनमें सोने की चेन, अंगूठियां, हीरे की अंगूठी, मंगलसूत्र और चूड़ियां शामिल हैं। शिकायत के अनुसार बार-बार कहने के बावजूद गहने कभी नहीं लौटाए गए। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके पति और उनके बीच वैवाहिक विवादों को सुलझाने की कोशिशों के दौरान उनकी सास और ननद ने उनके पति का साथ दिया और उन्हें परेशान करना जारी रखा।

पुलिस जांच जारी..

अदिति शर्मा की शिकायत के बाद, गोरेगांव पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज की है और आरोपों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल इस शिकायत को लेकर अभिनीत विद्यानंद कौशिक या उनके परिवार की ओर से कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है।

गिले-शिकवे भूल 'लॉक अप 2' में शिल्पा शिंदे ने श्रेया कालरा को लगाया गले, स्पेशल पोस्ट ने जीता दिल..

डेस्क जगप्रेरणा।

'लॉक अप 2' में एक इमोशनल पल देखने को मिला, जब शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा ने अपने मतभेदों को भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाया। टास्क के दौरान 'भाबीजी घर पर हैं!'

फेम शिल्पा ने श्रेया की तारीफ की और कहा कि वह पहली फाइनलिस्ट बन सकती है। हालांकि, इस टास्क के पहले दोनों में जबरदस्त लड़ाई हुई थी, जिसकी वजह से सेल में बंद बाकी लोगों को 440 वोल्ट का झटका लगा था। अब अचानक फिनाले के पहले दोनों को साथ देख सभी कैदी की चिंता बढ़ा गई है कि आखिरी इनका गेम प्लान क्या है।

शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा की लड़ाई हुई खत्म..

रियलिटी शो 'लॉक अप 2' हालिया एपिसोड के दौरान, जिन दो कंटेस्टेंट्स के बीच अनबन थी। वे अपनी पुरानी कड़वाहट को भुलाती दिखीं और एक-दूसरे के सपोर्ट में फिर आ गईं। इस एपिसोड के बाद श्रेया और शिल्पा ने अपनी साथ में एक प्यारी सी तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह एक-दूसरे को गले लगाते नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट में दोनों के साथ में बिताए पलों की एक खास झलक देखने को मिलेगी। तस्वीरों के साथ उन्होंने सुलह पर अपनी खुशी जाहिर की और इशारा किया कि गलतफहमियों को रिश्तों पर हमेशा हावी नहीं होने देना चाहिए। उनके दिल से निकले संदेश में नई शुरुआत और पुराने झगड़ों से आगे बढ़ने के मौके के लिए आभार झलकता था।

शिल्पा शिंदे ने श्रेया कालरा को लगाया गले..

शिल्पा शिंदे और श्रेया कालरा के इस इमोशनल पल ने जल्द ही फैंस का ध्यान खींचा, जिन्होंने लंबे समय से चली आ रही दुश्मनी के बजाय शांत रहने का सोचा। लड़ाई खत्म होने के बाद श्रेया ने भी अपनी दोस्ती दिखाई और शिल्पा को बाहर न करने का फैसला किया। शिल्पा शिंदे ने श्रेया कालरा के साथ एक फोटो शेयर की, जिसका कैप्शन लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। उन्होंने लिखा, 'सभी को फ्रेंडशिप डे की डेर सारी बधाई, प्यारी श्रेया के साथ यह तस्वीर बहुत पसंद आई। श्रेया कालरा के साथ ढेर सारी हंसी-मजाक और कभी न भूलने वाली यादों के नाम।'

'लॉक अप 2' के पहले फाइनलिस्ट बने हर्षद चोपड़ा..

जेलर रितेश देशमुख एक्टर हर्षद चोपड़ा को 'लॉक अप 2' का पहला फाइनलिस्ट घोषती करते हैं। यह इमोशनल पल यहीं खत्म नहीं होता, शिवांगी जोशी पहले फाइनलिस्ट हर्षद की वजह रोने लगती है। एक्ट्रेस को रोता देखकर हर्षद भी परेशान हो जाता है। हालांकि, श्रेया कालरा सभी को बचा लेती है और शिवांगी जोशी को बाहर कर देती है।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 के सफल आयोजन के लिए अहमदाबाद में पर्याप्त बुनियादी ढांचा मौजूदः संघवी..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद में पर्याप्त बुनियादी ढांचा मौजूद है और इसके साथ ही स्पष्ट किया कि भारत की मेजबानी में दूसरी बार होने वाले यह खेल सुगमता और स्थिरता के मामले में नए मानदंड स्थापित करेंगे।

अहमदाबाद 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों के 100 साल पूरे होने पर इन खेलों की मेजबानी करेगा। इस तरह से दो दशक के बाद इन खेलों की भारत में वापसी होगी। भारत ने आखिरी बार 2010 में नयी दिल्ली में इन खेलों का आयोजन किया था। राज्य में खेल मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रहे संघवी ने कहा कि अहमदाबाद का सबसे बड़ा ध्यान यह सुनिश्चित करने पर होगा कि खेल पैरा खिलाड़ियों के लिए पूरी तरह से समावेशी हों।

उन्होंने रविवार को कहा, 'पैरा खिलाड़ियों के लिए अहमदाबाद एक नया उदाहरण पेश करेगा। हम पहले से ही सभी होटलों को पैरा खिलाड़ियों के लिए सुलभ बना रहे हैं। हमारा लक्ष्य इसे पैरा खिलाड़ियों के लिए सबसे अनुकूल राष्ट्रमंडल खेल बनाना है।' संघवी ने कहा कि इन खेलों का आयोजन पर्यावरण के अनुकूल बुनियादी ढांचे में किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'गुजरात भारत में हरित ऊर्जा का सबसे बड़ा उत्पादक है। अहमदाबाद सतत विकास के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ मानक स्थापित करेगा। सभी स्थानीय परिवहन विद्युतचालित होंगे। ुलिहाल यह लगभग 90 प्रतिशत विद्युतचालित है, लेकिन 2030 तक यह 100 प्रतिशत हो जाएगा।' संघवी ने कहा कि शहर में खेलों की मेजबानी के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा पहले से ही मौजूद है, जिसमें केवल कुछ सीमित सुधारों की जरूरत है।

उन्होंने कहा, 'हमारे पास आज भी राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचा मौजूद है। अगर हम मौजूदा बुनियादी ढांचे के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से का नवीनीकरण कर लें, तो हम खेलों की सफ्ल मेजबानी कर लेंगे।' संघवी ने कहा, 'अपनी शहरी विकास योजना के तहत हम खेलों के आधारभूत ढांचे को और विकसित कर रहे हैं। यह काम 2028 के अंत या 2029 की शुरुआत तक पूरा हो जाएगा। हम चाहें तो आज भी राष्ट्रमंडल खेलों का सफल आयोजन कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'भविष्य में इन स्टेडियमों का उपयोग युवा खिलाड़ियों के प्रशिक्षण और खेल विज्ञान के विकास के लिए किया जाएगा।'

क्रिकेट को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल करने के बारे में संघवी ने कहा कि इसको लेकर राष्ट्रमंडल खेल संघ (कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स) के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि क्रिकेट 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा हो, लेकिन अंतिम निर्णय राष्ट्रमंडल खेल को लेना है। हम उनसे इस बारे में बातचीत कर रहे हैं।'

नीरज ने यशवीर को भाले को एक लाइन में रखने की दी थी सलाह..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

यशवीर सिंह ने ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा की आखिरी पल की एक आसान सी सलाह को अपनी जिंदगी का सबसे शानदार थ्रो करने का श्रेय दिया जिससे भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में सातवें स्थान से आगे बढ़ते हुए कांस्य पदक जीता।

अंतिम दौर से पहले यशवीर 81.33 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ सातवें स्थान पर थे जबकि दक्षिण अफ्रीका के डाउ स्मिट 82.88 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर थे।

सोमवार को राष्ट्रमंडल खेलों से लौटने के बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यशवीर ने पीटीआई को बताया, ''मुझे प्रतिकूल हालात से पार पाना था। नीरज ने मेरे आखिरी थ्रो से पहले मुझे प्रेरित किया और मेरा साथ दिया। उन्होंने मुझे भाले को एक लाइन में रखने के लिए कहा और इसका फायदा हुआ।'

उन्होंने कहा, 'यह मेरी ज़िंदगी के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक था इसलिए मेरा एकमात्र मकसद अपना शत प्रतिशत देना था। मैं वहां अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था। मुझे खुशी है कि मैंने 85.41 मीटर का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल किया और उस प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक भी जीता।'

भाला फेंकते समय इसे एक लाइन में (या कंधे के साथ एक सीध में) रखना एक जरूरी तकनीक है क्योंकि इससे अधिक से अधिक दूरी हासिल करने में मदद मिलती है और भाला फेंकने वाले हाथ पर दबाव कम होता है।

जब पीटीआई ने पूछा कि नीरज की सलाह मानने के लिए उन्होंने असल में क्या किया तो यशवीर ने बताया कि इसका मतलब था भाले को कान के स्तर के पास पकड़ना, अपने कंधों को भाला फेंकने की दिशा में एक सीध में रखना, अपने हाथ और भाले को एक सीधी लाइन में पीछे खींचना और उसी लाइन में अपने कंधे के ऊपर से छोड़ना। यशवीर ने माना कि उन्होंने बिना किसी दबाव के मुकाबला किया क्योंकि सभी का ध्यान नीरज और उनके प्रतिस्पर्धियों पर था जिनमें ओलंपिक और गत चैंपियन अरशद नदीम, श्रीलंका के रुमेश पथिरागे और ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स शामिल थे। उन्होंने कहा, 'मुझ पर कोई दबाव नहीं था क्योंकि सभी का ध्यान नीरज, नदीम और रुमेश पर था। मुझे बस अपना शत प्रतिशत देना था। मैं खुद से कहता रहा कि अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल करूं। भगवान मेहरबान थे और ऐसा हो गया।'

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

जग प्रेरणा

साहित्य अभिव्यक्ति

■ संपादकीय ■ लेख ■ कविता ■ व्यंग्य ■ महाशब्द पहेली (शब्द ज्ञान)

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

फर्जी खबरों और डीपफेक का बढ़ता खतरा : अब सत्य की रक्षा केवल कानून से नहीं, तकनीक, जिम्मेदार पत्रकारिता और जागरूक नागरिकता के संयुक्त प्रयास से होगी -डिजिटल लोकतंत्र को बचाने के लिए नया कानूनी ढांचा क्यों जरूरी? -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर आज का युग सूचना,संचार और डिजिटल तकनीक का युग है। मोबाइल फोन,इंटरनेट और सोशल मीडिया ने समाज में सूचना के प्रवाह को अभूतपूर्व गति प्रदान की है।कभी समाचारों के प्रसार का दायित्व मुख्यतः समाचारपत्रों, रेडियो,टेलीविजन और प्रशिक्षित पत्रकारों के हाथों में होता था, लेकिन आज प्रत्येक मोबाइलधारी व्यक्ति सूचना का उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि उसका निर्माता,प्रसारक और प्रभावकर्ता भी बन गया है।यह परिवर्तन लोकतंत्र के लिए अनेक अवसर लेकर आया है।आम नागरिक को अपनी बात सार्वजनिक मंच तक पहुंचाने का अधिकार मिला,शासन की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ी,जनसमस्याएं तेजी से सामने आने लगीं और सामाजिक भागीदारी का विस्तार हुआ। किंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र अधिवक्ता होने के नाते यह कहना चाहूंगा कि तकनीक की यही शक्ति अब एक गंभीर चुनौती भी बन रही है।फर्जी समाचार,भ्रामक सूचनाएं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित तस्वीरें,नकली आवाजें और डीपफेक वीडियो सत्य, विश्वास और लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने नई परीक्षा खड़ी कर रहे हैं।भारत ने वर्ष 2026 में सूचना प्रौद्योगिकी नियमों में संशोधन कर सिंथेटिकली जनरेटेड इंफॉर्मेशन अर्थात कृत्रिम या एल्गोरिद्मिक रूप से निर्मित अथवा परिवर्तित सामग्री के संबंध में नियामक ढांचे को मजबूत किया है। इन संशोधनों में एआई-निर्मित सामग्री की पहचान, स्पष्ट लेबलिंग और डिजिटल मध्यस्थों की जवाबदेही परविशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने मार्च 2026 में भी प्लेटफॉर्मों को भ्रामक, अपमान जनक और हानिकारक कृत्रिम सामग्री के संबंध में परामर्श जारी किया। यह महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि डिजिटल सामग्री का प्रभाव उसकी गति से जुड़ा होता है। यदि कोई झूठा वीडियो कुछ घंटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाए, तो बाद में उसे हटाने के बाद भी उसका सामाजिक और मानसिक प्रभाव बना रह सकता है। विश्व स्तर पर यूरोपीय संघ का एआई एक्ट पारदर्शिता आधारित नियमन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। 2 अगस्त 2026 से एआई एक्ट के अनुच्छेद 50 के अंतर्गत कुछ जनरेटिव एआई प्रणालियों और डीपफेक सामग्री के लिए पारदर्शिता संबंधी दायित्व लागू हुए हैं।

साथियों बात अगर हम इस तकनीकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी के युग में पत्रकारिता को समझने की करें तो इसका मूल संबंध जनसरोकारों से है।पत्रकारिता केवल घटनाओं का वर्णन नहीं,बल्कि समाज की चेतना, जनहित की रक्षा और लोकतांत्रिक जवाबदेही का माध्यम है।कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका लोकतांत्रिक शासन के तीन प्रमुख आयाम हैं,जबकि पत्रकारिता इन संस्थाओं की गतिविधियों को जनता तक पहुंचाकर पारदर्शिता,सत्य और जवाबदेही को मजबूत करती है। यही कारण है कि स्वतंत्र और जिम्मेदार पत्रकारिता को राष्ट्र का चौथा स्तंभ कहा जाता हैपत्रकारिता निरंकुशता पर प्रश्न उठाती है, सत्ता के दुरुपयोग को उजागर करती है, वंचितों और पीड़ितों की आवाज बनती है तथा मानवीय मूल्यों की पक्षधरता करती है। हिंदी पत्रकारिता के लगभग दो शताब्दियों के इतिहास ने भी यह सिद्ध किया है कि पत्रकारिता केवल सूचना का व्यवसाय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय चेतना की महत्वपूर्ण शक्ति है।

साथियों, लेकिन आज पत्रकारिता के सामने चुनौती केवल समाचारों की गति नहीं,बल्कि सत्य की पहचान है।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने ऐसी तकनीक विकसित कर दी है,जो किसी व्यक्ति के चेहरे,आवाज,हावभाव और बोलने की शैली की अत्यंत वास्तविक प्रतीत होने वाली प्रतिकृति तैयार कर सकती है।किसी नेता, न्यायाधीश पत्रकार, अभिनेता,अधिकारी या सामान्य नागरिक को ऐसा बोलते या करते हुए दिखाया जा सकता है, जो उसने कभी कहा या किया ही नहीं। जब कृत्रिम सामग्री वास्तविकता जैसी दिखाई देने लगे, तब सामान्य नागरिक के लिए सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन हो जाता है। यही डीपफेक की सबसे गंभीर चुनौती है, यह केवल झूठी सूचना नहीं बनाता, बल्कि झूठ को विश्वसनीय दृश्य और श्रव्य रूप देकर उसे सटीकता से सत्य जैसा प्रतीत कराता है।

साथियों, फर्जी खबर और डीपफेक में तकनीकी अंतर हो सकता है, लेकिन दोनों का अंतिम प्रभाव सार्वजनिक विश्वास को कमजोर करना है। फर्जी खबर सामान्यतः ऐसी गलत, भ्रामक या मनगढ़ंत सूचना होती है, जिसे जानबूझकर या बिना पर्याप्त सत्यापन के प्रसारित किया जाता है। इसका उद्देश्य राजनीतिक लाभ, आर्थिक लाभ, सामाजिक तनाव, वैचारिक प्रचार या अधिक क्लिक और दर्शक प्राप्त करना हो सकता है। इसके विपरीत डीपफेक कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से तैयार या परिवर्तित तस्वीर, आवाज अथवा वीडियो है, जिसमें किसी व्यक्ति को ऐसी गतिविधि करते या ऐसा वक्तव्य देते हुए दिखाया जाता है जो वास्तविक नहीं होता। लिखित सूचना पर नागरिक संदेह कर सकता है, लेकिन जब वही सूचना किसी परिचित चेहरे और वास्तविक लगने वाली आवाज के साथ प्रस्तुत हो, तो उसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव कहीं अधिक हो सकता है।यूनेस्को ने डीपफेक को ज्ञान और सत्य को समझने के संकट से जोड़ा है। समस्या केवल नकली सामग्री की पहचान करने की नहीं है, बल्कि ऐसी डिजिटल दुनिया में प्रमाण, स्रोत और विश्वसनीयता की रक्षा करने की भी है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता वास्तविकता जैसी सामग्री तैयार कर सकती है।

साथियों, डीपफेक का सबसे बड़ा खतरा यह नहीं कि लोग केवल नकली वीडियो को सच मान लें। इससे भी गंभीर स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब लोग वास्तविक वीडियो और वास्तविक प्रमाणों को भी डीपफेक बताकर अस्वीकार करने लगें। यदि किसी व्यक्ति का वास्तविक वीडियो सामने आए, तो वह यह दावा कर सकता है कि उसे एआई द्वारा बनाया या परिवर्तित किया गया है। इस स्थिति को लायर्स डिविडेंड कहा जाताहै,अर्थात तकनीक का ऐसा लाभ, जो झूठ बोलने वाले व्यक्ति को वास्तविक प्रमाणों से बचने का अवसर दे सकता है। परिणामस्वरूप समाज में कुछ भी पूरी तरह सच नहीं है जैसी मानसिकता विकसित हो सकती है। लोकतंत्र केवल मतदान की प्रक्रिया से संचालित नहीं होता; वह साझा तथ्यों, विश्वसनीय सूचना और नागरिक विश्वास पर भी आधारित होता है। यदि सत्य की पहचान ही विवादित हो जाए, तो लोकतांत्रिक संवाद और जनमत दोनों कमजोर पड़ सकते हैं।

साथियों, चुनावों और राजनीतिक व्यवस्था पर डीपफेक का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। किसी चुनाव से कुछ घंटे पहले यदि किसी राजनीतिक नेता का नकली वीडियो प्रसारित किया जाए, जिसमें वह किसी समुदाय के विरुद्ध बयान देता दिखाई दे या किसी संवेदनशील विषय पर विवादित टिप्पणी करता हुआ दिखाया जाए, तो उसका प्रभाव मतदाताओं की सोच पर पड़ सकता है।बाद में तथ्य-जांच या आधिकारिक स्पष्टीकरण आने पर भी गलत सूचना का प्रभाव पूरी तरह समाप्त नहीं होता।एआई आधारित माइक्रो-टार्गेटिंग के माध्यम से अलग-अलग नागरिकों को उनकी रुचियों, भावनाओं और डिजिटल व्यवहार के अनुसार अलग राजनीतिक संदेश भेजे जा सकते हैं। इससे सार्वजनिक बहस के स्थान पर व्यक्तिगत मनोवैज्ञानिक प्रभाव का खतरा बढ़ सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया एल्गोरिद्म और स्वचालित डिजिटल प्रचार भ्रामक सूचना के प्रसार को असाधारण गति दे सकते हैं।

साथियों, भारत जैसे विशाल और बहुभाषी डिजिटल लोकतंत्र में यह चुनौती और व्यापक है। करोड़ों नागरिक मोबाइल और सोशल मीडिया के माध्यम से समाचार प्राप्त करते हैं। डिजिटल विस्तार ने लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत किया है,लेकिन इसी के साथ फर्जी खबरों और डीपफेक के प्रसार का क्षेत्र भी बढ़ा है। एआई आधारित नकली सामग्री का उपयोग राजनीतिक भ्रम, वित्तीय धोखाधड़ी, नकली विज्ञापन, पहचान की चोरी, मानहानि, सामाजिक तनाव और व्यक्तिगत उत्पीड़न के लिए किया जा सकता है। किसी बैंक अधिकारी, सरकारी अधिकारी, रिश्तेदार या प्रसिद्ध व्यक्ति की आवाज की नकल करके धन या निजी जानकारी मांगी जा सकती है। किसी व्यक्ति की तस्वीर या वीडियो को गलत संदर्भ में प्रस्तुत कर उसकी प्रतिष्ठा और सामाजिक जीवन को गंभीर नुकसान पहुंचाया जा सकता है।

साथियों, फिर भी केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा। डिजिटल अपराधों की कोई निश्चित भौगोलिक सीमा नहीं होती। सामग्री किसी देश में बनाई जा सकती है, किसी दूसरे देश के सर्वर परअपलोड हो सकती है और तीसरे देश के नागरिकों को प्रभावित कर सकती है। इसलिए प्रभावी कानूनी व्यवस्था के साथ तकनीकी पहचान प्रणाली, त्वरित जांच,डिजिटल साक्ष्य संरक्षण, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सीमा-पार प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही भी आवश्यक है। कानून में यह स्पष्ट अंतर होना चाहिए कि कौन-सी एआई सामग्री वैध और रचनात्मक उपयोग के अंतर्गत आती है और कौन-सी सामग्री जानबूझकर धोखा, आर्थिक नुकसान, हिंसा, चुनावी हस्तक्षेप या प्रतिष्ठा को हानि पहुंचाने के लिए बनाई गई है। एआई स्वयं समस्या नहीं है; उसका अनैतिक और हानिकारक उपयोग समस्या है।

साथियों, पत्रकारिता जगत को भी इस तकनीकी युग में आत्ममंथन करना होगा। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस दिलीप पथपालिया द्वारा पत्रकारिता के नाम पर मोबाइल और माइक के अनियंत्रित उपयोग तथा लोगों को डराने-धमकाने से संबंधित टिप्पणी का व्यापक अर्थ है। प्रेस की स्वतंत्रता लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है, लेकिन पत्रकारिता की आड़ में भय पैदा करना, बिना सत्यापन आरोप लगाना, निजी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करना स्वतंत्र पत्रकारिता नहीं कहा जा सकता। मोबाइल कैमरे ने नागरिक पत्रकारिता को शक्ति दी है, किंतु इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। प्रत्येक व्यक्ति जो कैमरा और माइक लेकर सार्वजनिक सामग्री बना रहा है, वह स्वतः पत्रकारिता के नैतिक मानदंडों का पालन नहीं कर रहा होता। पत्रकारिता की पहचान केवल उपकरण से नहीं, बल्कि सत्यापन, निष्पक्षता, जनहित, उत्तरदायित्व और नैतिक आचरण से होती है।

साथियों, एआई युग में पत्रकारिता का महत्व कम नहीं, बल्कि अधिक बढ़ गया है। जब सोशल मीडिया पर सूचना की बाढ़ हो, तब विश्वसनीय पत्रकारिता सत्यापन, संदर्भ और प्रमाण उपलब्ध कराती है। समाचार संस्थानों को तस्वीरों और वीडियो के स्रोत, समय, स्थान और तकनीकी प्रामाणिकता की जांच करनी चाहिए। एआई आधारित तथ्य-जांच उपकरणों का उपयोग आवश्यक है, लेकिन अंतिम संपादकीय निर्णय प्रशिक्षित मानव पत्रकारों और जिम्मेदार संपादकों के हाथ में होना चाहिए। समाचार संस्थानों को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि किस सामग्री में एआई का उपयोग किया गया है। पत्रकारिता का भविष्य केवल सबसे पहले समाचार देने में नहीं, बल्कि सबसे विश्वसनीय समाचार देने में है। फर्जी खबरों के विरुद्ध कानून बनाते समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा भी अनिवार्य है। फर्जी सूचना की परिभाषा अत्यधिक व्यापक या अस्पष्ट होने पर उसका दुरुपयोग वैध पत्रकारिता, राजनीतिक आलोचना, व्यंग्य और असहमति को दबाने के लिए हो सकता है। इसलिए कानून में स्पष्ट अंतर होना चाहिए,जानबूझकर धोखा देने और सामान्य गलती में, संगठित डिजिटल हेरफेर और वैध आलोचना में, तथा हानिकारक डीपफेक और रचनात्मक एआई उपयोग में। सरकार की आलोचना को केवल असुविधाजनक होने के कारण फर्जी खबर नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार किसी समाचार में अनजाने में हुई त्रुटि और जानबूझकर फैलाया गया झूठ समान नहीं हैं। नियमन का उद्देश्य सत्य पर नियंत्रण करना नहीं, बल्कि संगठित धोखे और हानिकारक डिजिटल हेरफेर को सटीकता से रोकना होना चाहिए।

साथियो, डिजिटल लोकतंत्र की सबसे मजबूत सुरक्षा जागरूक नागरिक है। किसी भी सनसनीखेज वीडियो, तस्वीर या संदेश को साझा करने से पहले नागरिक को उसके स्रोत, तिथि, संदर्भ और विश्वसनीयता की जांच करनी चाहिए। क्या किसी प्रतिष्ठित समाचार संस्थान ने इसकी पुष्टि की है? क्या वीडियो का मूल स्रोत उपलब्ध है? क्या आवाज, चेहरे या हावभाव में अस्वाभाविकता दिखाई देती है? क्या संदेश भय या क्रोध उत्पन्न करके तुरंत साझा करने का दबाव बना रहा है? पहले सत्यापन, फिर प्रसारण डिजिटल नागरिकता का मूल सिद्धांत होना चाहिए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में मीडिया साक्षरता, तथ्य- जांच और एआई जागरूकता को शिक्षा का अनिवार्य भाग बनाया जाना चाहिए।

रचनाकार

एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया

शब्दवर्गपहेली क्र.- 237

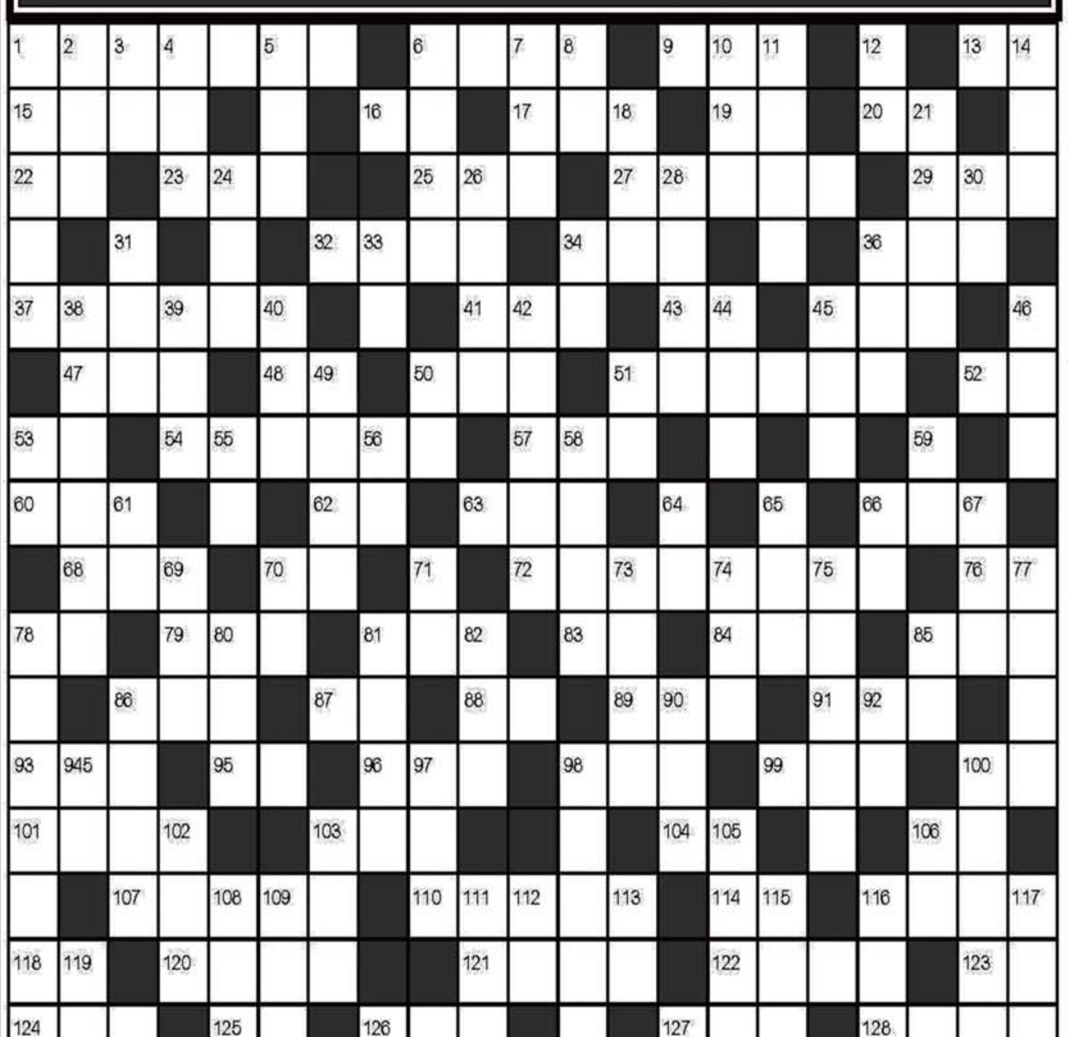

ck;s ls nk;s – 1) अपने देश के एक भूतपूर्व उपप्रधानमंत्री जो पहले संरक्षणमंत्री भी थे 6) कोयले की ताप से चलनेवाली रेलगाड़ी 9) पाप, गुनाह 13) अग्नि, जलन 15) श्रीकृष्ण के बड़े भाई 16) छानबीन, तलाश 17) जनानखाना 19) नजदीक 20) शव 22) बुरी आदत 23) वंदन, नमस्कार 25) तप्त, उष्ण 27) किसी बात को चरम सीमा तक पहुंचाना आशयवाला एक मुहावरा 29) आक्रमण 32) बेवजह 34) घड़ा 36) छोटे सिक्कों में रूपये को बदलना 37) जीवन–यापन का ढंग 41) वृद्ध, बौद्ध भिक्षु 43) सूजी 45) नेकी, हित 47) पिता 48) एक प्राचीन कालीन वाहन 50) भेट वस्तू के आवरण को हटाना 51) याचना करना इस अर्थवाला एक मुहावरा 52) राजा दशरथ की बड़ी बहू 53) प्राचीन काल में देवता इसका रसपान करते थे 54) नियंत्रित करना इस अर्थ का एक मुहावरा 57) कसम 60) वेश्यागृह 62) अस्थिर 63) मृगया 66) चंपत होना, दौड़ना 68) अपने अधिकार में लेना 70) प्रेम 72) कुछ संबंध या मतलब न होना अर्थ की एक कहावत 76) पातक 78) पेड़ का धड़ 79) बुरी वासना 81) मुखिया, आगे का व्यक्ति 83) तरीका 84) एक प्रकार का महीन तंतू जिसके कपड़े बनाये जाते है 85) इकट्ठा 86) तुरन्त चुकाया जानेवाला रूपया पैसा 87) जिस प्रकार से (काव्य में प्रयुक्त) 88) किरण 89) बरसात 91) टूटी फूटी या पुरानी वस्तुओं को खरीदनेवाला या बेचनेवाला 93) ओर 95) फायदा 96) तमस वृत्तीवाला 98) खरगोश 99) पैर 100) पराक्रमी 101) कुशलता, दक्षता 103) अर्जुन की एक पत्नी 104) मुसलमानों का एक त्यौहार 106) राजस्थान में राजाओं के नाम से पहले यह राजासूचक शब्द लिखा जाता था 107) पक्षपात 110) सरदार की पत्नी 114) नस 116) साथ में रहना 118) चंद्रमा(अं.) 120) उग्र विष 121) कारखाने में ढ़ला रूपया आदि 122)पुनः पुनः 123) दिवस 124) पेड़ 125) घ्राणेंद्रिय 126) दास, ताश का एक पत्ता 127) लाज 128) मख्खन

Åij ls uhps – 1) मध्य प्रदेश का एक प्रमुख शहर 2) अशुद्ध, जो ठीक न हो 3) सौंफ के आकार का एक पदार्थ, जीरक 4) उलटी,, कै 5) राजा, नृपति 6) सांप के जाति का एक सुस्त प्राणी 7) दया, करुणा, अनुकंपा 8) स्तर, तह, परत 10) तुरन्त 11) व्यायाम 12) बहुत से लोगों का जमावड़ा, उत्सव 14) वह मिट्टी का पात्र जिसमें छोटे छोटे फूलदार पौधे लगाये जाते है 18) प्रासाद 21) एक मंगल वाद्य 24) नाव चलाने वाला 26) युद्ध का मैदान 28) रामायण में लव कुश के दादा 30) निषेध 31) चिन्तन 33) करने या बनानेवाला 34) शुल्क 36) विस्मरण करना 38) पचाना 39) पूरा 40) मुलायम 42) ....विपरीत बुद्धि, एक कहावत 44) लौटाया हुआ 45) राम के एक भाई 46) व्यतीत करना 49) भूमिपर विचरण करनेवाला 50) गुमना 51) कर 53) विचार 55) बिजली 56) कपोल 58) परस्त्री 59) धब्बा 61) लक्ष 64) सन्देह 65) छेने की एक बंगला मिठाई 66) एक हिन्दू महिना 67) अपवित्र 69) व्यर्थ 70) तृष्णा 71) एक प्रसिद्ध मुनि जिनके बारे में बताया जाता है कि उन्होंने विष्णु के छाती में लात मारने पर भी उन्हे क्षमा किया गया था 73) विश्वास 74) राजा 75) बालक का नाम रखने का संस्कार 77) समाचार पत्र का एक प्रमुख कर्मचारी वर्ग 78) जलते है जिसके लिए....इस पुराने गीत के प्रसिद्ध गायक 80) मुंह 81) बीग बी नाम से जाने जानेवाले एक अभिनेता 82) आईना 85) पैर का नीचे और पीछेवाला उभरा या फूला भाग 86) घृणा 90) मुक्ति 92) शर 94) बचा 97) चेन्नई का पूर्ववर्ती नाम 98) सावधान 100) सरस्वती 102) किस्म 103) मीठा (स्वरवाला) गीत आदि 105) राज्यसभा 106) रास्ता 108) अमूक 109) जलानेवाला 111) रूपया पैसा 112) नित्स के भोजन का एक पदार्थ 113) पानी 115) उष्ण 116) शरण का अशुद्ध उच्चारण 117) ब्रम्हा के चार मानसपुत्रों में से एक 119) मनुष्य (जवाब अगले अंक में)

पिछ्ले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

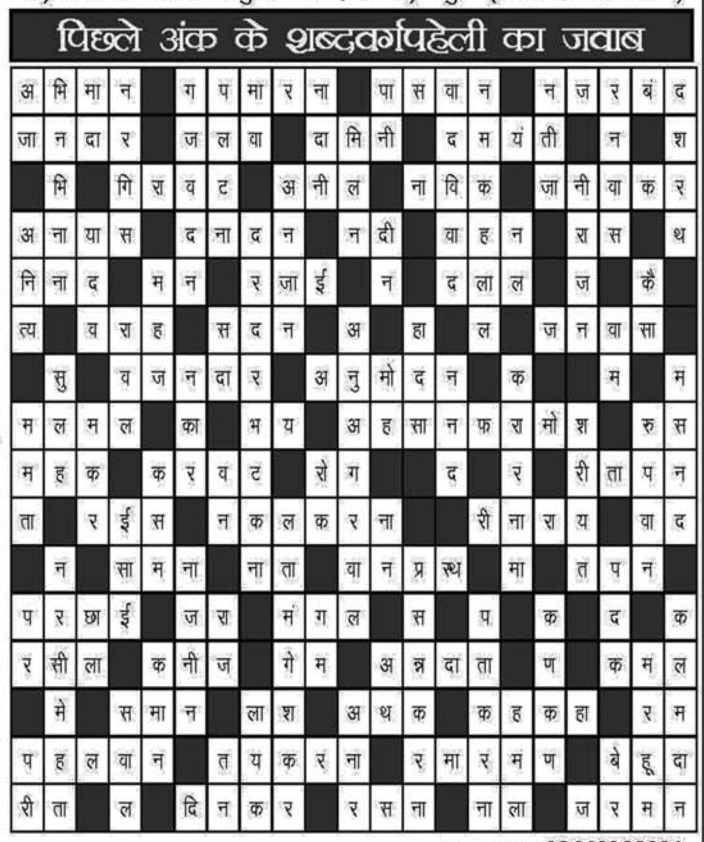

anumeya-08446302691

ज्ञानी सलाह

सिखा सको मुझको
तुम तो बता दो ना
कैसे होता है समर्पण
दिखा दो ना
मै भी देख कर दाद दूंगा
कैसे होता है सर्वगुण
संपन्न बता दो ना

आप हो महान मै जनता हु
गलतियां हो रही है
मेरी मै जनता हु
मुझको मेरी गलतियों
का प्राश्चित दो
मै करके दिखा रहा जैसे
उससे अच्छा करके दिखा दो

खामियां कहा
कहा है मेरी मुझको
बता ने से पहले खुदको जाता दो
क्या हो तुम परिपूर्ण पूर्णतह
ये भी बता दो

मै भी तुम्हारी तरह इंसान हु
रग रग मेहनत करके परेशान हु
होता साहस अपने ही लोगों के
ताने सुनने का
तो मैं किसी काम करते हुए
इंसान को तुम्हारी
तरह ही डाटता
बैठ कर दिन भर बिना काम की
ज्ञान भरी बाते छाटता

कुल मिला के मेरा यही कहना है
जीवन सबका अलग
सब का अलग तरीका है
तुम बेवजह न किसी को
अपनी ज्ञानी सलाह दो
दूसरों की जिंदगी पर
नहीं खुद पर ही ध्यान दो

शैलेश दिवेवार
नागरा

पेड़ लगाओ धरती बचाओ

पेड़ लगाओ धरती बचाओ
जीवन जीना कठिन हुआ है
इसको सरल बनाओ।
पेड़ लगाओ, धरती बचाओ।

सांस- सांस हो रही घुटन है।
रोगीला तन, विषैला मन है।
दूषित जल, प्रदूषित वायु
देख रहे हम नित्य पतन हैं।

कल मरना है इसीलिये तुम
आज नहीं मर जाओ।
पेड़ लगाओ, धरती बचाओ।।

हर मौसम में बढ़ी तपन है।
बंजर धरती, गायब वन है।
बिन मेहनत के बहे पसीना
त्राहि त्राहि जन जग जीवन है।

कर्म करो, कुछ शर्म करो
धरती को फिर स्वर्ग बनाओ।
पेड़ लगाओ, धरती बचाओ।।

पेड़ हमें फल, छाया देते।
सदा निरोगी काया देते।
पेड़ हमें देते अपनापन
कभी न भाव पराया देते।

आज करो तुम पौधारोपण
पेड़ तक फिर उनको पहुंचाओ।
पेड़ लगाओ, धरती बचाओ।।

रचनाकार

शशि तिवारी,
गोंदिया (महाराष्ट्र)

जग प्रेरणा
व्यापार समाचार
● शेयर बाजार ● इलेक्ट्रॉनिक्स ● कपड़ा ● किराना ● लोहा ● सिमेंट ● सराफा ● आटोमोबाईल्स

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सरकार का विदेश में पंजीकृत निवेश कोष के लिए कर छूट की शर्तों को आसान बनाने का प्रस्ताव..

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार ने भारत से प्रबंधित पात्र निवेश कोष के लिए वैश्विक आय पर कर छूट पाने की पात्रता शर्तों में व्यापक ढील देने का प्रस्ताव किया है। इस पहल का मकसद भारत को वैश्विक कोष प्रबंधन केंद्र के रूप में मजबूत बनाना है।

कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 के अनुसार, वैश्विक आय पर कर छूट का लाभ लेने के लिए 'ऑफशोर फंड' यानी विदेशी क्षेत्र में पंजीकृत कोष को अब न्यूनतम 25 निवेशकों की अनिवार्यता, किसी एक निवेशक की अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्सेदारी, किसी एक इकाई में कुल कोष का 25 प्रतिशत से अधिक निवेश नहीं करने, संबद्ध इकाइयों में निवेश पर पाबंदी तथा 100 करोड़ रुपये के न्यूनतम मासिक औसत कोष जैसी शर्तों का पालन करने की जरूरत नहीं होगी।

सरकार ने यह विधेयक संसद सदस्यों के बीच वितरित कर दिया है और इसे जल्द ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में पेश कर सकती हैं।

विधेयक में प्रस्तावित संशोधनों के तहत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) से संचालित कोषों के लिए अलग कर छूट संबंधी शर्तों को भी समाप्त करने का प्रस्ताव है।

इससे आईएफएससी और गैर-आईएफएससी 'ऑफशोर' कोषों के बीच मौजूद अस्पष्टता दूर होगी और भारत से प्रबंधित सभी पात्र विदेशी निवेश कोषों के लिए एक समान पात्रता रूपरेखा लागू होगी।

नांगिया ग्लोबल में एमएंडए (विलय एवं अधिग्रहण) कर भागीदार अभीत सचदेवा ने कहा, ''इन प्रस्तावित बदलावों से 'ऑफशोर' कोषों के लिए भारत की घरेलू कोष प्रबंधन व्यवस्था अधिक आकर्षक बनेगी और कोष प्रबंधन गतिविधियों के भारत में स्थानांतरण को बढ़ावा मिलेगा।''

विधेयक में पांच जून को जारी उस अध्यादेश का स्थान लेने का भी प्रस्ताव है, जिसके तहत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) को सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश से होने वाली ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर कर छूट दी गई थी।

यह अध्यादेश पश्चिम एशिया संकट के कारण रुपये पर बढ़ते दबाव को कम करने और विदेशी पूंजी आकर्षित करने के उद्देश्य से जारी किया गया था।

विधेयक के उद्देश्य एवं कारण संबंधी विवरण में कहा गया है कि अध्यादेश का उद्देश्य बाहरी आर्थिक झटकों के प्रभाव को कम करना, घरेलू अर्थव्यवस्था में स्थिरता सुनिश्चित करना तथा वैश्विक परिस्थितियों से प्रभावित प्रमुख क्षेत्रों को समर्थन देना था।

इसमें कहा गया है कि वित्त अधिनियम, 2026 लागू होने के बाद संबंधित पक्षों से प्राप्त सुझावों के आधार पर यह महसूस किया गया कि अध्यादेश का उद्देश्य अब भी प्रासंगिक है, लेकिन उसे व्यापक रूप से हासिल करने के लिए अतिरिक्त कराधान उपायों की आवश्यकता है।

''लगातार बदलते वैश्विक घटनाक्रम और समय पर समन्वित प्रतिक्रिया की आवश्यकता को देखते हुए इन उपायों को इसी विधेयक में शामिल करना उपयुक्त माना गया है।''

सचदेवा के अनुसार, इन बदलावों से भारत की घरेलू कोष प्रबंधन व्यवस्था विदेशों में पंजीकृत कोषों के लिए अधिक आकर्षक बनेगी और अधिक कोष प्रबंधन गतिविधियां भारत स्थानांतरित होने की संभावना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जून में कहा था कि विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और सरकार द्वारा घोषित उपाय पहला कदम हैं और आगे भी अतिरिक्त कदम उठाए जा सकते हैं।

उन्होंने कहा था, ''हमारा मानना है कि भारत में और अधिक विदेशी पूंजी आने की आवश्यकता है।''

सरकार ने पांच जून को सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेशकों के लिए अनुपालन बोझ कम करने के उद्देश्य से 'फुली एक्सेसिबल रूट' यानी पूर्ण रूप से सुलभ मार्ग (एफएआर) के तहत निर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूची का विस्तार करते हुए नई सरकारी प्रतिभूतियों के निर्गम को भी इसमें शामिल किया था।

एफएआर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2020 में शुरू की गयी एक रूपरेखा है जो विदेशी निवेशकों को बिना किसी निवेश सीमा या प्रतिबंध के विशिष्ट भारतीय सरकारी बॉन्ड खरीदने की अनुमति देती है।

आरबीआई ने भी पांच जून को बैंकों को तीन से पांच वर्ष की अवधि वाले विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) (एफसीएनआर-बी) जमा पर 30 सितंबर तक आरबीआई की अदला-बदली सुविधा का उपयोग करने की अनुमति दी थी। इससे बैंक अमेरिकी डॉलर जमा को आरबीआई के साथ अदला-बदली कर मुद्रा जोखिम का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगे।

विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को 30 सितंबर तक बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) जुटाने के लिए रियायती विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

इन सभी योजनाओं के तहत 31 जुलाई तक कुल 40.81 अरब डॉलर की विदेशी पूंजी प्राप्त हुई।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 24 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 6.12 अरब डॉलर बढ़कर 682.35 अरब डॉलर हो गया।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की कर भागीदार ऋचा साहनी ने कहा कि यह विधेयक अल्पकालिक राहत से आगे बढ़कर दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता की दिशा में संतुलित बदलाव का संकेत देता है।

उन्होंने कहा कि अध्यादेश ने वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों से उत्पन्न तत्काल चुनौतियों का समाधान किया था, जबकि अब सरकार ने संबंधित पक्षों से परामर्श के बाद अतिरिक्त सुधारों को शामिल किया है। इससे कर व्यवस्था में अधिक निश्चितता आएगी और भारत की आर्थिक मजबूती बढ़ेगी।

सरकार एलआईसी में 6.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी, विनिवेश से मिलेंगे 31 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार दो दिन की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये 382 रुपये प्रति शेयर की न्यूनतम कीमत पर भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में 6.5 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचेगी।

यह निर्गम गैर-खुदरा निवेशकों के लिए मंगलवार को और खुदरा निवेशकों के लिए बुधवार को खुलेगा। पूर्ण अभिदान मिलने पर और बोली की न्यूनतम कीमत के आधार पर 82.22 करोड़ से अधिक शेयर या 6.5 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री से सरकार को लगभग 31,000 करोड़ रुपये मिलेंगे।

निवेश और लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने एक्स पर पोस्ट किया, ''सरकार ग्रीन शू विकल्प के रूप में अतिरिक्त चार प्रतिशत के साथ 2.5 प्रतिशत इक्विटी विनिवेश करने का प्रस्ताव करती है।''

बोली की निचली सीमा के आधार पर बीएसई पर एलआईसी के शेयरों के सोमवार के बंद भाव 424.35 रुपये की तुलना में 10 प्रतिशत की छूट दी गई है।

इस हिस्सेदारी बिक्री से एलआईसी को न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता आवश्यकता को समय से पहले हासिल करने में मदद मिलेगी। सेबी ने एलआईसी को न्यूनतम 10 प्रतिशत सार्वजनिक शेयरधारिता हासिल करने के लिए 16 मई, 2027 तक का समय दिया था। इस समय एलआईसी में सरकार की 96.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

रुपये में लगातार छठे दिन तेजी, 12 पैसे चढ़कर 95.31 प्रति डॉलर पर..

मुंबई, (भाषा)।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को रुपये में लगातार छठे कारोबारी सत्र में मजबूती रही। रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ 95.31 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लिवाली और घरेलू शेयर बाजार में तेजी से भी रुपये को समर्थन मिला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.15 प्रति डॉलर पर खुला। दिन में यह 95.11 से 95.34 के दायरे में घूमता रहा। अंत में यह 95.31 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त है।

रुपया सोमवार तक लगातार छह कारोबारी सत्रों में तीन प्रतिशत से अधिक मजबूत हुआ है। रुपया शुक्रवार को सात पैसे मजबूत होकर 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, '' अमेरिकी राष्ट्रपति के सप्ताहांत में ईरान पर हमले की योजना रद्द करने से रुपये को मजबूती मिली।''

उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच सोमवार शाम वार्ता होने वाली है। इससे वैश्विक निवेशकों की जोखिम लेने की धारणा मजबूत हुई। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट ने भी रुपये को समर्थन दिया।

उन्होंने कहा, '' हमें उम्मीद है कि वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने की धारणा मजबूत होने से रुपये में हल्के सकारात्मक रुख के साथ कारोबार होगा। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच यदि भू-राजनीतिक तनाव फिर बढ़ता है तो रुपये की तेज बढ़त सीमित हो सकती है। डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 94.90 से 95.50 रुपये के दायरे में रह सकता है।'' इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत टूटकर 99.84 पर रहा।

घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 544.39 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,639.03 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 390.70 अंक यानी 1.60 प्रतिशत चढ़कर 24,774.30 अंक पर बंद हुआ।

अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 5.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83.48 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध रूप से 922.26 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ वार्ता सोमवार को होगी। हालांकि, उन्होंने किसी समझौते की समयसीमा नहीं बताई।

ट्रंप ने इससे पहले कहा था कि उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर मतभेद सुलझाने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की उम्मीद में प्रस्तावित सैन्य हमले को टाल दिया है।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सूचकांक 544.39 अंक की तेजी के साथ 78,639.03 अंक तथा निफ्टी 390.70 अंक की तेजी के साथ 24,774.30 अंक पर बंद हुआ।

बेहतर बुनियादी ढांचे वाली मंडियां पूरी कृषि विपणन व्यवस्था को अधिक बेहतर बनाएंगी: रेखा गुप्ता..

नयी दिल्ली, (भाषा)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि बेहतर बुनियादी ढांचे वाली मंडियां पूरी कृषि विपणन व्यवस्था को बेहतर बनाएंगी मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी राजधानी की कृषि मंडियों के पुनर्विकास और विभिन्न मंडियों में चल रही और प्रस्तावित विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा के दौरान की।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, बैठक में गाजीपुर, नरेला, इंटिग्रेटेड फ्रेट कॉम्प्लेक्स (आईएफसी) गाजीपुर आदि से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति का आकलन किया गया तथा मंडियों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए चल रहे कार्यों की जानकारी ली गई।

गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की कृषि मंडियां किसानों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, इसलिए इन मंडियों को समय की जरूरतों के अनुरूप विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त, सुव्यवस्थित और बेहतर बुनियादी ढांचे वाली मंडियां न केवल व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाएंगी, बल्कि पूरी कृषि विपणन व्यवस्था को भी अधिक बेहतर बनाएंगी।

बयान के अनुसार, बैठक में गाजीपुर में लगभग 15 एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही आधुनिक मुर्गा मंडी की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना की कुल लागत 193 करोड़ रुपये से अधिक है और इसका निर्माण कार्य मार्च 2019 में शुरू हुआ था और इसे इस साल 31 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है उन्होंने बताया कि वर्तमान में लगभग 85 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है तथा इस आधुनिक मुर्गा मंडी में 100 थोक व्यापारियों की दुकानें और 120 प्रसंस्करण इकाइयां विकसित की जा रही हैं।

बयान के मुताबिक, गाजीपुर फल, सब्जी और फूल मंडी में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि मंडी में जलभराव की समस्या दूर करने के लिए 200 मीटर लंबी बाइपास ड्रेनेज पाइपलाइन बिछाने का कार्य प्रगति पर है और इस कार्य की स्वीकृत लागत 17 लाख रुपये है। इसमें कहा गया है कि बैठक में नरेला अनाज मंडी में व्यापारियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए दो अतिरिक्त स्टील शेड विकसित करने के प्रस्ताव की भी समीक्षा की गई। बयान अनुसार, इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 11 करोड़ रुपये है और इसके जुलाई, 2027 तक पूरा होने की संभावना है।

लखनऊ में ब्रिक्स सांख्यिकी कार्यालयों की बैठक में उच्च गुणवत्ता वाले आंकड़ों, नवोन्मेष पर जोर..

लखनऊ, (भाषा)।

ब्रिक्स देशों के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयों के प्रमुखों की दो दिवसीय बैठक सोमवार को यहां शुरू हुई। इसका मुख्य उद्देश्य सांख्यिकी प्रणालियों को मजबूत करना, आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार करना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाना है।

आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। ब्रिक्स समूह में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया शामिल हैं।

बयान के मुताबिक, भारत की अध्यक्षता में सोमवार को इस दो दिवसीय बैठक का उद्घाटन हुआ। इसमें 350 से ज्यादा लोग शामिल हुए हैं। इनमें ब्रिक्स सदस्य देशों के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयों के प्रतिनिधि, नीति निर्माता, शिक्षाविद, शोध संस्थान, नागरिक समाज संगठन और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हैं।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव और ब्रिक्स 2026 सांख्यिकी ट्रैक के अध्यक्ष सौरभ गर्ग ने ÷राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणालियों के आधुनिकीकरण, प्रशासनिक डेटा और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के अधिक इस्तेमाल और 'डेटा गवर्नेंस' व गोपनीयता मानकों को मजबूत करने÷ जैसी प्राथमिकताओं का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, ÷ब्रिक्स सदस्य देशों का लक्ष्य तकनीकी आदान-प्रदान और अनुभवों को साझा करके आंकड़ों की कमियों को दूर करना, प्रमाण-आधारित निर्णय लेने को बढ़ावा देना और मजबूत सांख्यिकी प्रणालियां बनाना है।''

बयान के अनुसार ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालयों के प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने भी बैठक से अपनी उम्मीदें बताईं और ब्रिक्स सांख्यिकी ट्रैक के तहत सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक में भाग लेने वाले देशों ने ज्ञान साझा करने, बेहतरीन तौर-तरीकों के आदान-प्रदान, सांख्यिकी कार्यप्रणालियों में तालमेल बैठाने और नवोन्मेष को बढ़ावा देने से आधिकारिक सांख्यिकी मजबूत होगी, जानकारी पर आधारित नीति-निर्माण में मदद मिलेगी, मजबूत अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा मिलेगा और टिकाऊ विकास में तेजी आएगी।

बैठक के दौरान, ब्रिक्स संयुक्त सांख्यिकी प्रकाशन (जेएसपी) 2026 का मसौदा और स्नैपशॉट ब्रिक्स जेएसपी 2026 जारी किए गए।

बयान में कहा गया है कि सदस्य देशों से मिलने वाले अतिरिक्त सुझावों को आम सहमति के आधार पर शामिल किया जाएगा। इसमें बताया गया कि तकनीकी सत्रों में सरकारी आंकड़ों के डिजिटल प्रसार और सांख्यिकीय प्रणालियों को आधुनिक बनाने के सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

टोरेंट पावर का शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत घटकर 662 करोड़ रुपये पर, राजस्व बढ़ा

नई दिल्ली, (भाषा)।

एकीकृत बिजली कंपनी टोरेंट पावर का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 10.75 प्रतिशत घटकर 661.85 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से वैश्विक स्थिति के कारण एलएनजी आपूर्ति और रणनीतिक निवेश प्रभावित होने से कंपनी का लाभ घटा है।

कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले 2025-26 की इसी तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 741.58 करोड़ रुपये था।

हालांकि, कंपनी का परिचालन राजस्व वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में लगभग तीन प्रतिशत बढ़कर 8,124 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी तिमाही में 7,906 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि वैश्विक बाधाओं के कारण एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) की आपूर्ति प्रभावित होने और इसके परिणामस्वरूप उसके ताप विद्युत संयंत्रों के प्रदर्शन पर असर पड़ने जैसी चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों के बावजूद आलोच्य तिमाही में ईबीआईटीडीए (ब्याज, कर, मूल्य ह्रास आदि से पहले की आय) दो प्रतिशत बढ़कर 1,619 करोड़ रुपये रही।

कंपनी के अनुसार, इस प्रदर्शन को उसके वितरण और नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार से मजबूत योगदान मिला। इन दोनों कारोबार में क्रमशः 10 प्रतिशत और छह प्रतिशत की ईबीआईटीडीए वृद्धि दर्ज की गई।

करीब 28,966 करोड़ रुपये के एकीकृत बिजली कंपनी टोरेंट पावर, लगभग 50,000 करोड़ रुपये के टोरेंट समूह की कंपनी है।

यह देश की प्रमुख बिजली कंपनियों में शामिल है और बिजली उत्पादन, पारेषण (ट्रांसमिशन) तथा वितरण सहित पूरी बिजली मूल्य श्रृंखला में इसकी मौजूदगी है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

भोले के दीवाने: बोल बम समिति के 100 कावड़िये भक्ति भाव से झूमते कोटेश्वर धाम पहुंचकर चढ़ाया जल..

जगप्रेरणा लांजी।

श्रावण मास के प्रथम सोमवार 3 अगस्त को आस्था, श्रद्धा और शिवभक्ति का अनुपम संगम लांजी स्थित प्रसिद्ध कोटेश्वर धाम में देखने को मिला।

108 उपलिंगों में से एक माने जाने वाले भगवान कोटेश्वर महादेव के दरबार में सुबह से ही 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से पूरा धाम भक्तिमय हो उठा। बोल बम सेवा समिति द्वारा आयोजित 27वीं कांवड़ यात्रा के प्रथम चरण मे सोमवार पर 100 कांवड़ियों ने चहेली (सीतापाला) स्थित छोटी बाघ नदी के उद्गम स्थल से पवित्र जल लेकर लगभग 42 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा नंगे पैर पूरी की। कांवड़िए घने जंगलों, नदी-नालों और दुर्गम मार्गों को पार करते हुए सीतापाला जंगल, टिमकीटोला, रिसेवाड़ा, बहनवाड़ा वारी, लोहारा, कालीमाटी, नीमटोला होते हुए कोटेश्वर धाम पहुंचे और भगवान कोटेश्वर महादेव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। समिति द्वारा बताया गया कि इस वर्ष कांवड़ यात्रा का 27वां आयोजन किया जा रहा है। यात्रा का पहला जत्था 03 अगस्त को बोल बम सेवा समिति कार्यालय से रवाना हुआ था, जिसने सोमवार शाम बाबा कोटेश्वर नाथ के दरबार में पहुंचकर जलाभिषेक किया। वहीं अन्य क्षेत्र के लगभग 40 शिवभक्तों ने भी जल स्त्रोत से जल लाकर भगवान कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

प्रथम सोमवार पर उमड़ा आस्था का सैलाब..

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को कोटेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में दर्शन और जलाभिषेक के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। शिवभक्तों ने भगवान भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

पुलिस ने संभाली चाक-चौबंद व्यवस्था..

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए लांजी पुलिस द्वारा सुरक्षा एवं यातायात की व्यापक व्यवस्था की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एसडीओपी एवं थाना प्रभारी के नेतृत्व में संपूर्ण व्यवस्था संभाली गई। लांजी अनुभाग एवं रक्षित केंद्र बालाघाट से अतिरिक्त पुलिस बल, महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों की तैनाती की गई, जिससे दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वहीं एसडीएम सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने भी समय-समय पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

शिवभक्तों ने कराया महाप्रसादी वितरण..

श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार की तरह इस बार भी कोटेश्वर धाम परिसर में विभिन्न शिवभक्तों एवं सामाजिक समितियों द्वारा महाप्रसादी का आयोजन किया गया। भगवान कोटेश्वर महादेव को भोग अर्पित करने के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। कहीं पुलाव तो कहीं फलाहार की व्यवस्था की गई। दर्शन एवं जलाभिषेक के उपरांत हजारों श्रद्धालुओं और कांवड़ियों ने महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसी कड़ी मे वार्ड क्रमांक 13 के निवासी यों के द्वारा कोटेश्वर धाम परिसर मे महाप्रसाद का आयोजन किया गया । श्रावण मास के प्रथम सोमवार को कोटेश्वर धाम में उमड़ी आस्था, भक्तों का उत्साह, सुव्यवस्थित प्रशासनिक व्यवस्था और सेवा भाव से किया गया महाप्रसाद वितरण पूरे आयोजन को श्रद्धा, सेवा और सनातन संस्कृति का भव्य उत्सव बन गया।

दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत: किरनापुर में कांग्रेसियों ने आतिशबाजी कर बांटी मिठाइयां..

जगप्रेरणा किरनापुर।

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह की शानदार और ऐतिहासिक जीत की खबर मिलते ही

किरनापुर क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। जीत की खुशी में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में नगर के प्रमुख चौराहे गुजरी चौक वॉलीबॉल ग्राउंड किरनापुर में एकत्र होकर कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने कहा कि दतिया की जनता ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि वह वर्तमान नीतियों से त्रस्त होकर कांग्रेस की जनहितैषी नीतियों पर अपनी मुहर लगा रही है। यह जीत केवल एक प्रत्याशी की नहीं, बल्कि क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की मेहनत और आम जनता के अटूट विश्वास की जीत है।

प्रमुख बिंदु :

मिठाई वितरण और आतिशबाजी: दतिया के परिणाम घोषित होते ही किरनापुर में आतिशबाजी कर मिष्ठान वितरण किया गया। **कार्यकर्ताओं में नया उत्साह:** जीत की खबर से स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के हौसले बुलंद नजर आए। **जनता के प्रति आभार:** उपस्थित नेताओं ने दतिया की जनता और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

जश्न के इस कार्यक्रम में शामिल रहे-

किरनापुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष युशुफ पटेल, मनीष भीमटे सचिव जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट, कृष्णा रनगिरे सरपंच सिवनी खुर्द, मंगल प्रसाद रैकवार, सेवकराम पटले, विनोद, भीमटे, अरुण पाराशर, अजय मर्सकोले, पिंटू सोनूले, मंगल बड़गे, अनीश कुरैशी, मोहन गिरी गोस्वामी, रमेश भाद्रे, लुभेंद्र रावते, योगेंद्र फुलबांधे, कपिल वानखेडे, पदाधिकारी, युवा कांग्रेस, तथा सेवा दल के सदस्य सहित अधिक संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता और नागरिक मौजूद रहे।

सावन मास के चलते डोंगरगांव में हुआ 120 पौधों का रोपण..

वृक्ष हमारे जीवन का आधार- विधायक कर्राहे

जगप्रेरणा लांजी।

सनातन परंपरा में श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना, प्रकृति के संरक्षण और हरियाली के संवर्धन का पावन पर्व माना जाता है।

इस माह में वृक्षारोपण का विशेष महत्व है, क्योंकि पेड़-पौधों का संरक्षण न केवल पर्यावरण को संतुलित करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ जीवन का आधार भी बनता है। इसी पावन अवसर पर ग्राम पंचायत डोंगरगाँव में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के नेतृत्व में ग्राम पंचायत डोंगरगाँव के मोक्षधाम मैदान में 120 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान आम, करंजी, नीम, शीशम, जामुन, बादाम, गुलमोहर, बेलपत्र, आंवला, संतरा, नींबू एवं कदम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण और हरियाली से भरपूर प्रकृति मिल सके। कार्यक्रम में सरपंच राजकुमार तांडेकर, सोहनलाल उपराड़े , दयाराम डाहरे, उपसरपंच बसंत निर्मलकर, सचिव धर्मेंद्र ठाकरे, पूर्व सरपंच मेहतरलाल धारने, पुलिस पटेल धनुलाल लिल्हारे, पंच धनुलाल राऊत, राजाराम लिल्हारे, अश्विन सूर्यवंशी, निलेश पिछोडे, श्रीमती देवेश्वरी फुल्लारे, श्रीमती रश्मि डाहरे , रोहित मस्करे, ईश्वरदास ढेकवार, बेनीराम नंगपुरे, कुलदीप, दिनेश फुल्लारे, मस्करे, निकेश तांडेकर सहित ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का संकल्प लिया तथा श्रावण मास को हरियाली और प्रकृति संरक्षण के संदेश के साथ सार्थक बनाने का आह्वान किया।

जनपद पंचायत परिसर किरनापुर के सामने बने नवनिर्मित शॉपिंग कंपलेक्स में किराये से दुकान दिलाये जाने लगाई गुहार

जगप्रेरणा किरनापुर।

जनपद पंचायत परिसर के सामने किरनापुर में वर्ष 1996 से झोपडा बनाकर अपनी जीविकापार्जन चला रहा थे। दुकानदारों ने उन्हें दुकान प्रदान किए जाने की मांग को लेकर

प्रशासन से गुहार लगाई है। जानकारी मे इन दुकानदारों ने बताया कि जनपद पंचायत के सामने किरनापुर मे नया शापिंग काम्पलेक्स बनाने के पूर्व अनुविभागीय अधिकारी तथा विधायक महोदय लांजी-किरनापुर एवं जनपद अध्यक्ष किरनापुर द्वारा बुलाकर कहा गया था की आप अपना झोपडा हटा दो यंहा काम्प्लेक्स बनने पर आपको पहले अपने रोजी रोटी हेतु कमरा दिया जावेगा, जनपद पंचायत किरनापुर में सामान्य सभा की बैठक में 6 दुकानदारो का प्रस्ताव पास कर दिया गया था। लेकिन अब जनपद अध्यक्ष किरनापुर एवं वंहा के कर्मचारीयो द्वारा उक्त काम्प्लेक्स में कमरा देने हेतु टालमटोल किया जा रहा है। आगे बताया कि वे लोग गरीब निर्धन परिस्थिति के व्यक्ति है हम अपनी अपनी दुकाने लगाकर रोजी रोटी कमाकर अपना व अपने परिवार का जीवन व्यापन करते हैं चाय पान, चप्पल जूते, एवं स्टेशनरी की दुकान के अलावा हमारे पास अन्य कोई आय का साधन नहीं है यदि हमें उक्त काम्प्लेक्स में रोजी रोटी हेतु कमरा नही दिया जाता है तो हमें अपनी जीविका चलाने व अपना परिवार का भरण पोषण करने में काफी परेशानियो का समाना करना पडेगा। तथा उक्त काम्प्लेक्स में कमरा किराये से देने हेतु जनपद पंचायत किरनापुर के कर्मचारीयो को कहा जाता है तो उनके द्वारा कहा जाता है कि कमरा किराये से देने के लिए ऑनलाईन प्रक्रिया है जबकि हमारी स्थिति इतनी सुदृण्ड नही है कि ऑनलाईन के माध्यम से हम कमरा बुक करा सके। हमारा झोपडा हटाने हेतु दुकानदारो से 500/- पांच सौ रूपये की राशि भी अनुविभागीय अधिकारी किरनापुर के माध्यम से वंहा के कर्मचारियो द्वारा लिया गया था जिसकी रसीद हमारे पास मौजूद है। पीड़ित दुकानदार हालकचंद दमाहे आयु- 51 वर्ष पिता स्व. श्री बाबूलाल दमाहे ग्राम हिरी, हिरापुरटोला, तिलकचंद तांडेकर आयु 51 वर्ष पिता प्रेमलाल तांडेकर जाति चमार ग्राम कोकना, सतीश वैध आयु- 38 वर्ष पिता पढरीनाथ वैध जाति महार ग्राम हिरीं, सतीश देशमुख आयु- 48 वर्ष, अनिल सोनी, लेखराम खरे, गोविन्द ऊके, देवानंद ठाकरे, ग्राम हिरीं तहसील किरनापुर जिला बालाघाट निवासी ने जनपद पंचायत किरनापुर में बनाये गये काम्प्लेक्स में कमरा किराये से दिये जाने हेतु आदेश देने की मांग की है ताकि वे। अपनी रोजी रोटी व जीविका चला सके।

एक माह में 3 बार धंसी कारंजा पुल की अप्रोच रोड, गुणवत्ता की खुली पोल..

जगप्रेरणा लांजी।

लांजी-आमगांव राज्य मार्ग पर कारंजा पुलिया की एप्रोच सड़क एक बार फिर धंस गई। चिंताजनक यह है कि बीते एक माह में यह तीसरी घटना है। हर बार निर्माण एजेंसी ने क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कर आवागमन तो बहाल कर दिया, लेकिन पहली ही बारिश ने मरम्मत की गुणवत्ता की पोल खोल दी। एक ही स्थान का बार-बार धंसना अब यह संकेत दे रहा है कि समस्या सतह पर नहीं, बल्कि निर्माण की बुनियाद में कहीं गहराई तक मौजूद है। पहली बार सड़क धंसने पर स्थानीय लोगों ने शिकायत की और समाचार प्रकाशित होने के बाद निर्माण एजेंसी ने तत्काल मरम्मत कर दी। कुछ ही समय बाद हुई बारिश में वही स्थान फिर बैठ गया। इसके बाद दोबारा सुधार कार्य किया गया, लेकिन तीसरी बार सड़क धंसने से यह स्पष्ट हो गया कि अब तक किए गए सभी प्रयास केवल आवागमन चालू रखने तक ही सीमित रहे। मूल कारण तक पहुंचने का प्रयास कहीं दिखाई नहीं देता। ग्रामीणों और राहगीरों ने मांग की है कि कारंजा पुलिया की एप्रोच सड़क की विशेषज्ञों से विस्तृत तकनीकी जांच कराई जाए, पुलिया और सड़क के जोड़ वाले हिस्से का पुनः डिजाइन परीक्षण कराया जाए, निर्माण एजेंसी के कार्यों का गुणवत्ता परीक्षण कराया जाए तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों का दावा- सड़क भीतर से हो चुकी है खोखली..

आस-पास के ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया से लगी एप्रोच सड़क अंदर से पूरी तरह खोखली हो चुकी है। ऊपर डामर और गिट्टी बिछाने से कुछ समय के लिए रास्ता सामान्य दिखता है, लेकिन बारिश का पानी पहुंचते ही सड़क फिर बैठ जाती है। ग्रामीणों का मानना है कि यदि पूरे हिस्से की तकनीकी खुदाई कर परीक्षण कराया जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। पुलिया और सड़क के जॉइंट पर भी लगातार धंसाव बढ़ रहा है। इससे पुलिया पर चढ़ने से पहले वाहन अचानक उछल रहे हैं। भारी वाहनों के साथ दोपहिया चालक भी झटके का सामना कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार इस कारण कई छोटे हादसे हो चुके हैं। सौभाग्य से अब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ, लेकिन लगातार बढ़ रही यह स्थिति भविष्य के लिए गंभीर संकेत मानी जा रही है।

करोड़ों की परियोजना, फिर भी एक जगह बार-बार क्यों विफल हो रही?

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि करोड़ों रुपये की लागत से तैयार सड़क यदि एक ही स्थान पर बार-बार धंस रही है तो आखिर इसकी तकनीकी वजह क्या है? क्या भराव कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हुआ? क्या जल निकासी व्यवस्था में कमी रह गई? या फिर निर्माण के दौरान गुणवत्ता नियंत्रण केवल कागजों तक सीमित रहा? इन सवालों के जवाब बिना स्वतंत्र तकनीकी जांच के मिलना संभव नहीं है। निर्माण कार्य पूरा होने से लेकर अब तक सड़क तीन बार धंस चुकी है। इसके बावजूद न तो स्थायी सुधार दिखाई दिया और न ही किसी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा सार्वजनिक रूप से तकनीकी परीक्षण की जानकारी सामने आई। यदि प्रत्येक मरम्मत के बाद गुणवत्ता का परीक्षण किया गया होता, तो संभवतः एक ही स्थान तीसरी बार नहीं बैठता। यही कारण है कि अब विभागीय निरीक्षण व्यवस्था भी चर्चा के केंद्र में है।

नए कलेक्टर के सामने जवाबदेही तय करने की चुनौती..

जिले में नए कलेक्टर के पदभार संभालने के बाद लोगों की अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि अब इस पूरे निर्माण की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए। यदि निर्माण एजेंसी ने निर्धारित मापदंडों का पालन नहीं किया है तो उसकी जवाबदेही तय हो। यदि निगरानी में लापरवाही हुई है तो संबंधित अधिकारियों की भी जिम्मेदारी निर्धारित की जाए। सार्वजनिक धन से बने निर्माण की गुणवत्ता केवल भुगतान से नहीं, बल्कि उसकी मजबूती से प्रमाणित होती है।

बोले एसडीओ ए.के. सनोडिया..

मेरे द्वारा उक्त मार्ग और पुलिया का दो दिनों पूर्व ही निरीक्षण किया गया था और पुलिया और एप्रोच रोड में सुधार के लिये निर्माण कंपनी को पत्र भी लिखा जा चुका है और मौखिक रूप से भी अवगत करा दिया गया है। वर्तमान में सुधार करा दिया गया है तथा बारिश थमने के बाद पूर्ण रूप से सुधार कार्य कराया जाएगा।

सावन की हरियाली: पॉली एकेडमी संस्थान में मनाया गया ग्रीन डे..

जगप्रेरणा लांजी।

स्थानीय सी.बी.एस.ई. पाली एकेडमिक संस्थान, बिसोनी में सोमवार को पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति प्रेम की भावना विकसित करने के उद्देश्य से 'ग्रीन डे' (हरा रंग दिवस) का रंगारंग आयोजन

किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर हरियाली की छटा से सराबोर नजर आया और बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने आकर्षक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। सभी बच्चे एवं शिक्षिकाएं हरे रंग की सुंदर वेशभूषा में सुसज्जित होकर कार्यक्रम में शामिल हुए।

बच्चों ने पेड़-पौधों, पत्तियों, फलों एवं प्रकृति से जुड़ी विभिन्न आकृतियों का रूप धारण कर पर्यावरण संरक्षण का प्रभावशाली संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षिकाओं ने रोचक गतिविधियों, गीतों एवं खेल-खेल में बच्चों को हरे रंग के महत्व, पेड़-पौधों की उपयोगिता तथा पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता के बारे में सरल एवं प्रेरणादायक जानकारी दी। बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लेकर प्रकृति के प्रति अपने लगाव का परिचय दिया। संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य ने अपने संदेश में कहा कि बच्चों में बचपन से ही प्रकृति के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी का भाव विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। आज के यही नन्हे बच्चे भविष्य में पर्यावरण के सच्चे प्रहरी बनेंगे और हरियाली को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि 'ग्रीन डे' केवल एक रंग का उत्सव नहीं, बल्कि स्वच्छ, हरित और स्वस्थ भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षिकाओं द्वारा किए गए रचनात्मक प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों को प्रकृति मित्र बनने तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। साथ ही विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया। इस सफल एवं प्रेरणादायी आयोजन को सफल बनाने में नर्सरी से कक्षा दूसरी तक की समस्त शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

भरतलाल रतोने पंचतत्व में विलीन..

जगप्रेरणा लांजी।

क्षेत्र के ग्राम कारंजा निवासी सेनि. सचिव भरतलाल रतोने 62 वर्ष का 3 अगस्त की सुबह 6 बजे निधन हो गया। श्री रतोने अपने पीछे दो पुत्र एवं एक पुत्री का भरा पूरा परिवार छोड़ गये। जिनका अंतिम संस्कार ग्राम कारंजा के मोक्षधाम में किया गया। उनके निधन पर परिजनों एवं ईष्टमित्रों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मृतात्मा की शांति की परमपिता परमेश्वर से कामना की।

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
हेमंत नायक
मो. 88273 19933

जग प्रेरणा live मंडला नैनपुर
● बिछिया ● बीजाडांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

अगले शैक्षणिक सत्र तक कोई स्कूल भवन जर्जर न रहे - कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे

जन विश्वास अभियान 7 अगस्त से, मोहगाँव में लगेगा प्रथम शिविर

हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की हुई समीक्षा

समय-सीमा की बैठक आयोजित

जगप्रेरणा मंडला।

कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में आगामी जन विश्वास अभियान एवं स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों सहित विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन विश्वास अभियान के दौरान सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी के

कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। शिविर के दिन संबंधित विभागों के अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित करें। प्रथम शिविर 7 अगस्त को मोहगांव में आयोजित होगा।

क्या है जन विश्वास अभियान ?

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक संचालित जन विश्वास अभियान के अंतर्गत प्रत्येक शुक्रवार को विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में सभी जिलाधिकारी उपस्थित रहेंगे एवं समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राही तक पहुंचाएंगे। इस संबंध में कलेक्टर श्री धोटे ने निर्देश दिए कि जन विश्वास अभियान के दौरान उद्यम संवाद, कृषक संवाद एवं शिक्षक-पालक संवाद जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। अभियान के दौरान सीएम हेल्पलाईन के निराकरण एवं लोकसेवा गारंटी के प्रकरण की विशेष रूप से समीक्षा की जायेगी।

यह भी बोले कलेक्टर धोटे..

बैठक में कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि जिले के अनुपयोगी एवं जर्जर शासकीय भवनों को पृथक रूप से चिन्हित करें तथा आगामी शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पहले आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे किसी भी विद्यालय का संचालन जर्जर भवन में न हो। इस संबंध में उनके द्वारा डीईओ, डीपीसी, एसी ट्राईबल, डीपीओ, महिला बाल विकास विभाग को निर्देशित किया गया कि जर्जर भवनों एवं अनुपयोगी भवनों को सूचीबद्ध कर 7 दिवस में उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही बैठक में हर घर तिरंगा अभियान के तहत 9 अगस्त से आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की अग्रिम तैयारियों की समीक्षा की गई एवं स्वतंत्रता दिवस के आयोजन के संबंध में भी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री शाश्वत सिंह मीना, अपर कलेक्टर श्री हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफसहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मीडिया के सहयोग से सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूत - आलोक वीर यादव

सीआरपीएफ के नवागत कमांडेंट ने पत्रकारों से किया संवाद..

जगप्रेरणा मंडला।

जिले में पदस्थ 148वीं सीआरपीएफबटालियन के नवागत कमांडेंट आलोक वीर यादव ने सोमवार को सीआरपीएफपरिसर में जिले के पत्रकारों के साथ परिचय एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य मीडिया और केंद्रीय सुरक्षा बल के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा जनहित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देना रहा।

आत्मीय माहौल में आयोजित कार्यक्रम में कमांडेंट आलोक वीर यादव ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों से व्यक्तिगत परिचय प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाज तक सही, निष्पक्ष और तथ्यपरक जानकारी पहुंचाने में पत्रकारों की जिम्मेदारी सबसे अहम होती है।

कमांडेंट ने अपने सेवा अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में कार्य किया है और हर क्षेत्र की अपनी अलग परिस्थितियां होती हैं। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग और मीडिया की सकारात्मक भागीदारी से सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

उन्होंने मंडला जिले की सराहना करते हुए कहा कि यह शांत, सौहार्दपूर्ण और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जिला है, जहां विभिन्न समुदायों के लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते हैं। मां नर्मदा की पावन धरा पर सेवा करने का अवसर उनके लिए सौभाग्य की बात है। कमांडेंट ने कहा कि भविष्य में सीआरपीएफद्वारा आयोजित सामाजिक, जन जागरूकता एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रमों में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन, सुरक्षा बल और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय से जनहित के कार्यों को और मजबूती मिलेगी। इस दौरान पत्रकारों ने भी नवागत कमांडेंट का स्वागत किया और जिले से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी प्रमोद कुमार यादव, उप कमांडेंट मनोरंजन कुमार, उप कमांडेंट श्रीमती मनोरमा, सूबेदार मेजर एल.बी. थापा सहित 148वीं सीआरपीएफबटालियन के अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। वहीं पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल सहित जिले के अनेक वरिष्ठ एवं अधिमान्य पत्रकार कार्यक्रम में शामिल हुए।

द्वादश ज्योतिर्लिंग में महा रुद्राभिषेक, सावन के प्रथम सोमवार उमड़ा आस्था का सैलाब..

जगप्रेरणा मंडला।

सावन मास के प्रथम सोमवार को माहिष्मति घाट स्थित द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में भगवान शिव का विधि-विधान से महा रुद्राभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चन का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और ÷हर-हर महादेव÷ के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

मंदिर में पिछले 18 वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी शिवभक्तों ने सामूहिक रूप से भगवान भोलेनाथ का महा रुद्राभिषेक किया। पंडित सुभाष तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक एवं पूजन संपन्न कराया। श्रद्धालुओं ने जल, दुग्ध, बेलपत्र, धतूरा और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान शिव से सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की।

आयोजन में नगर के अनेक शिवभक्तों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रमुख रूप से दीपक बैरागी, रत्नेश दुबे, रोहित बघेल, अनिल कछवाहा, निर्भय सिंह ठाकुर, जॉनी राज, सोनिया सोनी, संध्या शिवहरे, सृष्टि श्रीवास, पूजा श्रीवास, चीकू, श्री बर्वे, श्री द्विवेदी, सत्येंद्र कुशवाहा, नरेश कछवाहा सहित शिव परिवार के सदस्य एवं सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने बताया कि सावन माह में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व माना जाता है। महा रुद्राभिषेक में शामिल होकर भक्तों ने भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

जन परिषद मंडला चैप्टर के अध्यक्ष बने आशीष चौरसिया अत्तू

जगप्रेरणा मंडला। अखिल भारतीय सामाजिक संस्था जन परिषद ने जिले के समाजसेवी आशीष चौरसिया 'अत्तू' को मंडला चैप्टर का अध्यक्ष मनोनीत किया है। उनकी नियुक्ति संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन.के. त्रिपाठी ने जन परिषद जबलपुर चैप्टर के संभागीय अध्यक्ष अतुल बनारसी तथा राष्ट्रीय सचिव शैलेश चौरसिया की अनुशंसा पर की है।जन परिषद के राष्ट्रीय संयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार रामजी श्रीवास्तव शैलेश चौरसिया ने बताया कि जन परिषद पिछले 37 वर्षों से सामाजिक, रचनात्मक एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही है। संस्था द्वारा अनेक ऐतिहासिक एवं संदर्भ ग्रंथों का प्रकाशन किया गया है, वहीं पर्यावरण संरक्षण विषय पर अब तक 12 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का सफल आयोजन भी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जन परिषद के देशभर में 300 से अधिक चैप्टर तथा विदेशों में 7 चैप्टर संचालित हैं। संस्था प्रतिवर्ष प्रशासनिक, सामाजिक एवं सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले रचनात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करती है। संस्था के पदाधिकारियों के अनुसार जन परिषद का उद्देश्य मानवीय, सामाजिक और राष्ट्रीय मूल्यों को सशक्त बनाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि आशीष चौरसिया 'अत्तू' के नेतृत्व में मंडला जिले में संस्था की सामाजिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा जनसेवा से जुड़े कार्यों का दायरा और अधिक व्यापक होगा।

घर के खुले छप्पर में जली हुई अवस्था में मृत पड़ी थी बेटी, हत्या में दोषी मां को उम्र कैद की सजा..

जगप्रेरणा मंडला।

जिला न्यायालय ने अपनी ही पुत्री की हत्या के मामले में दोषी मां को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, मंडला ने 30 जुलाई 2026 को फैसला सुनाते हुए सुभद्रा नगर कटरा निवासी 38 वर्षीय अनुसूईया झारिया को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास तथा एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

अभियोजन के अनुसार 13 फरवरी 2024 को अनुसूईया झारिया ने थाना मंडला में सूचना दी थी कि वह अपनी छोटी बेटी के लिए जूते खरीदने बाजार गई थी। घर लौटने पर दरवाजा अंदर से बंद मिला। पीछे जाकर देखने पर उसकी बड़ी बेटी रेशमी झारिया घर के खुले छप्पर में जली हुई अवस्था में मृत पड़ी थी। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। जांच के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण, पंचनामा और पोस्टमार्टम कराया गया। डॉक्टरों की टीम ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि रेशमी की मौत सिर में गंभीर चोट लगने से हुई थी। इसके बाद पुलिस ने मामले की गहन जांच की। विवेचना के दौरान महत्वपूर्ण प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य सामने आए। गवाह राजेश सिसोदिया ने बताया कि घटना के समय उसने रेशमी को घर के अंदर से चिल्लाते हुए सुना था कि उसकी मां उसे सिलबट्टे (सिलौढ़ा) से मार रही है और उसे बचाया जाए। अन्य गवाहों के बयानों से भी इस तथ्य की पुष्टि हुई कि घटना के समय घर में केवल मृतका और उसकी मां मौजूद थीं। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर अनुसूईया झारिया के खिलाफहत्या एवं साक्ष्य मिटाने के आरोप में अपराध दर्ज कर विवेचना पूरी करने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। विचारण के दौरान अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयानों को विश्वसनीय मानते हुए न्यायालय ने अनुसूईया झारिया को हत्या का दोषी ठहराया और उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मामले में शासन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक ब्रजेश चौरसिया ने की।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा, पॉक्सो कोर्ट ने लगाया जुर्माना..

जगप्रेरणा मंडला। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में मंडला की विशेष पॉक्सो अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास और 3,500 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय ने यह फैसला अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सुनाया। अभियोजन के अनुसार, पीड़िता ने 17 दिसंबर 2024 को महिला थाना मंडला में अपनी नानी, मामा और मामी के साथ पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह अपनी नानी के साथ रहती है और आरोपी अविनाश मरावी को करीब तीन वर्षों से जानती थी। 15 दिसंबर 2024 की शाम आरोपी उसे नया किराए का कमरा दिखाने के बहाने अपने साथ ले गया। कमरा दिखाने के बाद घर छोड़ने की बात कहकर वह स्कूटी से निकला, लेकिन रास्ते में सहस्त्रधारा रोड स्थित सुनसान स्थान पर ले जाकर धमकाते हुए उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी ने घटना किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़िता द्वारा परिजनों को घटना की जानकारी देने के बाद महिला थाना मंडला में मामला दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पीड़िता के बयान, चिकित्सकीय परीक्षण सहित अन्य साक्ष्य एकत्रित कर आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत चालान विशेष न्यायालय में पेश किया गया।

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने सभी साक्ष्य एवं गवाह न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) न्यायालय, मंडला ने आरोपी अविनाश मरावी (30), निवासी चूना भट्टा, मंडला को भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3 सहपठित धारा 4(1) के तहत दोषी पाते हुए । 20 वर्ष के सश्रम कारावास 3,500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक सौरभ दुबे ने की।

छात्रावास में अव्यवस्थाओं पर बड़ी कार्रवाई: प्रभारी अधीक्षक निलंबित

जांच में गुणवत्तापूर्ण भोजन, साफ-सफाई और संचालन में मिली गंभीर लापरवाही

जगप्रेरणा मंडला।

जिले के जनजातीय कार्य विभाग ने छात्रावास संचालन में गंभीर लापरवाही बरतने पर बड़ी कार्रवाई करते हुए विकासखंड निवास के जोगीटोला वरिष्ठ बालक छात्रावास के प्रभारी अधीक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक पन्नालाल वट्टी को तत्काल प्रभाव से

निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई प्राप्त शिकायतों और जांच प्रतिवेदन के आधार पर की गई। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा किए गए आकस्मिक निरीक्षण में छात्रावास का संचालन निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं पाया गया। जांच के दौरान छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध नहीं कराए जाने, छात्रावास परिसर में साफ-सफाई की खराब स्थिति, परिसर में पशुओं के विचरण तथा छात्रावास में बाहरी व्यक्तियों के निवास जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इन अनियमितताओं को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग मंडला ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1) के तहत पन्नालाल वट्टी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, मंडला कार्यालय निर्धारित किया गया है। साथ ही नियमानुसार उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा। विभाग की इस कार्रवाई को छात्रावासों के बेहतर संचालन और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सख्त कदम माना जा रहा है।

डबल लॉक गोदाम बिछिया का निरीक्षण, उर्वरक स्टॉक व वितरण व्यवस्था परखी..

जगप्रेरणा मंडला।

खरीफसीजन में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन सक्रिय है। इसी क्रम में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देश पर बिछिया एसडीएम संस्कार बावरिया ने सोमवार को डबल लॉक गोदाम बिछिया का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने गोदाम में उपलब्ध उर्वरक की आवक, स्टॉक और वितरण पंजी का सत्यापन किया। उन्होंने उर्वरक के भंडारण एवं वितरण व्यवस्था का जायजा लेते हुए रिकॉर्ड का मिलान भी किया। इसके साथ ही गोदाम परिसर में पेयजल सहित अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उर्वरक का वितरण पारदर्शी, सुव्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान खाद वितरण व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाए, ताकि किसानों को आवश्यकतानुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध हो सके।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

सावन सोमवार पर काली मंदिर मित्र परिवार द्वारा भव्य काँवड़ यात्रा

जलाभिषेक एवं महाआरती का आयोजन..

जगप्रेरणा आमगांव।

पावन सावन सोमवार के अवसर पर काली मंदिर मित्र परिवार, आमगाँव के तत्वावधान में बाघनदी से पवित्र जल लाकर भगवान भोलेनाथ का श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ जलाभिषेक, पूजन एवं महाआरती का आयोजन किया गया।

काँवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर 'बोल बम' एवं 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ पूरे नगर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। जलाभिषेक एवं महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।

कार्यक्रम की सफलता में घनश्याम अग्रवाल, कैलास तिवारी, बालकिशन शर्मा, केशरी अग्रवाल, राजेश मिश्रा, श्रीभगवान अग्रवाल, राजू मस्के, सतीश असाटी, श्याम कावड़े, संतोष कावड़े, कान्हा अग्रवाल, बालाराम व्यास, श्यामा शिवनकर, रामकिशोर खेतगरे, योगेश महाराज एवं शंकर महाराज सहित काली मंदिर मित्र परिवार के सभी सदस्यों तथा अन्य श्रद्धालुओं का सराहनीय योगदान रहा।अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ एवं माँ काली से क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं जनकल्याण की प्रार्थना की।

एड. दुष्यंत किरसान के नेतृत्व मे गढ़चिरौली के किसानों ने 6 सासंद सहित महेंद्र ब्राह्मणवाडे साथ उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की

जिले में किसी भी प्रकल्प के लिए उपजाऊ खेती की ज़मीन का अधिग्रहण न करे; किसानों की उपराष्ट्रपती से ठोस मांग..

जगप्रेरणा आमगांव।

जिले के हज़ारों किसानों को ज़मीनहीन होने का डर है, क्योंकि सरकार गढ़चिरौली जिले को स्टील हब बनाने के नाम पर बड़े पैमाने पर उपजाऊ खेती

की ज़मीन का अधिग्रहण कर रही है। क्योंकि खेती ही रोज़ी-रोटी का मुख्य ज़रिया है, इसलिए अगर ज़मीन चली गई तो कई किसान परिवारों को भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है, किसानों ने अपनी भावनाएँ ज़ाहिर कीं। स्थानीय किसानों ने गढ़चिरोली तालुका के हीरापुर-गुरुवळा इलाके में प्रस्तावित एयरपोर्ट के लिए ज़मीन अधिग्रहण का कड़ा विरोध किया है। किसानों ने चामोर्शी तालुका के भेंडाळा इलाके के 14 गाँवों और जयरामपुर इलाके के 13 गाँवों में **MIDC** प्रकल्प के लिए ज़मीन अधिग्रहण का भी विरोध किया है। किसानों ने पहले भी कई बयानों, विरोध प्रदर्शनों, मार्च और मुंडन आंदोलनों के ज़रिए सरकार का ध्यान इस ओर खींचा है कि ज़िले में किसी भी **MIDC,** एयरपोर्ट या दूसरे सरकारी प्रोजेक्ट के लिए उपजाऊ खेती की ज़मीन का अधिग्रहण न किया जाए। इससे पहले, किसानों के एक शिष्ट मंडळ ने महाराष्ट्र के गवर्नर जिष्णु देव वर्मा से मुंबई के लोक भवन में मुलाक़ात की थी और ज़मीन अधिग्रहण का आदेश रद्द करने की मांग की थी। उसके बाद, अब गढ़चिरोली ज़िले के किसानों ने 6 सांसद के एक शिष्टमंडळ के साथ भारत के उपराष्ट्रपती सी. पी. राधाकृष्णन से नई दिल्ली में मुलाक़ात की और ज़ोरदार मांग की कि ज़िले में किसी भी प्रकल्प के लिए उपजाऊ खेती की ज़मीन का अधिग्रहण न किया जाए। शिष्टमंडळ ने उपराष्ट्रपती को बताया कि गढ़चिरोली ज़िला **PESA** क्षेत्र में आता है और **PESA** कानुन के तहत ग्राम सभाओं के पास खास अधिकार हैं। लेकिन, चूंकि ग्राम सभाओं के साफ़विरोध के बावजूद किसानों की ज़मीन अधिग्रहण का प्रक्रिया चल रहा है, इसलिए यह **PESA** कानुन का उल्लंघन है और इस मामले में तुरंत दखल देकर किसानों को इंसाफ़ मिलना चाहिए।

इस अवसर पर सांसद प्रतिभाताई धानोरकर, सांसद वर्षा गायकवाड़, सांसद श्यामकुमार बर्वे, सांसद प्रशांत पडोले, सांसद गोवाल पाडवी, सांसद सलंग ए सदमा के साथ महेंद्र ब्राह्मणवाडे और एड. दुष्यंत नामदेव किरसान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में मनोहर पा. पोरेटी, दिवाकर निसार (हीरापुर), प्रमोद भगत, मिलिंद खोबरागड़े, प्रशांत कोराम, वसंत राउत, राजेश ठाकुर, नेताजी गवतुरे, अनिल कोठारे, धीवरु मेश्राम, विकास जेंगाठे, मारुति कांबले, रवि बोदलकर, निकेश तुंकलवार, साईनाथ चलाख, सुनील कोहपारे, भक्तदास भगत, मनोज दहेलकर, गुरुदास थुसे, वसंत बर्नवार, तात्याजी चिचघरे, गुरुदास ठाकरे, विजय निकुरे, विजय लाड, नदीम नाथानी, विपुल एलटीवार और किसान शामिल थे।

नाली का कचरा, महामार्ग पर बदबू एंव दुर्घटना के खतरे का बना सबब

आमगांव नगरपरिषद का अजब कारनामा..

जगप्रेरणा आमगांव।

ऐन बारिश के मौसम मे नगरपरिषद आमगाव की शहर की सफाई को लेकर पोल पुरी तरह से खुल गई है नगरपरिषद प्रशासन की ओर से मानसुन पुर्व तैयारी के नाम पर कुछ भी

ठोस कुछ भी नही किया गया था जिसके चलते पहली बारिश मे आमगाव नगरपरिषद के तहत अनेक कॉलीनी मे पुरा पानी भर गया था कुछ ऐसी ही स्थिती नारायण नगर की भी हो गई थी बारिश मे जब नारायण नगर मे पानी भरा तो आनन फानन मे नगरपरिषद प्रशासन की ओर से आमगांव-गोंदिया मार्ग को लगकर मार्ग का पानी जाने हेतु बनाई गई नाली को कुछ जगह पर तोड दिया गया तोडने के बाद पानी की निकासी अच्छी तरह नाली से हो जाये इस हेतु नाली की सफाई की गई किंतु नाली की सफाई करते समय नाली की पुरी गंदगी महामार्ग पर फैलावर छोड दी गई जिससे महामार्ग पर नारायणनगर से लेकर सिध्दार्थ नगर के बीच नाली की गंदगी से किचड फैल गया है जिससे वाहनचालक को दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है साथ ही बदबु के चलते महामार्ग पर चलना दुश्वार हो चुका है नगरपरिषद प्रशासन को नाली की गंदगी महामार्ग से दुसरे दिन ही हटा लेने की आवश्यकता थी कितु महामार्ग पर गंदगी फैलाकर नगरपरिषद प्रशासन मानो भुल ही गया है जिससे वाहनचालक को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है इस समस्या की ओर ध्यान देकर जल्द से जल्द नाली की गंदगी महामार्ग से हटाने की मांग नागरिक ने की है।

तालुका स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. स्वप्नील आतराम को हटाने की मांग

जिला परिषद उपाध्यक्ष व स्वास्थ्य सभापति को सौंपा ज्ञापन..

स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मानसिक प्रताड़ना व अन्य गंभीर आरोप लगाए..

सालेकसा स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप..

जगप्रेरणा सालेकसा।

सालेकसा के तालुका स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. स्वप्नील आतराम के खिलाफस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की है।इस संबंध में जिला परिषद के स्वास्थ्य सभापति तथा जिला परिषद सदस्य को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि

डॉ. आतराम नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते तथा नागपुर से आना-जाना करने के कारण अधिकांश समय अनुपलब्ध रहते हैं। इससे कर्मचारियों को आवश्यक मार्गदर्शन नहीं मिल पाता और विभिन्न प्रशासनिक कार्य भी प्रभावित होते हैं। कर्मचारियों का यह भी आरोप है कि वे आवेदन-पत्रों पर समय पर हस्ताक्षर नहीं करते, जबकि देरी का दोष कर्मचारियों पर डालकर वेतन कटौती की धमकी देते हैं।

कर्मचारियों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में मासिक तालुका समीक्षा बैठकें नियमित रूप से आयोजित नहीं की गई और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी नहीं दिया गया। इसके विपरीत कर्मचारियों से अपमानजनक भाषा में बात की जाती है तथा उनकी कार्यक्षमता पर सवाल उठाए जाते हैं।

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि पल्स पोलियो और एचपीवी टीकाकरण जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों की ब्लॉक टास्क फोर्स बैठकों में केवल औपचारिकता निभाई जाती है तथा रजिस्टर पर हस्ताक्षर और फोटो के लिए दबाव बनाया जाता है। इसके अलावा, अवकाश या प्रशिक्षण अवधि में समीक्षा बैठकों का आयोजन कर स्वयं अनुपस्थित रहने तथा बैठकों की जिम्मेदारी अन्य अधिकारियों को सौंपने का भी आरोप लगाया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि पिछले एक वर्ष से प्रोत्साहन भत्ता जारी करने के नाम पर प्रत्येक माह पैसों की मांग की जा रही है। पैसे देने से इनकार करने वाले अधिकारियों के कार्यों में जानबूझकर कमियां निकालकर उन्हें नौकरी से हटाने की धमकी दी जाती है। वर्ष 2024-25 की प्रदर्शन रिपोर्ट के आधार पर जुलाई 2026 में एकमुश्त 10 हजार रुपये की मांग किए जाने का भी आरोप लगाया गया है।

महिला सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि निरीक्षण के दौरान उनके मोबाइल फोन जबरन लेकर उसमें मौजूद निजी फोटो, वीडियो और व्हाट्सएप संदेश देखे जाते हैं तथा निरीक्षण के दौरान किसी का फोन न उठाने का दबाव बनाया जाता है।

एक गर्भवती महिला सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के संबंध में भी आरोप लगाया गया है कि निरीक्षण के दौरान उन्हें लगातार तीन घंटे तक खड़ा रखकर कार्यों के संबंध में पूछताछ की गई तथा उनके उत्तरों को नजरअंदाज करते हुए अपमानजनक टिप्पणी कर मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों एवं कर्मचारियों ने ज्ञापन के माध्यम से इन सभी आरोपों की जांच कर डॉ. स्वप्नील आतराम को तालुका स्वास्थ्य अधिकारी के पद से हटाने की मांग की है। अब इस मामले में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है, इस पर सभी की नजर बनी हुई है। कर्मचारियों द्वारा लगाए गए इन गंभीर आरोपों के बाद सालेकसा स्वास्थ्य विभाग में हलचल मच गई है।

बोले स्वास्थ्य सभापति एवं जिला परिषद उपाध्यक्ष, सुरेश हर्षे..

सालेकसा के स्वास्थ्य अधिकारी के विरुद्ध प्राप्त शिकायत के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों की तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। यह समिति मामले की बिंदुवार एवं निष्पक्ष जांच करेगी। यदि जांच में स्वास्थ्य अधिकारी दोषी पाए जाते हैं, तो उनके विरुद्ध नियमानुसार निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

अज्ञात वाहन की चपेट मे आने से जख्मी हुवे युवक की मौत मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत ॲक्सीडेंट मौत का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 10/ 7/ 2026 के सुबह 10 बजे के दरम्यान आमगाव रिसामा रोड पर मार्कंड तेजराम सिरामे उम्र 37 वर्ष निवासी दहेगाव को अज्ञात वाहन ने ठोस मारी गंभीर जख्मी होने से उपचार के दौरान मौत हो गई। फर्यादी के दिये बयान पर पोस्टे आमगांव मे अपराध क्रमांक 513/2026 धारा 281, 106, 1, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोऊपनी कथले पोस्टे आमगांव कर रहे है।

टाटा एस गाडी के चपेट मे आने से मोटरसाइकल चालक हुवा जख्मी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के आमगाव पुलिस थाना अंतर्गत वाहन अपघात का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 1/8/2026 के शाम 6 बजे के दरम्यान कुंभारटोली मे अरविंद हिवराज सोनवाने उम्र 35 वर्ष निवासी बिर्शी अपनी मोटर सायकल से मजदुरी के काम से वापस आते समय सामने से आ रही टाटा एस के चालक ने अपना वाहन लापरवाही से चलाकर ठोस मारी मोटरसायकल चालक जख्मी होने से दिये शिकायत पर पोस्टे आमगाव मे अपराध क्रमांक 512/2026 धारा 281,125, ए भान्यास 2023 सहकलम 184 मोवाका के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा बर्वे 562 पोस्टे आमगाव कर रहे है।

ट्रक के टक्कर मे मोटरसायकल चालक हुवा जख्मी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत वाहन अपघात का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 2/8/2026 के दोपहर 3 बजे के दरम्यान फुलचुर मे आरोपी प्रवेशलाल डायरे ने अपना ट्रक लापरवाही से चलाकर रविन्द्र अशोक मेश्राम को ठोस मारी गंभीर जख्मी होने से दिये शिकायत और डाक्टर की रिपोर्ट पर पोस्टे गोंदिया ग्रामीण मे ट्रक चालक के खिलाफ अपराध क्रमांक 441/ 2026 धारा 281,125, अ, ब, भान्यास सहकलम 184, मोवाका के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा कटरे 582 पोस्टे गोंदिया ग्रामीण कर रहे है।

तिब्बती सेटलमेंट अधिकारियों ने की कलेक्टर से मुलाकात, नॉर्ग्येलिंग कैंप आने का दिया निमंत्रण

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गोठणगांव के समीप स्थित नॉर्ग्येलिंग तिब्बती सेटलमेंट के सेटलमेंट अधिकारी तेनजिन त्सांगपा ने सोमवार दोपहर लगभग 2:30 बजे जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी

मंदार पाटकी (आईएएस) से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान तेनजिन त्सांगपा ने नॉर्ग्येलिंग तिब्बती सेटलमेंट की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस बस्ती की स्थापना वर्ष 1972 में की गई थी। उन्होंने समय देकर मुलाकात करने के लिए जिला कलेक्टर का आभार व्यक्त किया तथा तिब्बती सेटलमेंट की ओर से उन्हें शुभकामनाएं भी दीं।

इस अवसर पर सेटलमेंट अधिकारी ने जिला कलेक्टर को नॉर्ग्येलिंग तिब्बती कैंप का दौरा करने का निमंत्रण दिया। इस पर कलेक्टर मंदार पाटकी ने जल्द ही कैंप का दौरा करने का आश्वासन दिया।

भेंट के अंत में कृतज्ञता स्वरूप तेनजिन त्सांगपा ने तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु परम पूज्य दलाई लामा द्वारा लिखित पुस्तक **"Voice for the Voiceless"** तथा शुभकामनाओं के प्रतीक के रूप में एक सफेद पारंपरिक स्कार्फ भेंट कर जिला कलेक्टर का सम्मान किया।

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित..

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार **(Tenzing Norgay National Adventure Awards–TNNAA) 2025** *के लिए पात्र व्यक्तियों से नामांकन आमंत्रित किए गए हैं।*

यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भूमि, जल एवं वायु साहसिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है। इसके अलावा साहसिक खेलों के क्षेत्र में उल्लेखनीय आजीवन योगदान देने वाले व्यक्तियों को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी दिया जाएगा। नामांकन के लिए आवेदक की उपलब्धियां वर्ष 2023, 2024 और 2025 के दौरान उत्कृष्ट स्तर की होना आवश्यक है। इच्छुक एवं पात्र साहसिक खिलाड़ी, साहसिक संस्थाएं तथा संबंधित व्यक्ति 20 अगस्त 2026 तक भारत सरकार की वेबसाइट **https// awards. gov.in** पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में जिला खेल अधिकारी कार्यालय, गोंदिया से संपर्क किया जा सकता है। यह जानकारी जिला खेल अधिकारी लक्ष्मीशंकर यादव ने दी है।

'अष्टलक्ष्मी दर्शन' युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित..

गोंदिया, 3 अगस्त। भारत सरकार के पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा संचालित 'अष्टलक्ष्मी दर्शन युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम' **(Youth E&change Programme)** के तहत महाराष्ट्र के पात्र युवक-युवतियों का चयन किया जाएगा। इस संबंध में खेल एवं युवा सेवा संचालनालय, महाराष्ट्र के निर्देशानुसार इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन एवं नामांकन आमंत्रित किए गए हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के साथ सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना तथा युवाओं को वहां की संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है। यह 8 दिवसीय आवासीय कार्यक्रम होगा, जिसमें 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवक-युवतियां भाग ले सकेंगे। प्राथमिकता ऐसे युवाओं को दी जाएगी जो स्नातक के द्वितीय या तृतीय वर्ष में अध्ययनरत हों। शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने वाले युवाओं के साथ-साथ युवा पुरस्कार प्राप्तकर्ता, एनसीसी, एनएसएस तथा भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के रोवर्स एवं रेंजर्स को चयन में प्राथमिकता दी जाएगी।

इच्छुक एवं पात्र युवक-युवतियां आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित अवधि के भीतर अपना आवेदन जिला खेल अधिकारी कार्यालय, गोंदिया में जमा करें। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय में जिला खेल अधिकारी कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। यह अपील जिला खेल अधिकारी लक्ष्मीशंकर यादव ने की है।

अंकुर टेस्ट ट्युब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाऐं..
■ टेस्ट ट्युब बेबी (IVF ET) ■ इक्सी टेस्ट ट्युब बेबी (ICSI) ■ (IUI) आय.यू.आय. ■ अधिक उम्र में मातृत्व ■ ओव्हम डोनेशन द्वारा ■ बंद फॉलोपियन ट्युब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार ■ शुक्राणु बैंक सुविधा ■ सोनोग्राफी ■ हार्मोंस की जांच ■ हार्मोंस की गड़बड़ी की ईलाज ■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस — अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस — प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

12 मंगलवार 04 अगस्त 2026
जग प्रेरणा live गोंदिया भंडारा
● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेंन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

चांवल उद्योगों को सरकार से मिले राहत, क्षेत्र के उद्योगों की सांसद राजेन्द्र जैन ने जताई राज्यसभा में चिंता..

राज्यसभा में पहली बार बोले सांसद राजेन्द्र जैन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया भंडारा क्षेत्र के नेता राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद राजेन्द्र जैन आज नवनिर्वाचित सांसद के रुप में शपथ लेने के उपरांत पहली बार सदन में बोले, तथा जहां सांसद राजेन्द्र जैन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छोटे एवं लघु उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिये तथा उन्हें मजबूत आधार प्रदान करने के लिये नए संशोधनों की प्रशंसा

की, वहीं सरकार से अपने क्षेत्र के राईस उद्योग जो कि विगत अनेक वर्षों से दुर्दशा के शिकार हैं, तथा क्षेत्र में रोजगार की उपलब्धता का सबसे बड़ा आधार राईस उद्योग है, जिसे सरकार से राहत मिले, इसकी मांग सांसद राजेन्द्र जैन ने सदन में सरकार के समक्ष रखी।

बोले सांसद राजेन्द्र जैन..

सांसद राजेन्द्र जैन ने कहा कि मैं देश के करोड़ों सूक्ष्म लघु व मध्यम उद्योगों के हित में महत्वपूर्ण संशोधक विधेयक लेकर सरकार आई है, वे उसका समर्थन करते हैं, तथा उन्होंने कहा कि मान. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के माध्यम से सूक्ष्म एवं लघु उद्योग उद्यम भारत की अर्थव्यवस्था की रीड है, और यह विधेयक छोटे उद्यमियों को सरल पंजीकरण, समय पर भुगतान एवं त्वरित विवाद का समाधान तथा विश्वास आधारित अनुपालन की सुविधा देकर उन्हें नई शक्ति प्रदान करेगा। श्री जैन ने कहा कि यह विधेयक केवल कानून में संशोधन नहीं बल्कि व्यवसाय करने की सुगमता आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के संकल्प को सशक्त बनाने वाला एक ऐतिहासिक प्रयास है।

राईस उद्योग भी लघु उद्योग का हिस्सा..

सांसद राजेन्द्र जैन ने सदन में कहा कि महाराष्ट्र के जिस भाग से हम आते हैं, वहां मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का क्षेत्र लगा हुआ है। वहां पर राइस का बहुत बड़ा उद्योग है। वह भी लघु उद्योग में आता है, लेकिन उस राईस उद्योग को भी अब सरकार से सहयोग की अपेक्षा है। सांसद जैन ने कहा कि राइस इंडस्ट्री में सरकार उनके बिजली बिल में उन्हें राहत दे, उनकी सब्सिडी को थोड़ा बढ़ाया जाना चाहिये, आज सरकार ने इस बिल के माध्यम से जो एमएस को प्राथमिकता दी है उसमें जो उनका प्रोडक्शन होगा उसकी खरीद में भी उनको प्राथमिकता दी जाएगी। भुगतान में प्राथमिकता दी जाएगी। इस तरह से यह शानदार हमारा ये जो बिल आया है, उस पर हमें विश्वास है कि हमारे क्षेत्र में राईस उद्योग एक बार फिर क्षेत्र में रोजगारमूलक उद्योग के रुप में क्षेत्र की प्रगति और उन्नति का आधार बनेगा।

हिन्दू-मुस्लिम से उठकर अब देश के विकास की नीतीयां चाहते है नागरिक - पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

गोंदिया तालुका कांग्रेस की विशेष सभा संपन्न

जगप्रेरणा गोंदिया।

पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिती में गोंदिया तालुका कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न हुई, जिसमें मतदान यादी पुर्ननिरीक्षण कार्यक्रम, स्नातक मतदार संघ पंजीयन, आगामी ग्राम पंचायत चुनाव में कांग्रे पक्ष की तैयारीयों आदि की समीक्षा की गई।

उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि, देश में भाजपा का बुना हुआ संप्रादायिक हिन्दु-मुस्लिम बुलबुला फुट चुका है और दिल्ली के जंतर-मंतर में हुई युवा क्रांती ने भाजपा का असली चेहरा जनता के सामने उजागर कर दिया है। लेकिन देश के युवाओं के सामने अंततः सरकार को भी झुकना पड़ा। देश की जनता अब सब समझ चुकी है और हिन्दू-मुस्लिम से ऊपर उठकर अब देश में विकासशील नीतियां चाहती है। पेट्रोल में इथेनॉल मिलाया जाना भी देश के आम नागरीकों को आर्थिक रुप से परेशान कर रहा है, ऐसे उद्गार पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने व्यक्त किये। बैठक की अध्यक्षता तालुका कांग्रेस अध्यक्ष रमेश अंबुले ने की।

पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने आगे कहा कि, गोंदिया शहर और ग्रामीण क्षेत्र भी अब भाजपा के विकास को महसुस करने लगा है। जहां शहर का मुख्य रेल्वे उड़ानपुल गत 2 वर्षों से आधा-अधुरा पड़ा है। वहीं मरारटोली रेल्वे क्रासिंग पर नियोजित पुलिया के कुछ खंबे बीच में, कुछ साईड में बनाए जाने से, पुलिया बनने के बाद नीचे की सड़क का भगवान ही मालिक है। नवीन सिमेंट सड़कों को अनावश्यक बार-बार तोड़ा जा रहा है। अधिकांश बांधकाम छोटे ठेकदार दो-तीन वर्षों से भुगतान की आस में त्रस्त है। वहीं गांव-गांव में निर्माणाधीन पानी पुरवठा योजनाओं के काम निधी के अभाव में प्रलंबित है। क्षेत्र में अनियमिताओं का अंबार लगा है और निश्चित रुप से आम नागरीक भी इस बात को समझ रहा है। हमें हर नागरीक तक पहुंचकर उसकी समस्या में हर संभव सहयोग का प्रयास करना होगा, वहीं इन समस्याओं का मुख्य कारण भाजपा के कुशासन है, यह भी अवगत कराने का कार्य अब कार्यकर्ताओं को हाथ में लेना होगा।

पुण्यतिथी के अवसर पर बाल गंगाधर तिलक को दी श्रध्दांजलि..

1 अगस्त देश के महान स्वतंत्रता सैनानी बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथी पर पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल सहीत सभी कांग्रेसियों ने बाल गंगाधर तिलक को स्मरण कर उनके तैल्यचित्र को पुष्पांजली-श्रध्दाजंली दी। इस अवसर पर प्रमुख रुप से तालुका कांग्रेस अध्यक्ष रमेश अंबुले, कृउबास उपसभापती राजकुमार पप्पु पटले, सुशील खरकाटे, सिध्दार्थ गणवीर, पुर्व जिप सदस्य अर्जुन नागपुरे, मनोहर भावे, सिध्दार्थ नारनवरे बिरसी दा, पुनाप्रसाद लिल्हारे, योगेश तुरकर काटी, कत्तेलाल मातरे बिरसोला, रविन्द्र पांडे लोहारा, नटवरलाल जैवार, बसंतराम ठाकरे, हरीकृष्ण खरकाटे कामठा, अनिरुद्ध बाहे कटंगटोला, कातांबाई पाचे, राजकुमार पांचे, साहेबलाल गंगभोज, राजेश माने बनाथर, लालसिंग पंधरे, जानकीप्रसाद मस्करे देवरी, गौरव बिसेन, निवारण भालाधरे, प्रेमलाल टेंभरे कोचेवाही, हफीज खान चंगेरा, जमिल बेग मीर्झा कटंगटोला, कृष्णकुमार मेंढे, नारायण पटले तेढवा, गिरधारी पटले, देवचंदभाऊ बिसेन, नितिन पटले, सिध्दार्थ गणवीर, सचिन मेश्राम, आशीष उपवंशी, दुर्गेश लिल्हारे सोनबिहरी, आनंद लांजेवार रावणवाड़ी, रामप्रसाद नागपुरे चारगांव, पंकज मेश्राम एकोडी, सरपंच सोनुभाऊ घरडे, योगेश परिहार एकोड़ी, राजेश लिल्हारे सोनबिहरी, सुरजलाल महारवाड़े दतोरा, योगेश भेलावे कुड़वा, जितेश राणे, विशाल अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर गुरु-शिष्य मिलन समारोह का भव्य आयोजन कर

गोंदिया संगीत कलाकार परिवार द्वारा संगीत साधना का आयोजन कर किया गया गुरु परंपरा को नमन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गोंदिया संगीत कलाकार परिवार द्वारा स्थानीय रामदेवरा मंदिर परिसर में भव्य गुरु शिष्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान करते हुए संगीत साधना, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया।

समारोह का शुभारंभ गुरु वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर शिष्यों ने अपने गुरुजनों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में मितेश परमार, मनीष सोनी, वेदप्रकाश शुक्ला, रामू ढोरे, राजू चौरसिया, अनिल मेश्राम, मुजीब खान, राजकुमार देशभ्रतार, अतुल सतदेवे, कमल अग्निहोत्री, गुड्डू धावड़े, सुनील मनुजा, सुखदेव ऊके, दिलीप कोसरे, रत्नाकर लांजेवार, दिनेश कटरे, भूपेंद्र गोस्वामी, गुड्डा तिरोले, संतोष रामटेके, विशाल गणवीर एवं शिव इसारिया का सम्मान किया गया। समारोह में हरिओम बालाघाटी, तनवानी सर एवं रत्नाकरजी लांजेवार (तिरोड़ा) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए संगीत साधना को समाज में प्रेम, सद्भाव और संस्कारों का माध्यम बताया। इस अवसर पर रमादे मेमोरियल ट्रस्ट सहयोग हॉस्पिटल, गोंदिया के सहयोग से निःशुल्क आरोग्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श का लाभ लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गुरु एवं शिष्यों द्वारा प्रस्तुत मधुर भजन एवं संगीत प्रस्तुतियाँ रहीं। सुर, लय और भक्ति से सराबोर प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विजय सोनी, आशीष देशभ्रतार, पिंटू बिसेन, शुभम तुरकर, जय परमार, हिमांशु सोनी, अनूप बोरकर, गुड्डू राउत, सोहन पटले, श्याम बघेले, अविनाश करोसिया, अभिषेक तिवारी, प्रथम मिश्रा, अंकित देशभ्रतार, जयश पवार, यश विनचूरकर, भावेश चौरसिया, विनायक भाकरे, नितिन श्रीवास्तव, यश शर्मा, शुभम तिवारी, नितेश कटरे, बंटी सांगोडे, लल्लू बन्सोड, राहुल उके, खुमेश राउत, विवेक फाये, ऋषि मेश्राम, गुलशन खत्री, गुलशन दीप, अक्कू अरखेल, हितेश ठाकरे, राकेश चूरे, रक्षा करोसिया, आकांक्षा तिवारी, गुड़िया संतवाणी, माने जी एवं राहुल सेन सहित युवा कलाकारों ने अथक परिश्रम कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन सोहन पटले ने किया, जबकि अंत में आशीष देशभ्रतार ने सभी गुरुजनों, अतिथियों, कलाकारों, सहयोगियों, चिकित्सकीय टीम एवं उपस्थित संगीत प्रेमियों का आभार व्यक्त किया। समारोह का समापन गुरु वंदना एवं भारतीय संगीत परंपरा को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

उपचुनाव में खुद का बूथ हारने पर अब भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन इस्तीफा दें.. - छैलबिहारी अग्रवाल

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के वरिष्ठ समाजसेवी, विदर्भवादी नेता छैलबिहारी अग्रवाल ने बिहार में संपन्न चुनावों में भाजपा उम्मीदवार की हार तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नबीन के बूथ में भी भाजपा की हार को शर्मनाक हार करार दिया है, तथा मांग की है कि इस स्थिति में अब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को अपने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे देना चाहिये।

भाजपा को अब योगी आदित्यनाथ को आगे लाना चाहिये, यह भी बोले छैलबिहारी अग्रवाल

छैलबिहारी अग्रवाल ने कहा कि भाजपा सरकार में अब भ्रष्ट और अनैतिक फैसले अधिक होने लगे हैं, तथा देश के जनमानस का अब भाजपा से मोहभंग होने लगा है, इसी प्रकार भाजपा से अब हिन्दु वोटर भी दूर हो रहा है क्योंकि एक तरफ हिन्दु राम मंदिर चढ़ावे में घोटाला देख रहा है, तो वहीं गौ मांस के सबसे बड़े निर्यातक के दाग से भाजपा भी भारत को मुक्त नहीं कर पा रही है, जबकि वहीं एथेनॉल के कारण वाहनों में हो रही दिक्कतों से देश का एक एक नागरिक सरकार से परेशान हो चुका है, और एथेनॉल मामले में सरकार के संरक्षण में करोड़ों अरबों का सब्सिडी घोटाला सामने आ रहा है, जबकि वहीं नीट परीक्षा में भी हुई धांधली और जंतर मंतर पर हुए आंदोलन के कारण भाजपा से जनता का भरोसा भी कम हुआ है, इस स्थिति में अब भाजपा को नए फैसले लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी के स्थान पर योगी आदित्यनाथ को देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहिये, ताकि भाजपा में नीतिगत सहीं निर्णय हो सके, क्योंकि अगले वर्ष 2027 में 7 राज्यों के चुनाव होंगे और इन चुनावों में भाजपा को भारी नुकसान हो सकता है। श्री अग्रवाल ने कहा कि यदि योगी आदित्यनाथ को भाजपा आगे लाती है तो अवश्य भाजपा को लाभ होगा और 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को लाभ मिल सकेगा।

दरियां ◆ मैटिंग्स ◆ कारपेट्स ◆ डोरमेट्स ◆ शॉल
ब्लैंकेट्स ◆ स्कूल की भोजन पतियों ◆ ताड़पत्री
मच्छरदानी ◆ ग्रीन नेट ◆ चादरे
बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
ग्रीन नेट | कारपेट्स | ताड़पत्री | डोरमेट्स | ब्लैंकेट्स | बेड शीट्स
रमनकुमार मेठी हैंडलूम हाउस
उत्तम क्वालिटी वाजिब दाम हमारी पहचान
9890696200
होम डिलीवरी की सुविधा
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया | थोक व चिल्लर विक्रेता

विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त को गोंदिया में होगा आदिवासी संस्कृति का भव्य महाउत्सव..

रेला नृत्य, मांदर वादन, झांकी और पारंपरिक वेशभूषा का होगा भव्य प्रदर्शन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आगामी 9 अगस्त को गोंदिया शहर में आदिवासी संस्कृति का भव्य प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। आदिवासी पीपल फेडरेशन एवं संयुक्त आदिवासी संगठन, गोंदिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की

अंतिम तैयारी बैठक शासकीय विश्राम गृह में उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सेवानिवृत्त समूह शिक्षाधिकारी वाय. सी. भोयर ने की। इस अवसर पर जगदीश मडावी, करण टेकाम, एडवोकेट विवेक धुर्वे, प्रो. नीलकंठ चिचाम, छत्रुघ्न मार्स्कोल्हे, संगीता पुसाम, ललिता ताराम, अनिल वट्टी, बी. डी. मेंडके, एस. पी. मार्स्कोल्हे, रुपराज कोडापे, दिलेश्वरी मरस्कोल्हे, राधिका सलामे, राजकुमार टेकाम, रवी किसाने, नरेश टेकाम, दुर्गेश एल्सरे, राकेश प्रधान, नीलकंठ मरकाम, यद्यंराज कुंजाम तथा एच. सी. भोयर सहित जिले के अनेक आदिवासी नेता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए रेला नृत्य, मांदर वादन, पारंपरिक गीत, आकर्षक झांकियां तथा पारंपरिक वेशभूषा का भव्य प्रदर्शन किया जाएगा। जिले के विभिन्न आदिवासी सांस्कृतिक दल भी इस आयोजन में अपनी प्रस्तुति देंगे। आयोजकों ने बताया कि गोंदिया की सामाजिक संस्थाओं एवं दानदाताओं के सहयोग से कार्यक्रम स्थल पर आदिवासी भाइयों-बहनों के लिए अल्पाहार, पेयजल तथा चाय-बिस्कुट की निःशुल्क व्यवस्था की गई है। बैठक का संचालन करण टेकाम ने किया, जबकि निखिल बंसोड़ ने आभार व्यक्त किया। आयोजकों ने जिले के सभी आदिवासी समाज के लोगों से बड़ी संख्या में उपस्थिति का आहवान किया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com